हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी



गरियाबंद जिले के आमामोरा पहाड़ी क्षेत्र से सीमा पर गिरता है चांउरधुआ प्रपात

बारिश में निखरी छटा को देखने आठ किमी पैदल सफर भी लग रहा आसान

शेख हसन खान ⏭ मैनपुर

गरियाबंद जिले के उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व की पहाड़ी के उपर बसे ओड़ आमामोरा क्षेत्र में कई जलप्रपात इन दिनों बारिश के साथ अपने पूरे शबाब पर हैं और बड़ी संख्या मे प्रदेशभर से पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं। आमामोरा पहाड़ी छत्तीसगढ़ से सटे ओडिशा सीमा मे एक कम ज्ञात लेकिन अद्भूत जलप्रपात चांउरधुआ का ऐतिहासिक नजारा देखने इन ⏭शेष पेज 9 पर

अलग खबर

लगभग आठ किमी पैदल रास्ता

इस चांउरधुआ जलप्रपात सोनाबेड़ा इलाके मे स्थित है और इंद्रावन नदी के नाम से जाना जाता है। मैनपुर से लगभग 38 किमी दूर पहाड़ी आमामोरा तक जीप, कार व मोटर साइकिल से पहुंचा जाता है। उसके बाद पथरीली पगडंडी मार्गों को लगभग 8 से 10 किमी पैदल तय कर यहां तक पहुंचा जा सकता है। बहरहाल बरसात के चलते इस जलप्रपात का भारी गरजन दूर से सुना जा जा सकता है।

छत्तीसगढ़ का पहाड़ी झरना ओडिशा में कल-कल ...

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹114015/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹139250/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹152005/-
Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।
anand Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

खबर संक्षेप

चार हाईकोर्ट में नियुक्त किए गए 30 न्यायाधीश

नई दिल्ली। चार हाईकोर्ट में शनिवार को 30 न्यायाधीशों की



नियुक्ति की गई, जिनमें से 20 न्यायाधीश अधिवक्ता हैं जबकि बाकी 10 न्यायिक अधिकारी हैं। मद्रास उच्च न्यायालय में 15, कलकत्ता उच्च न्यायालय में आठ न्यायाधीश नियुक्त किए गए हैं। कर्नाटक में छह न्यायाधीशों और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में एक न्यायाधीश की नियुक्ति की गई है।

कर्नाटक में कार-ट्रक की टक्कर में तीन की मौत

चिकमगलुरु। चिकमगलुरु जिले के कोट्टिगेहारा के पास एक कार और रसोई गैस सिलेंडर से लदे ट्रक की भिड़ंत में तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस वक्त हुआ जब तेज रफ्तार कार कथित तौर पर अनियंत्रित हो गई और सामने से आ रहे ट्रक से जा टकराई। तुमकुरु निवासी कार सवार लोग धर्मस्थल जा रहे थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए।

अभिनेत्री अविका डेंगू के कारण अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। 'बालिका वधू' की अभिनेत्री अविका गौर को डेंगू के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है।



अविका के पति मिलिंद चंदवानी ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अविका तेज बुखार के बावजूद कई दिनों से शूटिंग कर रही थीं। उन्होंने अभिनेत्री के काम के प्रति समर्पण की सराहना की।

भारतीय मूल के लेखक ब्रिटेन के बोर्ड में

लंदन। भारतीय मूल के एक लेखक को ब्रिटेन के 'नेशनल लॉटरी कम्युनिटी फंड' के बोर्ड में नियुक्त किया गया है। यह देश की प्रमुख वित्तपोषण संस्थाओं में से एक है, जो आकर्षक अनुदानों के जरिए सामुदायिक परियोजनाओं के लिए वित्तीय मदद करती है। थिंक टैंक 'ब्रिटिश फ्यूचर' के संस्थापक सुंदर कटवाला ने इस सप्ताह अपनी नई जिम्मेदारी संभाली है। 'हाउ टू बी ए पैट्रियट' के 52 वर्षीय लेखक चार साल के कार्यकाल के दौरान अध्यक्ष डेम जूलिया क्लेवरडन और बोर्ड के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर काम करेंगे।

पीएम मोदी ने आईआईटी छात्रों को दिया मंत्र, 'छात्रों की गूंज' में पहुंचे राहुल गांधी

कॉकरोच जनता पार्टी की दिल्ली में जोरदार प्रदर्शन के बाद देशभर की सियासत युवाओं पर केंद्रित हो रही है। मुंबई में दो दिन पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जेन जी और जेन अल्फा से रूबरू हुए थे। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईआईटी छात्रों को मंत्र दिया, वहीं प्रयागराज में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहुंचे।

आईआईटी दिल्ली पहुंचे प्रधानमंत्री

सवाल पूछने तक न रहें सीमित समाधान भी खोजें : पीएम मोदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को छात्रों से कहा कि वे उन बातों पर सवाल उठाएं, जिन्हें बिना सोचे-समझे मान लिया जाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें सिर्फ सवाल पूछने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनके समाधान खोजने का साहस भी दिखाना चाहिए। आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि चुनौतियों का सामना करने के लिए नए समाधान खोजने का साहस रखने वालों के लिए चुनौतियां ही अवसर बन जाएंगी। मोदी ने छात्रों को सलाह दी कि वे जीवन में अपनी जिज्ञासा और सीखने की प्रवृत्ति को बनाए रखें। उन्होंने कहा, बिना सोचे-समझे स्वीकार की गई बातों पर सवाल ⏭शेष पेज 9 पर

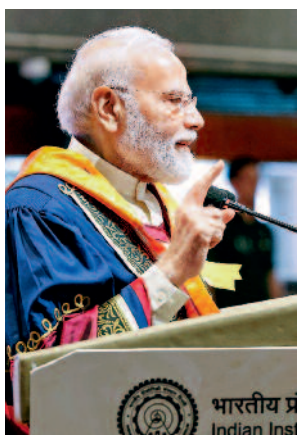

मेडल पाने वालों की तारीफ

उन्होंने मेडल पाने वालों की खास तौर पर तारीफ की और संस्थान में नई एआई पहल की शुरुआत का जश्न मनाया। उन्होंने कहा, आप यहां से देश के लिए बहुत कुछ करने का सपना लेकर निकल रहे हैं। छात्रों की इस तेज-तर्रार यात्रा पर बात करते हुए, मोदी ने प्रबोधन दिवस से लेकर दीक्षांत समारोह तक के उनके सफर को विस्तार से याद किया।

बताई डिग्री की अहमियत

आईआईटी डिग्री की असली अहमियत को नए सिरे से परिभाषित करते हुए, मोदी ने जोर दिया कि यह योग्यता सिर्फ अच्छे सीजीपीए (क्युमुलेटिव ग्रेड पॉइंट एवरेज) या मोटी सैलरी वाले नियुक्ति प्रस्तावों से कहीं बढ़कर है; बल्कि यह मुश्किल समस्याओं को सुलझाने की बेहतरीन काबिलियत का एक पक्का वैश्विक प्रमाण-पत्र है। उन्होंने कहा, आपकी डिग्री दुनिया को ये बताती है कि आप कठिन समस्याओं का समाधान करना जानते हैं।

प्रयागराज में गांधी का छात्रों से संवाद

भारत के 40 करोड़ युवा देश की सबसे बड़ी ताकत : राहुल

एजेंसी ⏭ प्रयागराज

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि भारत के युवा इस देश की सबसे बड़ी ताकत है और इनकी संभावना दुनिया में बेजोड़ हैं। राहुल ने यहां केपी ग्राउंड में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आप भारत की ताकत और गर्व हो। जब मैं यह कहता हूं, मैं हर भारतीय नागरिक के बारे में बात कर रहा हूं। उन्होंने कहा, मैं आज शाम आपसे आपके दर्द, डेटा और दौलत के बारे में बात करना चाहता हूं। राहुल ने कहा कि भारत के 40 करोड़ युवा इसकी सबसे बड़ी ताकत हैं और अमेरिका, चीन व रूस की तुलना में देश के युवाओं का कोई जवाब नहीं है। उन्होंने देश में शैक्षणिक योग्यता के मूल्य को लेकर भी चिंता व्यक्त ⏭शेष पेज 9 पर



भारत में रोजगार के दरवाजे बंद

राहुल गांधी ने कहा कि प्राब्लम है कि पढ़ाई करते हो, पैसा डालते हो लेकिन रोजगार के सारे दरवाजे बंद पड़े हुए हैं। दुनिया में मेड इन चाइना वियतनाम दिखेगा लेकिन मेड इन इंडिया नहीं दिखेगा। जीएसटी और नोटबंदी ने सारे सिस्टम बंद कर दिया। नरेंद्र मोदी, अमित शाह और अदाणी ने रोजगार खत्म किया।

नोटबंदी ने पढ़ाई और मैन्यूफैक्चरिंग के दरवाजे किए बंद: राहुल

राहुल गांधी ने कहा कि प्राब्लम है कि पढ़ाई करते हो, पैसा डालते हो लेकिन रोजगार के सारे दरवाजे बंद पड़े हुए हैं। मैन्यूफैक्चरिंग का। दुनिया में मेड इन चाइना वियतनाम, दिखेगा मेड इन इंडिया नहीं दिखेगा। जीएसटी और नोटबंदी ने सारे सिस्टम बंद कर दिया।

मानव तस्करी...

झांसेबाजों ने कांकेर की महिला को मप्र में 50 हजार में बेचा



हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

काम दिलाकर बेहतर भविष्य का सपना दिखाया गया, लेकिन भरोसे का यह सफर महिला को अपने ही घर-परिवार से दूर मध्यप्रदेश तक ले गया। वहां पहुंचने के बाद उसे कथित तौर पर 50 हजार रुपए में दूसरे व्यक्ति के हाथ बेच दिया गया और उसकी इच्छा के विरुद्ध शादी करा दी गई। करीब पांच माह तक महिला को उसी व्यक्ति के घर में रखा गया। पति की शिकायत के बाद शुरू हुई गुमशुदगी की जांच ने जब मानव तस्करी के इस गंभीर मामले का रूप लिया तो बांदे पुलिस ने मध्यप्रदेश पहुंचकर महिला को बरामद किया और ⏭शेष पेज 9 पर

खास खबर

50 हजार में बेच दिया था

महिला ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि अनिता पवार पति जगत पवार निवासी बेलगाल और जमना लाल भील निवासी आवलिया, जिला खंडवा ने उसे काम दिलाने का झांसा दिया था। आरोप है कि दोनों उसे बहला-फुसलाकर मध्यप्रदेश ले गए। वहां उसे जितेन्द्र राठौर के पास 50 हजार रुपए में बेच दिया गया। इसके बाद उसकी शादी जितेन्द्र राठौर से करा दी गई।

मामले की जाँच जारी

बांदे थाना प्रभारी रामचंद्र साहू ने बताया कि मध्यप्रदेश के खंडवा जिले से महिला को बरामद किया गया और संलिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि महिला को मध्यप्रदेश ले जाने और बेचने की घटना में आरोपियों ⏭शेष पेज 9 पर

इच्छा के विरुद्ध पांच माह तक रखा

पुलिस की जांच और महिला के बयान के अनुसार, उसे उसकी इच्छा के विरुद्ध करीब पांच माह तक जितेन्द्र राठौर के घर में रखा गया। मामले में महिला की बरामदगी के बाद पुलिस ने उसके बयान और जांच के दौरान सामने आए तथ्यों को आधार बनाया। इसके बाद थाना बांदे में धारा 143 (2), 61 (2), 127 (4), 87 बीएनएस के अंतर्गत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

तस्वीर रखकर कर रहे थे पूजा-पाठ

श्मशान में काला जादू, एक युवक को पकड़ा, 3 भाग गए

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

शहर के 4 युवक बीती रात सीपत क्षेत्र के ग्राम देवरी स्थित मुक्तिधाम में न्यायिक अधिकारी, जेल में बंद एक आरोपी व एक व्यक्ति की तस्वीर रखकर पूजा-पाठ कर रहे थे। जानकारी मिलते ही गांव के लोग श्मशान घाट पहुंचे और एक युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। वहीं तीन युवक बाइक से भाग गए। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है। सीपत पुलिस के अनुसार ⏭शेष पेज 9 पर

वायरल हुआ वीडियो

ग्रामीणों ने घटनाक्रम का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया है। सीएसपी तिलेश्वर प्रसाद यादव ने बताया, ग्रामीणों के द्वारा श्मशान घाट में पूजा पाठ करते हुए एक युवक को पकड़ लिया है, वहीं उसके तीन साथी भाग गए हैं। पकड़े गए युवक के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

साजिश रचने वाले तीन आरोपी पकड़ाए

ब्लैक पेपर और केमिकल से नोट बनाने का झांसा, गिरोह गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नवागढ़

काले कागज से असली नोट बनाने का झांसा देकर ठगी का प्रयास करने वाले गिरोह को नवागढ़ पुलिस ने पकड़ा है। गिरोह के सदस्यों ने खुद को केमिकल एक्सपर्ट बताते हुए एक युवक को ठगने का प्रयास किया। विशेष केमिकल और काले कागज से नोट बनने की बात कहते हुए युवक को झांसे में लिया गया। इसके बाद युवक से 50 हजार रुपए मंगाए गए। युवक ने संदेह होने पर पुलिस में



शिकायत की। सायबर टीम की मदद से जांच करते हुए पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नवागढ़ निवासी साहिल कुमार ने पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले ⏭शेष पेज 9 पर

पहले भी पकड़ा जा चुका है मास्टरमाइंड

गिरोह का मास्टर माइंड शिवप्रसाद मनहर पूर्व में भी नकली नोट के कारोबार से जुड़ा रहा है। उसके खिलाफ थाना जैजैपुर के 24 लाख रुपए की नकली नोट एवं रायपुर के गंज थाने में 85 लाख रुपए के नकली नोट के मामले में चालान हो चुका है। शिवप्रसाद ने तेरस राम महिपाल ⏭शेष पेज 9 पर

ICFAI UNIVERSITY
The ICFAI University, Raipur
Approved by UGC under section 22 of UGC Act, 1956
Upto 100% Scholarship for B.Tech Students
Early Bird Concession
Concession for Armed Forces
100% Placement Assistance
Faculty supervised academically integrated Internships
MERIT SCHOLARSHIPS: Based on performance in Qualifying Examination & Semester-wise Performance in respective programs
B.Tech | B.Tech (LE) | B.Sc | B.Sc (Hons.) | BCA | BCA (Hons.)
BBA | BBA (Hons.) | B.Com | B.Com (Hons.) | BA | BA (Hons.)
B.Ed. | LL.B (Hons.) | BA-LL.B (Hons.) | MBA | MCA
M.Tech (CSE / ECE) MA (Yoga / Journalism & Mass Comm. / English Education / Economics / Hindi Lit. / Public Admini.)
M.Sc. (Maths. / Phy / Chem) | Ph.D (Full-time/ Part-time)
9714954099 / 8709445599
www.iuraipur.edu.in /icfai.raipur
Campus: The ICFAI University, Raipur, NH-53, Raipur-Bhilai Road, KM Stone 20, PO: Kumhari, Dist: Durg - 490 042, Chhattisgarh.

व्यापारियों के लिए अधिकांश लेनदेन रहेंगे निःशुल्क

यूजर्स के लिए फ्री रहेगा यूपीआई ट्रांजैक्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शनिवार को यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए पेमेंट को लेकर स्पष्टीकरण जारी कर दिया है। सरकार ने कहा कि यूपीआई के जरिए पेमेंट करने पर यूजर्स को कोई ट्रांजैक्शन चार्ज नहीं देना होगा, हालांकि आने वाले दिनों में कुछ चुनिंदा व्यापार से जुड़े ट्रांजैक्शन के लिए मामूली मर्चेंट डिस्काउंट रेट लागू किया जा सकता है। यह बयान लोकसभा में 'पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007' में संशोधन के लिए एक बिल पास करने के एक दिन बाद आया है।



यूपीआई ट्रांजैक्शन पूरी तरह से फ्री रहेंगे

वित्त मंत्रालय ने कहा कि पर्सन-टू-पर्सन (पी2पी) यूपीआई ट्रांजैक्शन पूरी तरह से फ्री रहेंगे। मंत्रालय ने इस बात पर भी जोर दिया कि अधिकतर मर्चेंट भी ट्रांजैक्शन भी फ्री रहेंगे, लेकिन कुछ चुनिंदा पर आने वाले समय में मामूली चार्ज लगाया जा सकता है। सरकार के मुताबिक, अगर एमडीआर चार्ज लागू किए जाते हैं, तो वे एक निश्चित सीमा से अधिक वाले कुछ खास मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर ही लागू होंगे।

सरकार क्यों कर रही एक्ट में बदलाव

सरकार ने बताया कि इस बदलाव का मकसद यूपीआई की लंबे समय तक चलने की क्षमता, तकनीकी तरक्की और नए खतरों से निपटने की मजबूत बनाना है। सरकार ने कहा कि यूपीआई के ट्रांजैक्शन वॉल्यूम में तेजी से हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए साइबर सिक्योरिटी, धोखाधड़ी रोकने और इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के लिए बड़े और लगातार निवेश की जरूरत है।

मर्चेंट डिस्काउंट रेट पर समिति लेगी निर्णय

संसद द्वारा कराधान और अन्य कानून विधेयक, 2026 को पारित करने के बाद एनपीसीआई की अध्यक्षता वाली 'यूपीआई और सेवा संचालन समिति' एमडीआर पर निर्णय लेगी। इसमें कहा गया कि भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम में हाल में हुए संशोधन ने एक बहस को जन्म दिया है, जिसमें कुछ लोग इसे आम उपयोगकर्ताओं पर शुल्क लगाने के कदम के रूप में गलत अर्थ दे रहे हैं। इसमें कहा गया कि वास्तव में यह संशोधन यूपीआई की दीर्घकालिक स्थिरता, तकनीकी उन्नति और उभरते जोखिमों के खिलाफ लचीलापन सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

COLUMBIA PROFESSIONAL UNIVERSITY
विद्या आरभ्यते प्रगतिः
All Progress Begins with Learning

COLUMBIA PROFESSIONAL UNIVERSITY

22 Years of LEGACY
Evolves into a
UNIVERSITY

With 22 years of rich educational legacy, the institution now proudly enters a new era as a State Private University reaffirming its commitment to excellence innovation, and leadership.



From Scientific Discovery
To Professional Success.

B.Sc.
Physics, Chemistry, Maths
Botany and Zoology
Biotechnology, Microbiology,
Forensics, Bioinformatics, Environment

M.Sc.
Biotechnology, Biochemistry
Microbiology, Forensics, Zoology
Bioinformatics, Physics, Chemistry
Maths, Botany,

Ph.D

B.Com | M.Com | B.Com (Computer) | Ph.D

First Time in C.G. ▶ **MBA in Pharmaceutical Management**

Modern infrastructure with 30 acres of lush green campus
Three Times NBA Accredited
Focus on Holistic Development of Students
DST-FIST New Delhi Supported Pharmacy Labs
Spacious and well-lit Smart Classrooms
Research & Excellence

12,000+ ALUMNI NETWORK
100% PLACEMENT ASSISTANCE
₹1.5+ Crore RESEARCH GRANTS
10.5 LPA HIGHEST CTC

Empowering Future through NEP-Driven, Multidisciplinary Education

FACULTY OF ARTS & HUMANITIES
DIPLOMA - Yoga Science
B.A. / M.A. — Economics/English/Hindi/History/ Yoga Political Science/Sociology/Psychology/ Social Work/Geography — Ph.D

FACULTY OF EDUCATION
B.Ed. I D.El.Ed. I M.A. I Ph.D

FACULTY OF COMPUTER APPLICATION & IT
B.C.A. I M.C.A . I PGDCA I D.C.A.
B.Sc. Computer Science, Information Technology, Digital Marketing, Cyber Security
M.Sc. Computer Science, Information Technology, Digital Marketing, Cyber Security
Ph.D

FACULTY OF LIBRARY & INFORMATION SCIENCE
B.Lib. I M.Lib. I Ph.D

FACULTY OF ENGINEERING & TECHNOLOGY
B.Tech Diploma
CSE I Civil I Electrical I Mechanical I Instrumentation

B.Tech
CSE I Data Science & ML I AI & ML I CSE (Cyber Security) I EEE I Civil Mechanical I Electrical Engineering I Electronics & Communication Engineering I Semi Conductor & VLSI Design Mechanical (Robotics and Automation) I Electrical Engineering with Electric Vehicle Digital Marketing and E-Commerce

M.Tech
Thermal I Thermal Power I Computer Technology I CSE (AI & ML) I CSE (Data Science & ML) I CSE (Cyber Security) Civil Engineering (Structural Engineering) I Electrical & Electronics Engineering (Power Electronics & Drives) I Electronics Engineering (VLSI & Embedded Systems I Civil Engineering (Infrastructure Management Engineering)

Ph.D

FACULTY OF LAW
LLB I B.A.LLB I B.B.A.LLB I LLM I Ph.D

FACULTY OF MANAGEMENT
DIPLOMA - Hotel Management
Travel & Tourism
MBA - Dual Specialization, Pharmaceutical Management, Fintech, Family Business & Entrepreneur, Hospital Management
BBA - Basic , Fintech, Aviation — Ph.D

Faculty of Pharmacy
D.Pharm. I B.Pharm.
B. Pharm. (Practice) — Ph.D

M.Pharm.
Pharmaceutics, Pharmaceutical Quality Assurance, Pharmacology, Phyto Pharmacy & Phytomedicine

NBA NATIONAL BOARD OF ACCREDITATION

OUR RECRUITERS
Dr. Reddy's | CADILA | Biocon Biologics | Biophore | GMR | wipro | PIE INFOCOMM | HUAWEI | HCL | WEBEL | asp | Poonam | SPM | VALCO | Relcom Group | MACLEODS | NECO | Trivni

Microsoft Certification Center
Microsoft Certification Centre (Exclusive Partner in Raipur)

ADMISSIONS OPEN For 2026-27

Upto 100% SCHOLARSHIPS Apply Now

Admissions Through PPHT / CPUET EXAM
Date of Exam - 14.08.2026

CONNECT WITH US

Near Old Vidhan Sabha, Tekari, Raipur (C.G.) | 7400 777 888 | www.cpu.ac.in | Admission Desk Open on Sundays

रायपुर
रविवार 9 अगस्त 2026
श्रावण कृष्ण पक्ष एकादशी
वर्ष : 25, अंक : 20
पृष्ठ : 14+8 = 22 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 29.9
न्यून. 25.1

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

इस बार भी 4 डीबी

हाईकोर्ट में कल से नया रोस्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

हाईकोर्ट में आगामी 10 अगस्त से नया रोस्टर लागू हो रहा है। चीफ जस्टिस की ओर से जारी रोस्टर में डिविजन बेंच और सिंगल बेंच के लिए अलग-अलग मामलों का निर्धारण किया गया है। इस बार भी 4 डिवीजन बेंचों में सुनवाई की जाएगी। रोस्टर के अनुसार डिविजन बेंच 1 में चीफ जस्टिस और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की बेंच जनहित याचिका, रिट अपील, हेबियस कॉर्पस, आपराधिक अपील सहित विभिन्न मामलों की सुनवाई करेगी। डिविजन बेंच-2 में जस्टिस संजय के. अग्रवाल और जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल आपराधिक मामलों तथा वर्ष 2022 तक के अल्ट्रा वायर्स मामलों की सुनवाई करेंगे। डिवीजन बेंच 3 में वर्ष 2016 से आगे की एक्विटल अपील और डिविजन बेंच 4 में सिविल, कंपनी, टैक्स व वैवाहिक मामलों से जुड़े अपीलों की सुनवाई होगी। सिंगल बेंच में भी मामलों का वर्षवार और विषयवार बंटवारा किया गया है। चीफ जस्टिस की स्पेशल बेंच में जमानत आवेदन, आपराधिक ⏭ शेष पेज 9 पर



700 शिक्षकों के तबादले, 400 के रोके गए, अब ऑनलाइन ट्रांसफर पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शिक्षा विभाग अब शिक्षकों के तबादले के लिए भविष्य की स्थानांतरण व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी, सरल एवं तकनीक आधारित बनाने पर भी विचार कर रहा है। विभागीय स्तर पर शिक्षकों से ऑनलाइन आवेदन लेने की व्यवस्था लागू करने को लेकर मंथन जारी है। बताया गया है कि यदि ऑनलाइन व्यवस्था लागू होती है, तो शिक्षक निर्धारित पोर्टल के माध्यम से स्वयं स्थानांतरण के लिए आवेदन कर सकेंगे। इससे आवेदन प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने, दस्तावेजों के डिजिटल प्रबंधन, आवेदन की ऑनलाइन मॉनिटरिंग तथा समयबद्ध निराकरण में मदद मिलने की उम्मीद है।

शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में अन्य राज्यों में लागू ऑनलाइन स्थानांतरण प्रणालियों का भी अध्ययन किया जा रहा है। तकनीकी और प्रशासनिक पहलुओं के परीक्षण के बाद शासन स्तर पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। फिलहाल कई शालाओं में पदस्थ शिक्षकों की संख्या और जहां शिक्षकों की कमी है, उन स्कूलों को ध्यान में रखकर तबादले का आदेश जारी किया गया है। शिक्षा विभाग की ओर से तीन माह पहले यह सूची भेजी गई थी। समन्वय में इसका परीक्षण कई स्तरों में करने के बाद आदेश किए गए हैं।

अन्य राज्यों में लागू ऑनलाइन तबादला सिस्टम का किया जा रहा अध्ययन

700 शिक्षकों के तबादले

प्रदेश के शिक्षकों के तबादले के आदेश शिक्षा विभाग ने जारी कर दिए हैं। तैयार की गई सूची में व्यापक स्तर पर छंटनी और परीक्षण के बाद अंतिम रूप से स्वीकृत शिक्षकों के स्थानांतरण आदेश जारी किए गए हैं। विभागीय स्तर पर तैयार की गई प्रारंभिक सूची में करीब 1,600 शिक्षकों के नाम शामिल थे। सूची की समीक्षा करते ⏭ शेष पेज 9 पर

खास खबर



इन मामलों में नहीं हुआ स्थानांतरण

शिक्षा विभाग द्वारा स्थानांतरण प्रक्रिया में विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था और विद्यार्थियों के हित को प्राथमिकता दी गई। इसमें युक्तियुक्तकरण से प्रभावित शिक्षक, एकल शिक्षकीय विद्यालयों में पदस्थ शिक्षक, ऐसे शिक्षक जिनके स्थानांतरण से विद्यालय शिक्षकविहीन हो सकता था, अधिसूचित क्षेत्र से गैर-अधिसूचित क्षेत्र में स्थानांतरण के ⏭ शेष पेज 9 पर

400 नामों को हटाया गया

सूत्रों के अनुसार, स्थानांतरण के लिए प्राप्त आवेदनों एवं विभिन्न स्तरों से प्राप्त अनुशंसाओं के आधार पर प्रस्ताव तैयार किए गए थे। इसके बाद विभागीय स्तर पर प्रत्येक प्रकरण का परीक्षण किया गया। प्रारंभिक सूची से लेकर अंतिम सूची तक कई स्तरों पर जांच के बाद करीब 400 नामों को हटाया गया। अब अंतिम रूप से स्वीकृत शिक्षकों के स्थानांतरण आदेश जारी होने के साथ ही इस पूरी प्रक्रिया को लेकर चल रहा इंतजार समाप्त हो गया है।

दिल्ली में टूटा रिकॉर्ड, छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में झमाझम



मानसून पूरी तरह से देशभर में सक्रिय है। इसके चलते उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक भारी बरसात हो रही है। दिल्ली में बारिश का रिकॉर्ड टूट गया। जम्मू-कश्मीर में बारिश और लैंडस्लाइड के कारण शनिवार को अमरनाथ यात्रा रविवार तक के लिए रोक दी गई। इधर, छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई।

- उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक भारी बरसात
- केरल में अभी भी सैकड़ों लोग राहत शिविरों पर रह रहे
- हिमाचल में भारी बारिश से 185 सड़कों को किया गया बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली/रायपुर

असम में बाढ़ की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। एक और मौत के बाद मरने वालों की संख्या 98 हो गई है। हिमाचल में भारी बारिश के कारण 185 सड़कों को बंद किया गया। राजस्थान में भारी बारिश के चलते कई इलाकों में शनिवार को स्कूलों में छुट्टी दे दी गई। यूपी के फर्रुखाबाद में गंगा खतरे के निशान के करीब बह रही है।

राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को न्यूनतम तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की गई। आईएमडी ने दिन के लिए रेट अलर्ट जारी किया है। इधर, दक्षिण भारत के केरल, तटीय कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर, मध्य, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों में भी गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है। किसानों को स्थानीय मौसम अपडेट पर नजर रखने और आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है।

दोनों रास्ते से रुकी अमरनाथ यात्रा

जम्मू-कश्मीर में बारिश और लैंडस्लाइड के कारण शनिवार को अमरनाथ यात्रा फिर से रोक दी गई। प्रशासन के मुताबिक, पहलगाम और बालटाल दोनों रूट पर मरम्मत का काम चलेगा। इसलिए यात्रा को 9 अगस्त से अगले आदेश तक रोक दिया गया है।

हिमाचल प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट

शिमला में बारिश से सुबह तक 77 जलापूर्ति योजनाएं और 104 ट्रांसफॉर्मर भी प्रभावित हो गए। मंडी में कुल 92 सड़कें अवरुद्ध हैं, इसके बाद कुल्लू में 48, चंबा और शिमला में 14-14, सिरमौर में नौ, कांगड़ा में पांच और ऊना जिले में तीन सड़कें अवरुद्ध हैं।

रायपुर समेत कई इलाकों में बारिश

छत्तीसगढ़ में भी मानसून सक्रिय बना हुआ है और प्रदेश के कई हिस्सों में शनिवार को झमाझम बारिश हुई। रायपुर, बिलासपुर के अलावा अंबिकापुर, जगदलपुर, राजनांदगांव में बरसात हुई। प्रदेश में एक जून से अब तक सामान्य से 7 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है, हालांकि मौसम विभाग ने मानसून की स्थिति को सामान्य श्रेणी में रखा है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई, जबकि उत्तर छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में भारी बारिश दर्ज की गई। आने वाले दिनों में भी प्रदेश में बारिश का सिलसिला जारी रहने का अनुमान है।



केरल में सड़कें और मकान जलमग्न

केरल के कई हिस्सों में शनिवार को भी बारिश जारी रही। कई इलाकों में बाढ़ के पानी का स्तर धीरे-धीरे ही कम हो रहा है, लेकिन अभी भी कई सड़कें और मकान जलमग्न हैं जिससे सैकड़ों लोग राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। अधिकारियों ने बताया कि अलप्पुझा के ऊपरी कुट्टनाड और कुट्टनाड क्षेत्र तथा कोट्टायम जिले के अंदरूनी इलाके सबसे ज्यादा बाढ़ से प्रभावित हैं। हालांकि, कई जगहों पर पानी का स्तर अब घटने लगा है। कुछ क्षेत्रों में बाढ़ का पानी बहुत धीमी गति से कम हो रहा है, जिसके कारण कई मकान और सड़कें अब भी जलमग्न हैं, जिससे स्थानीय निवासी फंसे हुए हैं।



अधिसूचित जिले: बस्तर, बेमेतरा, बीजापुर, कोरिया, सारंगढ़-बिलाईगढ़, गरियाबंद, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, कांकेर, सक्ती, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी

खरीफ 2026 मौसम हेतु अधिसूचित फसलें
धान सिंचित, धान असिंचित, मक्का, उड़द, अरहर, मूँग, मूँगफली, सोयाबीन, कोदो, कुटकी, रागी

■ योजना के मुख्य बिंदु :
- कृषक द्वारा देय प्रीमियम बीमित राशि का अधिकतम 2 प्रतिशत
- शेष प्रीमियम राशि का भुगतान भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा किया जावेगा
- ओलावृष्टि, जलभराव, बादल फटने, आकाशीय बिजली से नुकसान होने पर स्थानीय आपदा अंतर्गत दावा भुगतान
- स्थानीय आपदा की स्थिति में-धान फसल में जलप्लावन से होने वाली क्षति इस घटक मे शामिल नही है
- फसल कटाई के उपरांत आगामी 14 दिनों तक खेत में सुखाने हेतु बंडलो में रखी फसल को चक्रवात, बैमौसम/चक्रवाती वर्षा से नुकसान होने पर दावा भुगतान
- कम वर्षा या विपरीत मौसम अवस्थाओं के कारण फसल बुवाई विफलता पर दावा भुगतान
- फसल उत्पादन के आधार पर व्यापक क्षति की स्थिति में, राज्य शासन एवं योजना के प्रावधानों के अनुसार फसल क्षति का मूल्यांकन एवं निर्धारण किया जाएगा।
- अनावरी के आंकड़े इस योजना अतंर्गत दावा भुगतान के लिए मान्य नही होंगे

■ योजनांतर्गत शामिल होने वाले कृषक :
- ऋणी कृषकों का बीमा ऋण दायी संस्था द्वारा नियमानुसार किया जायेगा।
- गैर-ऋणी कृषक अपना बीमा बैंक शाखा/कॉपरेटिव सोसाइटी/लोक सेवा केंद्र (CSC)/पोस्ट ऑफिस/AIDE-एजेंट/फसल बीमा ऐप एवं पोर्टल के माध्यम से निर्धारित तिथि के अंदर फसल का बीमा करा सकते है।
- गैर-ऋणी कृषकों हेतु आवश्यक दस्तावेज-नवीनतम आधार कार्ड, बैंक पासबुक, भूमि एवं फसल बुवाई संबंधित दस्तावेज।

ऋणी कृषक: ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हें भारत सरकार द्वारा जारी चयन (Opt-out) प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र बीमा आवेदन की अंतिम तिथि के 7 दिन पूर्व तक संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।
- योजना से बाहर होने (Opt-Out) का निर्णय पूरी तरह किसान की इच्छा पर आधारित है। किसी भी किसान को बैंक शाखा द्वारा (Opt-Out) के लिये बाध्य नहीं किया जाएगा।
- ऑप्ट-आउट की कार्यवाही केवल एक मौसम-वर्ष के लिए ही लागू होगी; जिसके लिए किसान द्वारा ऑप्ट-आउट घोषणा दी गई है।
- बैंक शाखाएं किसानों द्वारा प्रस्तुत योजना से बाहर होने (Opt-out) की प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र को निरीक्षण/सत्यापन हेतु सुरक्षित रखेंगी।

अऋणी कृषक: अधिसूचित इकाई में अधिसूचित फसल लगाने वाले सभी गैर ऋणी कृषक ऐच्छिक तौर पर योजना का लाभ लेने हेतु पात्र होंगें।

योजना सम्बंधित अधिक जानकारी एवं अपनी शिकायत दर्ज करने हेतु कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क करे या व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर 70655-14447 का उपयोग करे या www.pmfby.gov.in पर जाएँ या क्रॉप इंश्योरेंस मोबाइल एप का प्रयोग करें या अपने निकटतम कृषि कार्यालय, बैंक शाखा, CSC सेंटर या बीमा कंपनी से संपर्क करें।

स्थानीय आपदाओं से बीमित फसल में नुकसान होने पर 72 घंटे के भीतर फसल नुकसान की सूचना देना आवश्यक है।

PMFBY अंतर्गत दावा भुगतान सफल बनाने हेतु कृपया अपने संबंधित बैंक शाखा से PFMS पोर्टल से खाता संख्या को सत्यापित करवाये अथवा आधार नंबर को सही बैंक खाता से लिंक कराये।

योजना संबंधित अधिक जानकारी के लिए फार्ममित्र ऐप डाउनलोड करें

बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड (पूर्व में भारतीय अतिरिक्त कृषक इंश्योर कंपनी लिमिटेड के रूप में गठन तथा नाम बदला), बजाज इंश्योरेंस हाउस, एयरपोर्ट रोड, येरवडा, पुणे - 411006। कार्पोरेट्स आई पंजीकरण संख्या: 113 • सीआईएन: U66010PN2000PLC016529 • यूआईएन: IRDAN113CP0001V02201617 (सीएसआर कोड) • www.bajajgeneralinsurance.com • टोल फ्री नंबर: देश - 1800 209 0144 / सार्वि - 1800 209 5858 • वाणिज्यिक संचार संख्या: 136-D-1092/DB-07-2026
योजना प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाय), समीक्षाधीन शासन/फसलवार मैरिटोरियो बोर्ड एक विवरणात्मक लोगो है, जिसका उपयोग उत्पाद के उद्देश्य को प्रतिष्ठापित करने और उपभोक्ता करने के लिए किया जाता है, और यह केवली का व्यापार लोगो नहीं है।

बस पलटकर नीचे की सड़क पर गिरी, 7 यात्रियों की मौत

हिमाचल में बड़ा हादसा

एजेंसी ⏭ शिमला



हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में शनिवार सुबह करीब सवा सात बजे एक निजी बस पलटकर नीचे की सड़क पर जा गिरी, जिससे सात यात्रियों की मौत हो गई और 11 अन्य लोग घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ, जब बस बैरागढ़ से चंबा जा रही थी। बैरागढ़-तीसा मार्ग पर चालुज मोड़ के पास बस पलट गई।

भारत-अमेरिका की वैश्विक रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा

अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने पीएम मोदी को किया फोन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन किया और प्रमुख क्षेत्रों में भारत-अमेरिका की व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। मोदी ने वेंस और उनकी पत्नी उषा को उनके बेटे के जन्म पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी को वेंस का यह फोन तुर्किये, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच आपसी रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद आया है। इस समझौते को पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच एक नए क्षेत्रीय गठबंधन के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से फोन पर बात हुई। हमने प्रमुख क्षेत्रों में भारत-अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।



मोटर व्हीकल एक्ट का उल्लंघन, अपीलकर्ता-जुर्माना अदा करे

नंबर प्लेट छिपाना धोखाधड़ी का अपराध नहीं : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक व्यक्ति के खिलाफ दर्ज धोखाधड़ी का मामला रद्द किया, जिस पर अपनी गाड़ी की पिछली नंबर प्लेट छिपाने का आरोप था। कोर्ट ने कहा कि पुलिस को केवल यह शक होना कि नंबर प्लेट ट्रैफिक चालान से बचने के लिए छिपाई गई थी, धोखाधड़ी का अपराध नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने सुनवाई के बाद कहा कि अपीलकर्ता के खिलाफ़ कार्यवाही जारी रखना कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा।

क्या कहा सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने

जस्टिस संजय करोल और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा, पुलिस का यह शक कि पिछली नंबर प्लेट चालान से बचने के लिए छिपाई गई, या यह कि अपराध होने पर अपराधी का पता लगाना मुश्किल होगा, ज़्यादा से ज़्यादा एक अनुमान ही है। अपीलकर्ता पर एकमात्र आरोप यह है कि वह अपनी एक्टिवा स्कूटी पर पिछली नंबर प्लेट को काले मास्क से ढककर यात्रा कर रहा था। रिकॉर्ड में ऐसा कोई सबूत नहीं है, जिससे पता चले कि ऐसा काम बेईमानी की नीयत से किया गया या इस काम से किसी व्यक्ति को गलत तरीके से फायदा या नुकसान हुआ हो।

क्या है पूरा मामला

अपीलकर्ता काले रंग की होंडा एक्टिवा चला रहा था और उसकी पिछली नंबर प्लेट काले मास्क से ढकी हुई थी। पेट्रोलिंग ड्यूटी पर तैनात पुलिस ने उसे रोका और उसके खिलाफ धारा 420 और एमवी एक्ट की धारा 80(ए) के तहत एफआईआर दर्ज की गई। आरोपी ने एफआईआर रद्द कराने के लिए तेलंगाना हाईकोर्ट का रुख किया। हाईकोर्ट द्वारा उसकी याचिका खारिज किए जाने के बाद याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट पहुंचा।



ज्यादा से ज्यादा लग सकता है जुर्माना

कोर्ट ने कहा कि नंबर प्लेट छिपाने पर ज़्यादा से ज़्यादा मोटर व्हीकल एक्ट, 1988 एक्ट के तहत जुर्माना लग सकता है, लेकिन इसे आपराधिक अपराध की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। कोर्ट ने कहा, मोटर व्हीकल एक्ट और उसके नियमों के तहत नंबर प्लेट को छिपाना रेगुलेटरी उल्लंघन है, जिसे ज़रूरी शर्तों को साबित किए बिना आईपीसी की धारा 420 के तहत अपराध का रूप नहीं दिया जा सकता।

कार्यवाही जारी रखना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग : कोर्ट

कोर्ट ने कहा, हमारी यह भी राय है कि सिर्फ़ पीछे की नंबर प्लेट को ढकना, जबकि आगे की प्लेट साफ़ दिख रही हो, पहचान या पकड़ से बचने की सोची-समझी योजना नहीं है। के खिलाफ़ है। आरोपों को अगर सही भी मान लिया जाए तो भी वे धोखाधड़ी का अपराध नहीं बनता। अपीलकर्ता को निर्देश दिया जाता है कि अगर उसने पहले से ऐसा नहीं किया है, तो वह एक महीने के भीतर संबंधित अधिकारी के पास यह जुर्माना जमा करे।

खबर संक्षेप

सुरंग के भीतर टकराए वाहन, तीन जवान घायल

जम्मू। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामबन जिले में एक सुरंग के भीतर शनिवार को सशस्त्र सीमा बल के तीन वाहनों के आपस में टकराने से कम से कम तीन जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि एसएसबी का काफिला श्रीनगर से जम्मू की ओर जा रहा था, तभी केला मोड़ के पास यह दुर्घटना हो गई। अधिकारियों ने प्रारंभिक रिपोर्टों के हवाले से बताया कि सुरंग के भीतर से गुजर रहे एक वाहन ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिसके बाद उसके पीछे चल रहे वाहन आपस में टकरा गए।

छात्रा ने मॉल से छलांग लगाकर की आत्महत्या

नई दिल्ली। दिल्ली में शनिवार को राजौरी गार्डन पिंक लाइन मेट्रो स्टेशन के पास स्थित एक मॉल की ऊपरी मंजिल से आर्यभट्ट कॉलेज की 19 वर्षीय छात्रा ने कथित तौर पर छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। घटनास्थल से हाथ से लिखा हुआ एक 'सुसाइड नोट' बरामद किया गया है, जिसमें लड़की ने लिखा है कि वह अपनी मर्जी से आत्महत्या कर रही है। प्रारंभिक पूछताछ में मृत छात्रा के परिजनों ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2021 में मां की मौत के बाद से वह अवसाद में थी। लड़की दिल्ली के आर्यभट्ट कॉलेज में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा थी।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद ने कहा- जंग हमने शुरू नहीं की, मगर लड़ते रहेंगे

ट्रंप-नेतन्याहू को ईरान की चेतावनी, ख्वाब देखना बंद करो, हम ना रुकेंगे, ना झुकेंगे

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू को बड़ी चेतावनी दी है और कहा है कि ईरान का सरेंडर करने की अमेरिका की मांग सिर्फ एक सपना है। पेजेशकियान ने कहा कि यह युद्ध ईरान ने शुरू नहीं किया है, जिसने यह युद्ध शुरू किया है, वही खत्म करेगा। हम ना झुकेंगे और ना ही किसी से डरेंगे। पेजेशकियान ने दावा किया कि ईरान अपने रास्ते पर मजबूती से आगे बढ़ेगा और पहले से ज्यादा मजबूत होगा।

एजेंसी ▶▶| तेहरान

ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान ने अपने विरोधियों की उन सभी कोशिशों को नाकाम कर दिया है, जिनका एक ही मकसद था सैन्य दबाव के जरिए ईरान को कमजोर करना। हम पर इतने हमले हुए लेकिन इस मुश्किल घड़ी में भी ईरान आज एक मजूबत देश के रूप में खड़ा है और विरोधियों का डटकर मुकाबला कर रहा है।

हमने दुश्मनों का सपना चकनाचूर कर दिया

पेजेशकियान ने शुक्रवार को ईरानी सरकारी टीवी पर दिए गए अपने एक इंटरव्यू के दौरान कहा, हमने युद्ध की शुरुआत नहीं की और युद्ध से पहले ईरानी सरकार बातचीत के जरिए इस मसले को सुलझाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन हालात धीरे-धीरे युद्ध की ओर बढ़ गए। विरोधियों को उम्मीद थी कि देश में सैन्य दबाव और बिगड़ती स्थिति के कारण ईरान बिखर जाएगा लेकिन उनका यह सपना पूरा नहीं हुआ।



सोचा था सैन्य दबाव और बिगड़ती स्थिति के कारण ईरान बिखर जाएगा लेकिन ट्रंप का यह सपना पूरा नहीं हुआ

सुप्रीम लीडर के बारे में पेजेशकियान ने क्या बताया

पेजेशकियान ने ईरान के सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई के बारे में बताया कि उनसे अभी बातचीत करना बहुत मुश्किल है, लेकिन खामेनेई की मौजूदगी ईरान की सबसे बड़ी ताकत है। बता दें कि ईरान के सर्वोच्च नेता मुज्तबा खामेनेई को लेकर कई तरह की बातें की जा रही हैं क्योंकि मुज्तबा सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आ रहे हैं। हालांकि ईरान इसके पीछे सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी कारण बताता है।

विरोधियों ने ईरान को समझ लिया था सीरिया : पेजेशकियान

पेजेशकियान ने दावा किया कि उनके विरोधियों ने सीरिया की तरह 48 घंटे में ईरान पर कब्जा करने की कोशिश की थी, लेकिन ईरान ने उनकी प्लानिंग पर पानी फेर दिया और मौजूदा परिस्थितियों ने यह साबित कर दिया है कि कोई भी ईरान को इतनी आसानी से कमजोर या अस्थिर नहीं कर सकता है।

ट्रंप के जनरल ने चेताया- अमेरिका जंग से बाहर नहीं निकला तो...



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खास और यूएस जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ हेड जनरल डैन केन ने व्हाइट हाउस के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक बैठक में कहा कि अमेरिका को अब ईरान जंग से बाहर निकलने का रास्ता तलाशना चाहिए। सेना और खुफिया रिपोर्टों से ये स्पष्ट हो चुका है कि केबल बमबारी करके ईरान को झुकने पर मजबूर नहीं किया जा सकता है। पिछले छह महीनों से जारी इस युद्ध के कारण अमेरिका के हथियारों का स्टॉक भी कम हो गया है। उनका मानना है कि अगर अमेरिका सैन्य ताकत बढ़ाता है तो यह उसके ऊपर उल्टा पड़ सकता है। डैन केन ने कहा कि ईरान पर केवल हवाई हमला करने से ट्रंप ने जो लक्ष्य तय किया है उसे नहीं पाया जा सकता है।

पाकिस्तान को भेजी जानकारियां

हनीट्रैप में फंसा वायुसेना का विंग कमांडर गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडियन एयर फ़ोर्स के विंग कमांडर को दिल्ली पुलिस ने डिफेंस से जुड़ी सेंसिटिव जानकारी लीक करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। हनीट्रैप में फंसे इस अधिकारी पर कई गोपनीय जानकारी लीक करने का आरोप है।

पुलिस ने ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल वायुसेना का विंग कमांटर ज्यूडिशियल कस्टडी में है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, यह मामला एक बड़े जासूसी नेटवर्क की ओर इशारा करता है जिसका मकसद स्ट्रेटेजिक मिलिट्री इंटेलिजेंस इकट्ठा करना था।

डिजिटल चैनलों के ज़रिए सेंसिटिव डॉक्यूमेंट भेजने का आरोप

सेंसिटिव डॉक्यूमेंट और डेटा भेजे पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपी अधिकारी एक फील्ड यूनिट में तैनात था। एक महिला ने सोशल मीडिया के ज़रिए आरोपी को हनीट्रैप में फंसाया और वीडियो कॉल पर उससे बातचीत करने लगी। सूत्रों के मुताबिक, महिला ने वायुसेना के इस अधिकारी से मिलिट्री मूवमेंट और ट्रूप डिप्लॉयमेंट के बारे में जानकारी, साथ ही फोटो, वीडियो और दूसरा सेंसिटिव डेटा देने को कहा।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि विंग कमांडर ने डिजिटल चैनलों के ज़रिए महिला को सेंसिटिव डॉक्यूमेंट और डेटा भेजे।

जासूसी के आरोप में गिरफ्तार, चार्जशीट दाखिल



पीआईए के हनीट्रैप का हुआ शिकार

सूत्रों के मुताबिक, आईएएफ ऑफिसर कथित तौर पर पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स द्वारा रचे गए हनी ट्रैप का शिकार हुआ। उन पर एक सहकर्मी के मोबाइल फ़ोन पर डेटा चुराने वाला सॉफ़्टवेयर इंस्टॉल करने का भी आरोप है, ताकि डिवाइस पर कंट्रोल पाने की कोशिश की जा सके। आगे की जांच चल रही है।

सुरक्षा गार्ड ही निकला बद्रीनाथ मंदिर दानपात्र का चोर, गिरफ्तार



एजेंसी ▶▶| देहरादून

सीसीटीवी ने खोली पोल

उत्तराखंड के बद्रीनाथ मंदिर से दान-दक्षिणा चुराने के आरोप में पुलिस ने एक सुरक्षा गार्ड मनोज कुमार को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने उसे जून के आखिरी दिनों की सीसीटीवी फुटेज देखकर पकड़ा। फुटेज में साफ दिखा कि वह मंदिर के गिनती वाले कमरे से दान का सामान उठा रहा था। मनोज असल में एक हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट में काम करता है। वह बद्रीनाथ मंदिर में सिर्फ खास वीआईपी लोगों के दौरे के दौरान मदद करने आया था।

चोरी का सामान भी हुआ बरामद

पुलिस की पूछताछ में उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। इसके बाद पुलिस उसे उसके लमबगड स्थित घर ले गई। वहां से पुलिस को चोरी का सामान मिला, जिसमें गहने, सिक्के और 6,000 रुपये नकद शामिल थे। उसके मोबाइल फोन में भी चोरी किए गए सामान की तस्वीरें मिलीं। उसने यह भी बताया कि उसने कुछ सामान तीर्थयात्रियों को बेच दिया था और उन पैसों को खर्च कर चुका था।

आतंकियों ने कांगो के गांव में 13 की हत्या की

किन्शासा (कांगो)। युगांडा की सीमा के पास कांगो के एक गांव में शनिवार तड़के इस्लामिक स्टेट (आईएस) से जुड़े समूह के आतंकवादियों ने हमला किया। इस हमले में कम से कम 13 लोग मारे गए और घरों में आग लगाने के साथ ही लूटपाट भी की गई। ये हमला मंबासा प्रांत के नजदीक बसे बनाना इकोले गांव में हुआ। इस हिंसा के पीछे 'एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेज' का हाथ था।

हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश को जान से मारने की धमकी

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

सुप्रीम कोर्ट से दखल की मांग

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अपील ट्रिब्यूनल की अध्यक्षता कर रहे कलकत्ता हाई कोर्ट के एक पूर्व न्यायाधीश ने अपने घर पर जान से मारने की धमकियां मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट से सुरक्षा की गुहार लगाई है। पेशे से वकील उनके बेटे ने बताया कि मई 2026 में परिवार को 2 बार धमकी भरे खत मिले। इससे उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं बढ़ गई हैं।



सुप्रीम कोर्ट ने कहा- कलकत्ता हाईकोर्ट हस्तक्षेप करे

ये धमकी भरे पत्र 30 मई और 2 मई को सीधे उनके कोलकाता स्थित आवास पर भेजे गए थे। इसके बाद उनके घर पर लगे कैमरों की तारें भी काट दी गईं। ये धमकियां विधानसभा चुनावों से ठीक पहले मिली थीं। परिवार का कहना है कि उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, फिर भी उन्हें न तो कोई ठोस सुरक्षा मिली और न ही मामले की सही ढंग से जांच हुई। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को गंभीर बताया है और कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से इसमें हस्तक्षेप करने को कहा है।





Hero

HF Deluxe

बाइक दमदार दाम शानदार

नई एक्स-शोरूम कीमत ₹59 999/-~

₹7 635/-* की बचत

कम डाउन पेमेंट | ₹5 999/-^

Hero GoodLife चांदी का सिक्का जीतने का मौका*

pine labs कैशबैक ₹5 000/- तक#

टोल फ्री 1800 266 0018

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II. New Delhi-110070, India. ICIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. *Offer valid only on purchase of new Hero Two Wheeler & Hero GoodLife Enrollment on the corresponding purchase till 31st Aug. 2026. #The Cashback of 5% upto ₹5000 is applicable on the transaction between ₹30 000 to ₹1 00 000. The new revised ex-showroom price is valid for a limited period only. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice. ~Ex-showroom price of HF Deluxe Canvas variant applicable in Chhattisgarh.*Terms & Conditions apply.

अधिकृत डीलरः रायपुरः छत्तीसगढ़ हीरो, 9289922351, आरसन हीरो, 9289922864, राजधानी हीरो, 9289922414, राजनांदगांवः जय हीरो, 9289922357, धमतरीः सत्योम हीरो, 9289922525, कांकेरः राहुल हीरो, 9289922834, महासमुंदः वत्स हीरो, 9289922623, बलोदाबाजारः अग्रवाल हीरो, 9289922959, आरंगः श्री राम हीरो, 9289922968, बेमेतराः श्री सांई हीरो, 9289922835, कवर्धाः सरस्वती हीरो, 9289922958, जगदलपुरः विजयपाल हीरो, 9289923064, दंतेवाड़ाः जय विजय हीरो, 9289922990, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983, भाटापाराः कुशल हीरो, 9289923052, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, चौहान मोटर्स, 9289233817, दुर्गः उत्सव हीरो, 9289923114, उत्सव हीरो (स्टेशन रोड), 7000595300, एसोशिएट डीलरः रायपुरः संजय ऑटोव्हील, 9289924245, 0771-4266555, पंडरियाः ललित सर्विसेज़, 8770383767, भनपुरीः ओम ऑटो एजेंसी, 6261535855, दोमुहानीः किरण मोटर्स, 9754069392, लवनः गणपति ऑटो, 9926601111/9340379300, भिभौरीः श्री राम मोटर्स, 8462900028/9340005833, गुरूरः श्री गुरूनानक ऑटो, 8349484458/7224880123, बोड़लाः विक्की मोटर्स, 9755583102, पांडातराईः शक्ति ऑटोमोबाइल्स, 9179035073, अभनपुरः राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, छुरियाः अंकित ऑटो, 9425240565, नवागढ़ः श्री मोटर्स, 9165525555/9009866899, राजिमः गुरूदेव ऑटोमोबाईल्स, 9977280000, खटोराः अग्रवाल मोटर्स, 9424212141, सरायपालीः बंसल ऑटो, 9425513611, डोंगरगढ़ः युवराज मोटर्स, 8085160380, तिल्दाः आरसन मोटर्स, 9340335266, नगरीः हर्ष ऑटो, 8109502100, पाटनः दिव्या ऑटो, 9893492107, बागबाहराः प्रियंका ऑटोकेयर, 9131058752, कोण्डागांवः आहुजा ऑटोमोबाईल्स, 9131794017/9993861888, नारायणपुरः गुरूनानक ऑटो, 9425596290, केशकालः साहिल ऑटो सेल्स, 9893199247, झगरंडीः किरन ऑटोकेयर, 9754069392, फरसगांवः राजा ऑटोमोबाईल्स, 9425594144, बेरलाः कोन्हा मोटर्स, 98931058752/ 6260472025, कसडोलः बजरंग मोटर्स, 9425511973, बालोदः नैन ऑटोकेयर, 9425563502, लिमतराः माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स, 9301361155, गरियाबंदः छत्तीगढ़ ऑटो केयर, 8319358443, चरोदाः सत्यम ऑटोमोबाईल्स, 9977155055, गुंदरदेहीः एम.एम. ऑटो, 9893542300/ 8720051135, जामुलः जय अम्बे ऑटो एजेंसी, 9826386346, रिसालीः भारत मोटर्स, 9993417123, फिंगेश्वरः अभिषेक ऑटो, 9977737000/9300093200, भिलाई-3: महावीर मोटर्स, 8109100019, कुरूदः शिव ऑटो, 8305711110/ 9993454103, डरपिनार- कांकेरः अंशू ऑटो, 9406054292, पखांजूरः रिशान सर्विसेज, 6267323235, गोहारा पादरः गोविंद ऑटो केयर , 9303664769, कुइकुदुरः दिलीप मोटर्स, 7869151152, सुकमाः आशुतोष ऑटोमोबाइल, 9425260291, भानुप्रतापपुरः संस्कार मोटर्स, 9406203600, मानपुरः दिलीप ऑटो केयर, 7999054324, लाखोलीः शुभम ऑटो केयर, 9754000069, अम्बागढ़ चौकीः अमर मोटर्स, 9827969901, सालेवाड़ाः साई मोटर्स, 9754329434, राजिमः राजीव लोचन ऑटोमोबाइल्स, 7000186678, सारागांवः जी वी मोटर्स, 7566666243, सरसींवाः श्रीराम ऑटो, 6260060443, बीजापुरः माँ भवानी ऑटोमोबाइल्स, 9301683268/7987037477, चारामाः श्री करणी ऑटोमोबाइल, 9827894444, गुड़ियारीः श्री राम मोटर्स, 7697966999/9425502611, भखाराः प्रेम ऑटो, 8770027422, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः रायपुरः आरसन हीरो (फाफाडीह), 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (मुपेला): इंडियन हीरो, 0788-4911301, 8305597651, ऐडिशनल वर्कशॉपः रायपुरः आरसन मोटर्स (फाफाडीह), 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा), 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्टः संजय ऑटोमोबाईल्स, 2226732/7474, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुरः आरसन हीरो, 9285052266, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983.

आज डिजिटल क्रान्ति के दौर में सूचना के प्रसार में सोशल मीडिया की बहुत बड़ी भूमिका है। आम से लेकर खास तक, हर कोई अपनी बात सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से साझा कर रहा है। इस चकाचौंध के पीछे की कहानी बहुत भयानक है। भारत में काम करने वाली विदेशी सोशल मीडिया कंपनियां जनमत को अपने मंच के माध्यम से नियंत्रित और प्रभावित करने का कार्य कर रही हैं। सोशल मीडिया की यह बेलगाम ताकत आज के समय में अत्यधिक संवेदनशील राष्ट्रीय प्रश्न बन चुकी है कि क्या लोकतंत्र में किसी विदेशी कंपनी को लोगों की राय प्रभावित करने का हक होना चाहिए? सवाल ये भी उठता है कि विदेशी सोशल मीडिया प्लेटफार्म क्या लोकतंत्र के लिए जरूरी है या ये अपना खास एजेंडा लेकर काम करते हैं? कई देशों ने 16 साल तक के बच्चों के अकाउंट बनाने पर रोक लगाई हुई है। ऐसे में क्या हमारे देश में भी इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए? अगर इन प्लेटफार्म पर शिकंजा कसा जाए तो क्या अभिव्यक्ति की आजादी प्रभावित होगी? सवाल उस विश्वास का है, जिसके आधार पर करोड़ों लोग सोशल मीडिया को सूचना का माध्यम मानते हैं। यदि यह भरोसा कमजोर हुआ तो सोशल मीडिया की ताकत ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन सकती है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

निष्पक्ष जनमत ही लोकतंत्र का सशक्त पहलू



विश्लेषण

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

वरिष्ठ स्तंभकार

जनमत जब बाहरी ताकतों, विशेषकर वर्तमान परिस्थितियों में व्यापारिक हितों से प्रेरित विदेशी कंपनियों के छद्म एल्गोरिदम द्वारा तैयार किया जाने लगता है तो लोकतंत्र की यह सच्ची ताक़त अर्थहीन हो जाती है। अगर जनता की राय को दबाकर एल्गोरिदम के माध्यम से किसी विशेष विचार अथवा विचारधारा को निर्देशित किया जाता है तो यह लोक का मत न रहकर डेटा और विदेशी तकनीक का छद्ममत बन जाता है। भारत के अधिकतर प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स विदेशों में स्थित उनके मुख्यालयों से संचालित होते हैं। इन कंपनियों के लिए भारत जैसे विकासशील लोकतांत्रिक देश केवल एक बड़ा बाजार हैं, जो इन्हें करोड़ों डेटा प्वाइंट और अरबों का मुनाफा देते हैं।

आज डिजिटल क्रान्ति के इस दौर में सूचना के प्रसार में सोशल मीडिया की बहुत बड़ी भूमिका है। आम से लेकर खास तक, हर कोई अपनी बात सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से साझा कर रहा है। लेकिन इस चकाचौंध के पीछे की कहानी बहुत भयानक है। इसका प्रभाव केवल आम आदमी पर ही नहीं, बल्कि सीधे राष्ट्रों की संप्रभुता और लोकतंत्र की कार्यप्रणाली पर पड़ रहा है। भारत में काम करने वाली विदेशी सोशल मीडिया कंपनियां जनमत को अपने मंच के माध्यम से नियंत्रित और प्रभावित करने का कार्य कर रही हैं। सोशल मीडिया की यह बेलगाम ताकत आज के समय में अत्यधिक संवेदनशील राष्ट्रीय प्रश्न बन चुकी है कि क्या लोकतंत्र में किसी विदेशी कंपनी को लोगों की राय प्रभावित करने का हक होना चाहिए?

निष्पक्ष जनमत ही लोकतंत्र का सबसे खूबसूरत पहलू होता है। जनमत की शक्ति यानी वोट और विचार से ही सरकार का चुनाव, नीति निर्माण और समाज की दिशा तय होती है। जन सामान्य की यह शक्ति अपने तर्कों, विवेक और वैचारिकता से वास्तविकता का धरातल तैयार करती है। किंतु यही जनमत जब बाहरी ताकतों, विशेषकर वर्तमान परिस्थितियों में व्यापारिक हितों से प्रेरित विदेशी कंपनियों के छद्म एल्गोरिदम द्वारा तैयार किया जाने लगता है तो लोकतंत्र की यह सच्ची ताक़त अर्थहीन हो जाती है।

अगर जनता की राय को दबाकर एल्गोरिदम के माध्यम से किसी विशेष विचार अथवा विचारधारा को निर्देशित किया जाता है तो यह लोक का मत न रहकर डेटा और विदेशी तकनीक का छद्ममत बन जाता है। भारत के अधिकतर प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स विदेशों में स्थित उनके मुख्यालयों से संचालित होते हैं। इन कंपनियों के लिए भारत जैसे विकासशील लोकतांत्रिक देश केवल एक बड़ा बाजार हैं, जो इन्हें करोड़ों डेटा प्वाइंट और अरबों का मुनाफा देते हैं। इन कंपनियों का किसी देश की संप्रभुता, लोकतंत्र और सामाजिक ताने-बाने से कोई सीधा लेना-देना नहीं, बल्कि अपने व्यावसायिक हितों से रहता है।



एल्गोरिदम पूरी तरह से अपारदर्शी

इस खेल में सोशल मीडिया पर क्या ट्रेंड करेगा, कौन सा विचार लाखों लोगों तक पहुंचेगा और किसे दबा दिया जाएगा, यह तय करने वाले एल्गोरिदम पूरी तरह से अपारदर्शी हैं। ये कंपनियां अपने व्यावसायिक लाभ के लिए ऐसे कंटेंट को बढ़ावा देती हैं जो सनसनीखेज हो, ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे या समाज में नफरत फैलाए, क्योंकि जितना अधिक विवाद होगा, यूजर का उतना ही अधिक समय उस प्लेटफॉर्म पर बीतेगा और उतना ही मुनाफा कंपनियों को होगा। जब एक विदेशी कंपनी का कोड यह तय करने लगे कि किसी देश के नागरिक क्या सोचें और किस पर बहस करें तो यह वैचारिक गुलामी का एक नया और खतरनाक रूप है। हमारे नागरिक क्या पसंद करते हैं, किस राजनीतिक दल के प्रति उनका झुकाव है, उनकी धार्मिक और सामाजिक मान्यताएं क्या हैं, इन सबका सूक्ष्म डेटा विदेशी सर्वर पर स्टोर किया जाता है। इस डेटा का उपयोग करके अत्यंत सटीक मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल तैयार किए जाते हैं और फिर चुनिंदा विज्ञापनों तथा प्रोपेगैंडा के माध्यम से जनता की सोच को धीरे-धीरे और सुनियोजित तरीके से मोड़ा जाता है।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप

जब विदेशी कंपनियां या उनके मंच पर सक्रिय छिपे हुए हितधारक फेक न्यूज, बोट अकाउंट्स और लक्षित दुष्प्रचार अभियानों के जरिए चुनावों के परिणामों को बदल सकते हैं तो यह सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता पर हमला है। यदि कोई बाहरी कंपनी धन, तकनीक या एल्गोरिदम के बल पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करती है तो वह लोकतंत्र की मूल भावना के साथ सीधा विश्वासघात है। यह सोशल मीडिया के माध्यम से यह विदेशी कंपनियां हमारी संस्कृति, जीवनशैली, भाषा और आर्थिक प्राथमिकताओं को भी गहरे स्तर पर प्रभावित कर रही हैं। विदेशी मंचों पर चलने वाले ट्रेंड्स और नैरेटिव्स धीरे-धीरे स्थानीय संस्कृति और लोक-मूल्यों को हाशिए पर धकेलने का कार्य करते हैं। जो कंपनियां स्थानीय कर कानूनों का पालन करने से कतराती हैं या खुद को देश के कानूनों से ऊपर समझकर मनमाने नियम थोपती हैं, उन्हें किसी भी रूप में नागरिकों के वैचारिक परिदृश्य को नियंत्रित करने की खुली छूट नहीं दी जानी चाहिए। राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और डिजिटल संप्रभुता दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं तथा एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाते हैं।

विदेशी कंपनियों पर नकेल कसें

इस गंभीर सवाल को उठाने के पीछे यह अभिप्राय बिल्कुल नहीं कि हम सूचना के प्रवाह को पूरी तरह बंद कर दें या वैश्वीकरण के इस दौर में आधुनिक डिजिटल युग से कट जाएं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ज्ञान के प्रसार, विज्ञान के विकास और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अद्भुत और शक्तिशाली साधन हैं। परंतु स्वतंत्रता और अनियंत्रित एकाधिकार में एक बहुत बड़ा अंतर होता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि कोई विदेशी निगम अपने व्यावसायिक फायदों के लिए देश के लोकतंत्र को खोखला करता रहे और हम देखते रहें। लोकतंत्र की रक्षा के लिए सरकार को इन विदेशी कंपनियों पर कड़ी नकेल कसनी होगी। यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि देश की सीमा के भीतर काम करने वाला हर डिजिटल मंच यहां के संविधान, कानूनों और सांस्कृतिक संवेदनाओं का पूर्ण और ईमानदारी से सम्मान करे। इसके साथ ही सोशल मीडिया कंपनियों को इस बात के लिए बाध्य किया जाना चाहिए कि वे पूरी पारदर्शिता बरतें और यह स्पष्ट करें कि उनके एल्गोरिदम किस प्रकार काम करते हैं तथा वे किसी विशेष कंटेंट को क्यों प्राथमिकता देते हैं।

स्वदेशी तकनीकी विकल्पों का विकास भी आवश्यक

नागरिकों का व्यक्तिगत और सामूहिक डेटा देश के भीतर ही सुरक्षित रहना चाहिए और विदेशी ताकतों को नागरिकों के डेटा का व्यावसायिक या राजनीतिक दुरुपयोग करने की अनुमति किसी भी कीमत पर नहीं दी जानी चाहिए। इसके साथ-साथ स्वदेशी तकनीकी विकल्पों का विकास भी आवश्यक है, क्योंकि जब तक हम तकनीक के लिए पूरी तरह बाहरी ताकतों पर निर्भर रहेंगे, तब तक पूर्ण स्वतंत्रता की कल्पना करना बेमानी होगा। संक्षेप में कहें तो जनमत किसी भी राष्ट्र की सांस्कृतिक अंतरात्मा की जीवंत आवाज होती है। यदि उस आवाज को कोड, एल्गोरिदम की गूंज और विदेशी निगमों के व्यावसायिक हितों के जरिए कृत्रिम रूप से बदल दिया गया तो हमारी संस्कृति और लोकतंत्र केवल कागजों पर सुरक्षित इतिहास हो जाएंगे। अब समय आ गया है कि हम अपनी डिजिटल सीमाओं की सुरक्षा के लिए वैचारिक और तकनीकी रूप से एकजुट हो तथा यह सुनिश्चित करे कि हमारा विवेक और भविष्य विदेशी नियंत्रण से पूरी तरह मुक्त रहे।

बदल गए अभिव्यक्ति की आजादी के मायने



चुनौती

योगेश के सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

हाल के दिनों में मेटा के स्वामित्व वाले फेसबुक से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो हटाए जाने की घटना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की विश्वसनीयता, तकनीकी सुरक्षा और कंटेंट मॉडरेशन को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। मेटा ने बाद में स्पष्ट किया कि वीडियो किसी जानबूझकर की गई कार्रवाई के कारण नहीं, बल्कि तकनीकी त्रुटि के चलते हट गया था। इसके बावजूद यह घटना कई गंभीर सवाल छोड़ गई है। सवाल यह है कि यदि देश के प्रधानमंत्री के आधिकारिक अकाउंट से जुड़ी सामग्री भी तकनीकी गड़बड़ी की शिकार हो सकती है, तो आम उपयोगकर्ताओं के अकाउंट और उनकी सामग्री कितनी सुरक्षित है? आज सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है। करोड़ों लोग समाचार, सरकारी सूचनाओं, विचारों और घटनाओं की जानकारी के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्भर हैं। इसका सकारात्मक के साथ नकारात्मक प्रभाव भी है। ऐसे माहौल में किसी महत्वपूर्ण वीडियो या पोस्ट का अचानक हट जाना, गलत तरीके से सीमित होना या उसके प्रसार में असामान्य बदलाव आना लोगों के बीच भ्रम पैदा कर सकता है। खासतौर पर जब सामग्री किसी संवेदनशील सामाजिक या राजनीतिक विषय से जुड़ी हो, तब पारदर्शिता और जवाबदेही और भी जरूरी हो जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जिस वीडियो के हटने को लेकर हाल में चर्चा हुई, वह छात्रों और पेपर लीक जैसे संवेदनशील मुद्दे से संबंधित बताया गया। ऐसे में उसके अचानक गायब होने से सवाल उठना स्वाभाविक था। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी चुनौती आज कंटेंट की बाढ़ है। हर दिन करोड़ों पोस्ट, वीडियो, तस्वीरें और संदेश अपलोड होते हैं। इनमें तथ्यात्मक जानकारी के साथ-साथ फर्जी खबरें, भ्रामक वीडियो, आपत्तिजनक सामग्री और उकसाने वाले संदेश भी शामिल होते हैं। कई बार कोई वीडियो बिना पूरी जानकारी या सत्यापन के तेजी से वायरल हो जाता है। लोग उसे सच मानकर आगे साझा करते रहते हैं और देखते ही देखते वह संदेश बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच जाता है। ऐसे मामलों में सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। हाल के कुछ प्रदर्शनों और सार्वजनिक घटनाओं से जुड़े वायरल वीडियो को लेकर भी यही सवाल उठे हैं कि आपत्तिजनक या भड़काऊ सामग्री तेजी से कैसे फैल जाती है, जबकि तथ्यात्मक और संतुलित सामग्री उतनी तेजी से लोगों तक क्यों नहीं पहुंचती। यदि किसी सामग्री में किसी व्यक्ति, समुदाय या देश के खिलाफ आपत्तिजनक अथवा उकसाने वाली भाषा है तो उसके संबंध में प्लेटफॉर्म की मॉडरेशन नीति कितनी प्रभावी है इसकी समीक्षा आवश्यक है। यहां यह भी समझना होगा कि किसी वीडियो का वायरल होना अपने आप में यह साबित नहीं करता कि प्लेटफॉर्म ने जानबूझकर उसे बढ़ावा दिया है। सोशल मीडिया की पहुंच पर एल्गोरिदम, यूजर इंटरेक्शन, शेयरिंग और ट्रेंडिंग जैसे कई कारक प्रभाव डालते हैं। इसलिए किसी भी प्लेटफॉर्म की भूमिका पर निष्कर्ष निकालने से पहले पारदर्शी जांच और ठोस आंकड़ों की जरूरत है। सोशल मीडिया से जुड़ी समस्या केवल कंटेंट तक सीमित नहीं है। फर्जी प्रोफाइल, अकाउंट हैकिंग, ऑनलाइन ठगी, पहचान की चोरी और फर्जी तस्वीरों के इस्तेमाल जैसी घटनाएं भी चिंता का विषय हैं। ऐसी घटनाएं पीड़ित की सामाजिक प्रतिष्ठा, मानसिक स्थिति और निजी जीवन पर गंभीर प्रभाव डाल सकती हैं। इसलिए सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी केवल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं हो सकती। उन्हें अकाउंट सुरक्षा, फर्जी प्रोफाइल की पहचान, रिपोर्टिंग सिस्टम और शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर भी लगातार काम करना होगा। सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल के बीच बच्चों और किशोरों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण मुद्दा है। कम उम्र के उपयोगकर्ताओं तक किस तरह की सामग्री पहुंच रही है, इसका उनके व्यवहार और मानसिक विकास पर क्या असर पड़ रहा है और प्लेटफॉर्म उन्हें किस तरह सुरक्षित रखते हैं। इन सवालों पर दुनिया भर में बहस हो रही है। एल्गोरिदम की पारदर्शिता भी एक बड़ा विषय है। उपयोगकर्ता को यह स्पष्ट रूप से पता नहीं होता कि उसके सामने कोई सामग्री क्यों दिखाई जा रही है और दूसरी सामग्री क्यों नहीं। यदि किसी प्लेटफॉर्म का एल्गोरिदम लगातार विवादास्पद या सनसनीखेज सामग्री को अधिक लोगों तक पहुंचाता है, तो इससे समाज में ध्रुवीकरण और गलत सूचना का प्रसार बढ़ सकता है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति की आजादी को अभूतपूर्व विस्तार दिया है। मेटा को अपनी कंटेंट मॉडरेशन व्यवस्था, अकाउंट सुरक्षा, फर्जी प्रोफाइल की पहचान, बच्चों की सुरक्षा, एल्गोरिदम की पारदर्शिता और शिकायत निवारण व्यवस्था को लगातार मजबूत करना होगा। मेटा या किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को प्रतिबंधित करने जैसी कठोर मांगों से पहले उसकी नीतियों, तकनीकी व्यवस्था और कंटेंट मॉडरेशन की स्वतंत्र तथा पारदर्शी समीक्षा जरूरी है। यदि कमियां सामने आती हैं तो उन्हें दूर करने के लिए स्पष्ट जवाबदेही तय होनी चाहिए। आखिरकार सवाल केवल एक वीडियो के हटने का नहीं है। सवाल उस विश्वास का है, जिसके आधार पर करोड़ों लोग सोशल मीडिया को सूचना का माध्यम मानते हैं। यदि यह भरोसा कमजोर हुआ तो सोशल मीडिया की ताकत ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन सकती है।

सोशल मीडिया की सबसे बड़ी चुनौती आज कंटेंट की बाढ़ है। हर दिन करोड़ों पोस्ट, वीडियो, तस्वीरें और संदेश अपलोड होते हैं। इनमें तथ्यात्मक जानकारी के साथ-साथ फर्जी खबरें, भ्रामक वीडियो, आपत्तिजनक सामग्री और उकसाने वाले संदेश भी शामिल होते हैं।

सोशल मीडिया मंचों का नियमन जरूरी



व्यवस्था

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली में बीस जुलाई को काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और 23 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के जेन जी के संबोधन की वीडियो फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटाए जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बहुत चर्चा में हैं। चर्चा से ज्यादा उनकी भूमिका कहीं ज्यादा विमर्श के केंद्र में है। इसमें दो राय नहीं कि दुनियाभर में जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ज्यादा प्रचलन में हैं, उनमें से ज्यादातर विदेशी हैं। जाहिर है कि वे उन जगहों के कानूनों और सांस्कृतिक परंपराओं से ज्यादा संचालित हैं, जहां उनके मुख्यालय हैं। इसलिए अपने व्यापक हितों के लिए वे अपने प्रचलन वाले देशों की परंपराओं और संस्कृतियों को सवालों के घेरे में लाने, उसका उपहास उड़ाने और उन्हें तार-तार करने वाला अलगोरिदम उन्होंने विकसित कर रखा है। इसका खामियाजा तीसरी दुनिया के देश और वहां की सांस्कृतिक परंपराएं उठा रही हैं।

सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। किसी ने इस घटना को सोशल मीडिया पर डाल दिया। सोशल मीडिया के तत्कालीन अलगोरिदम ने इस घटना को इस रूप में प्रस्तुत किया कि समूचे अरब जगत में उबाल आ गया। नागरिक अधिकारों की स्थापना और लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर अरब देशों की जनता सड़कों पर उतर आई। इसका ही नतीजा मिस्र की राजधानी काहिरा के तहरीर चौक पर दिखा। जहां महीनों तक लोग जमे रहे और वहां के राष्ट्रपति को इस्तीफा देना पड़ा। भारत में भी इसके ही कुछ महीनों बाद अन्ना हजारे को आगे रखकर एक आंदोलन छेड़ा गया। जिसकी परिणति आम आदमी पार्टी के रूप में हुई और वह दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुई। इन घटनाओं को याद करना इसलिए जरूरी है कि इन सबके पीछे सोशल मीडिया के जरिए त्वरित गति से फैलाई गई सूचनाओं का हाथ सबसे ज्यादा रहा। तब सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया गया। कहा गया कि लोकतंत्र में सबकी आवाज पहुंचाने और उन्हें मौका देने का यह बड़ा माध्यम है। इसे लोकतंत्र के वाजिब और जरूरी औजार के रूप में भी मान्यता मिली। लेकिन बीतते वक्त के साथ पता चल रहा है कि जिसे हम सोशल मीडिया कहते हैं, वह लोकतंत्र के लिए जितना जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा अनसोशल यानी असामाजिक भी है। यह ठीक है कि सोशल मीडिया के जरिए व्यवस्था की अंधी सुरंग में खो रही आवाजों को मौका मिलता है। लोग अब लिहाज करना भूल गए हैं। सोशल मीडिया पर अगर किसी की बात पसंद नहीं आती तो उसे खुलेआम गालियां दी जा सकती हैं। उसका चरित्र हनन किया जा सकता है। चाहे वह व्यक्ति सामाजिक जीवन में कितना ही प्रतिष्ठित क्यों न हो।

सोशल मीडिया मंचों ने अपना एल्गोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन और बेहतर कल की बातों को ज्यादा तवज्जो नहीं देता। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है।

जैसे ही कोई किसी के चरित्र का हनन करता है, सोशल मीडिया का एल्गोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है। सोशल मीडिया कितना असमाजिक हो चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसका एल्गोरिदम अश्लीलता को बढ़ावा देता है, लेकिन शील और लज्जा की बात को अपने मंच के किसी कोने में डाल देता है। कह सकते हैं कि वर्चुअल स्पेस के किसी अंधेरे कोने में उसे गुम कर देता है। संसदीय समिति के सामने फेसबुक और इंस्टाग्राम की संचालक कंपनी मेटा के अधिकारियों ने माना है कि काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान गाली, हिंसा आदि को बढ़ावा देने के लिए पैसे भी लिए थे। इस लिहाज से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म राष्ट्रों के अंदरूनी मामलों में लोकतंत्र की रक्षा के मुखौटे के पीछे से दखल भी दे रहे हैं।

वक्त आ गया है कि इनके नियमन के लिए कठोर कानून बनाए जाएं, जिसके तहत उन्हें अभिव्यक्ति के अधिकार को बढ़ावा देने की व्यवस्था तो हो, लेकिन इसकी आड़ में अराजकता फैलाने की छूट नहीं।



सोशल मीडिया मंचों ने अपना एल्गोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन को ज्यादा तवज्जो नहीं देता। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है। जैसे ही कोई किसी के चरित्र का हनन करता है, सोशल मीडिया का एल्गोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है।

बच्चों के लिए सुरक्षित हो डिजिटल मीडिया



मंथन

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

भारत में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पाबंदी लगाने को लेकर बहस तेज होती जा रही है। दरअसल, हाल के वर्षों में बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य, ऑनलाइन सुरक्षा, साइबर बुलिंग और सोशल मीडिया की लत को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ी है। इतना ही नहीं, मोबाइल और सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग ने बच्चों का पढ़ाई, खेलकूद और परिवार के साथ बिताया जाने वाला समय काफी कम कर दिया है। कई बच्चे घंटों रील और गेम में व्यस्त रहते हैं, जिससे उनकी एकाग्रता और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। इसी वजह से कई देश बच्चों की सोशल मीडिया पहुंच सीमित करने के लिए नए कानूनों और नियमों पर काम कर रहे हैं।

हाल ही में मलेशिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया अकाउंट बनाने पर रोक लगा दी है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध लागू कर चुका है। इंडोनेशिया ने भी यूट्यूब, टिकटॉक, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर बच्चों के लिए सख्त नियम लागू किए हैं। इसके अलावा फ्रांस, स्पेन, तुर्की, ग्रीस, डेनमार्क और नॉर्वे भी बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर नए नियमों पर काम कर रहे हैं। गौरतलब है कि 2019 में कोविड महामारी के दौरान बच्चों और किशोरों के ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्मों के इस्तेमाल में भारी बदलाव आए। कई लोग इस बात से चिंतित हैं कि बच्चे ज़रूरत से ज्यादा समय ऑनलाइन बिता रहे हैं, जिससे उनके मानसिक विकास पर बुरा असर पड़ रहा है। लगभग बीस साल पहले माईस्पेस और ओर्कुट, मिक्सिट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म लोकप्रिय थे। तब से अब तक सोशल मीडिया में बड़ा बदलाव आ चुका है। 2006 में फ़ेसबुक के आते ही वह ऑनलाइन गतिविधियों का एक प्रमुख ज़रिया बन गया। इसके बाद ट्विटर या एक्स आया, फिर 2010 में तस्वीरों पर आधारित ऐप इंस्टाग्राम और 2011 में स्नैपचैट बाज़ार में आ गए। आज सोशल मीडिया की पहुंच और स्तर असीमित हो गई है। बच्चे ऐसे लोगों और सामग्री के संपर्क में आने लगे हैं, जिनकी पहले कल्पना नहीं की जा सकती थी। इसलिए बच्चों के लिए सोशल मीडिया से ख़तरा बहुत बढ़ गया है। संयुक्त राष्ट्र ने 2016 में इंटरनेट की उपलब्धता को मानवाधिकार घोषित कर दिया था और दुनियाभर के लोगों तक इंटरनेट की सुविधा पहुंचाने को अपने विकास से जुड़े लक्ष्यों में शामिल किया था। हालांकि संयुक्त राष्ट्र ने यह भी कहा है कि सोशल मीडिया की उपलब्धता से कई ख़तरे पैदा हो गए हैं। उसकी एक रिपोर्ट के अनुसार, तीस देशों में एक तिहाई बच्चों ने कहा है कि सोशल मीडिया पर उन्हें बुलिंग या मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा है और इनमें हर पांच में से एक बच्चे ने स्कूल जाना बंद कर दिया। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि सरकारों को डिजिटल नीतियां बनाते समय बच्चों और किशोरों के लिए सोशल मीडिया से पैदा होने वाले खतरों को ध्यान में रखना चाहिए। भारत में करोड़ों बच्चे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। बता दें, देश में 14-16 साल के लगभग 90 फीसदी बच्चों के पास स्मार्टफोन है और 75 फीसदी से अधिक सोशल मीडिया इस्तेमाल करते हैं। हालांकि सरकार ने हाल के वर्षों में डिजिटल सुरक्षा और डेटा संरक्षण से जुड़े कई नियम लागू किए हैं, लेकिन फिलहाल 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर कोई राष्ट्रीय स्तर का प्रतिबंध नहीं है। अगर भविष्य में भारत ऐसा कोई कदम उठाने का फैसला करता है, तो सरकार के सामने कई बड़ी चुनौतियां होंगी। भारत जैसे विशाल देश में बच्चों की सही उम्र का ऑनलाइन वेरिफिकेशन करना, यूजर्स की प्राइवेसी को सुरक्षित रखना और करोड़ों इंटरनेट यूजर्स पर इस नियम को सख्ती से लागू करना बेहद जटिल काम होगा। यह सवाल अब टालने लायक नहीं रहा कि क्या भारत को भी बच्चों के लिए सख्त सोशल मीडिया और गेमिंग नीति की जरूरत है। क्या उम्र सत्यापन को मजबूत नहीं किया जाना चाहिए। क्या कंपनियों को यह जिम्मेदारी नहीं लेनी चाहिए कि उनके प्लेटफॉर्म बच्चों के लिए सुरक्षित हों। जब दूसरे देश यह कर सकते हैं, तो भारत क्यों नहीं। डिजिटल दुनिया से बच्चों को पूरी तरह दूर करना संभव नहीं है, लेकिन उन्हें बिना सुरक्षा के छोड़ देना भी एक तरह की लापरवाही है।



यह सवाल अब टालने लायक नहीं रहा कि क्या भारत को भी बच्चों-किशोरों के लिए सख्त सोशल मीडिया और गेमिंग नीति की जरूरत है। क्या उम्र सत्यापन को मजबूत नहीं किया जाना चाहिए? क्या कंपनियों को यह जिम्मेदारी नहीं लेनी चाहिए कि उनके प्लेटफॉर्म बच्चों के लिए सुरक्षित हों?

इमरजेंसी यूनिट में बदला सिस्टम, गंभीर मरीजों की एंट्री और रजिस्ट्रेशन अब सीएमओ कक्ष से

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सामान्य मरीजों की भीड़ के बीच अब गंभीर स्थिति वाले मरीजों को नहीं जूझना पड़ेगा। आंबेडकर अस्पताल में इमरजेंसी यूनिट का सिस्टम सोमवार से बदला जा रहा है। इसके बाद आपात स्थिति में आने वाले मरीजों को रूम नंबर 100 यानी सीएमओ कक्ष में रजिस्ट्रेशन और एंट्री की सुविधा मिलेगी। आगजनी की घटना के बाद मरीजों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पुरानी व्यवस्था को फिर से लागू किया गया है।

आंबेडकर अस्पताल में लगातार मरीजों की संख्या बढ़ रही है, जिसकी वजह से कई बार इमरजेंसी और सामान्य ओपीडी वाले मरीजों के बीच अव्यवस्था की स्थिति बन जाती है। अब गंभीर मरीजों को इमरजेंसी तक पहुंचने के लिए भीड़ के बीच से गुजरने की जरूरत नहीं होगी। आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अस्पताल प्रशासन ने प्रवेश एवं पंजीयन व्यवस्था में बदलाव किया है। नई व्यवस्था के तहत ओपीडी गेट स्थित कक्ष क्रमांक 100 यानी सीएमओ कक्ष से आपात चिकित्सा की आवश्यकता वाले मरीजों का प्रवेश एवं पंजीयन किया जाएगा।

आपात इलाज के लिए अब भीड़ से नहीं जूझना होगा, सोमवार से बदलेगी व्यवस्था



जरूरत होने पर आवश्यक सुधार

नई व्यवस्था का प्रमुख उद्देश्य मरीजों की भीड़ को नियंत्रित करना, गंभीर मरीजों को तत्काल आपात चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराना तथा मरीजों एवं उनके परिजनों के आवागमन को सुगम बनाना है। पंजीयन एवं प्रवेश व्यवस्था में परिवर्तन के दौरान आपातकालीन सेवाओं की निरंतरता को प्राथमिकता दी जाएगी। नई व्यवस्था लागू होने के बाद मरीजों के आवागमन एवं पंजीयन व्यवस्था की नियमित समीक्षा की जाएगी। यदि आवश्यकता महसूस हुई तो मरीजों की सुविधा के अनुरूप आवश्यक सुधारात्मक कदम भी उठाए जाएंगे।

- डा. संतोष सोनकर, चिकित्सा अधीक्षक, आंबेडकर अस्पताल

यहां से प्रारंभिक जांच के बाद गंभीर एवं तत्काल चिकित्सा की आवश्यकता वाले मरीजों को आपात चिकित्सा विभाग में भेजा जाएगा। इससे गंभीर मरीजों को इमरजेंसी तक पहुंचने में आसानी होगी और मरीजों की आवाजाही अधिक व्यवस्थित हो सकेगी। कुछ वर्ष पूर्व तक आपात चिकित्सा विभाग का संचालन इसी स्थान से किया जाता था, जिसे बदला गया था। पिछले दिनों आगजनी के बाद बंद मेडिसिन विभाग के वार्ड को ट्राइज रूम शिफ्ट किया गया है। बदलाव के बाद जरूरतमंद प्रारंभिक जांच के बाद सीधे यहां पहुंच सकेंगे।

निरीक्षण से पता चली अव्यवस्था, बैठक में फैसला

अस्पताल के राउंड के दौरान आपात चिकित्सा विभाग में मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण उत्पन्न भीड़ एवं स्थानाभाव का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मरीजों को होने वाली परेशानी का पता चला। अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी के अनुमोदन के बाद अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर की अध्यक्षता में शनिवार को अधीक्षक कक्ष में आपात चिकित्सा विभाग में मरीजों के सुचारू आवागमन एवं चिकित्सा व्यवस्था को बेहतर बनाने के संबंध में बैठक आयोजित की गई। इसके बाद संबंधित विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों के साथ चर्चा कर नई व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया गया।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत कार्ड धारकों को सुविधा देने लाई गई ग्रेन एटीएम की सुविधा

पीडीएस ग्रेन एटीएम सेंटर खुले, 2500 भंडारण क्षमता, एक बार में 50 किलो तक मिलेगा चावल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

देश के उत्तराखंड, मेघालय, गुजरात और ओडिशा राज्यों की तरह छत्तीसगढ़ में भी शनिवार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) योजना के तहत अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम सेंटर खोले गए हैं। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में रायपुर, दुर्ग एवं बिलासपुर में एक-एक एटीएम सेंटर खोलकर इसकी शुरुआत की गई है। ग्रेन एटीएम सेंटर पारदर्शी होने के साथ सुरक्षित और सुविधाजनक है। हितग्राही को एटीएम मशीन में आधार या राशन कार्ड नंबर डालना होगा, जिसके बाद मशीन से ऑटोमेटिक चावल निकलेगा, जिसे हितग्राही अपनी सुविधा के अनुसार बोरी आदि में भर सकेंगे।

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने प्रदेश के पहले तीन अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम सेंटर रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर में ऑनलाइन शुभारंभ किया। ग्रेन एटीएम खुलने के साथ छत्तीसगढ़ भी देश में ग्रेन एटीएम संचालित करने वाले राज्यों की सूची में शामिल हो गया है। इससे पहले ग्रेन एटीएम उत्तराखंड, मेघालय, गुजरात और ओडिशा राज्य में संचालित किए जा रहे हैं। इस तरह छत्तीसगढ़ पांचवां राज्य बन गया है। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडे, खाद्य विभाग की संचालक डॉ. फरिहा आलम, नागरिक आपूर्ति निगम की एमडी इफ्फत आरा, अपर संचालक नीलिमा एल्मा उपस्थित थे।

खास खबर

शक्कर एवं नमक अलग से मिलेगा

ग्रेन एटीएम में चावल एटीएम से निकलेगा, लेकिन शक्कर एवं नमक अलग से वितरित किया जाएगा। ग्रेन एटीएम सेंटर में पहुंचने वाले कार्ड धारकों को शक्कर एवं नमक लेने के लिए राशन दुकान जाना नहीं पड़े। इसके लिए ग्रेन एटीएम सेंटर में ही शक्कर एवं चावल का भंडारण भी किया है। शुभारंभ के दिन हितग्राहियों को चावल के साथ शक्कर एवं नमक का भी वितरण किया।





एपीएल कार्ड धारकों को भुगतान करने के लिए स्कैनर की सुविधा मिलेगी: खाद्य विभाग के अधिकारी के अनुसार ग्रेन एटीएम में एपीएल वर्ग के कार्ड धारकों के लिए फिलहाल सुविधा नहीं है। जल्द ही एटीएम में स्कैनर की व्यवस्था की जाएगी, ताकि वे राशि का भुगतान कर सके।

रायपुर में ट्रांसपोर्ट नगर बिरगांव में खुला ग्रेन एटीएम

राजधानी रायपुर में ग्रेन एटीएम सेंटर ट्रांसपोर्ट नगर बिरगांव में खोला गया है। एटीएम सेंटर के शुभारंभ के अवसर पर विधायक मोतीलाल साहू, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, खाद्य नियंत्रक भूपेंद्र मिश्रा, नागरिक आपूर्ति निगम रायपुर की डीएम हेलेना तिग्गा सहित बड़ी संख्या में विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। इस दौरान कई हितग्राही भी मौजूद रहे, जो अपने से एटीएम की प्रक्रिया पूरी करते हुए चावल प्राप्त किया।

2500 किलोग्राम तक खाद्यान्न भंडारण की क्षमता

वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के सहयोग से स्थापित अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम में लगभग 2500 किलोग्राम चावल भंडारण की क्षमता है। मशीन में चावल की लोडिंग पूर्णतः स्वचलित प्रणाली से होगी। इस एटीएम से राशन कार्ड धारक को बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के बाद मशीन निर्धारित मात्रा में चावल उपलब्ध कराएगी। विभागीय सूत्र के अनुसार एटीएम से एक बार में अधिकतम 50 किलो तक चावल निकलेगा। इस तरह अगर किसी राशन कार्ड में सदस्यों के कोटे के अनुसार 50 किलो से अधिक चावल है, तो उसे दोबारा बायोमेट्रिक प्रक्रिया अपनानी होगी।

संत शिरोमणि सेनजी महाराज के नाम पर नया रायपुर में चौक का नामकरण

सीएम साय बोले- केश शिल्पियों के कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर के चिकित्सा महाविद्यालय परिसर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में शनिवार को आयोजित सेन शक्ति सम्मेलन एवं केश शिल्पी सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सेन समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है। इस समाज ने सदियों से भारतीय समाज की सामाजिक व्यवस्था, संस्कारों और समरसता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर जैसे महान नेता का इस समाज से होना पूरे सेन समाज के लिए गौरव की बात है। सेन समाज केवल अपनी पारंपरिक सेवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि जन्म से लेकर विवाह और मृत्यु तक समाज के प्रत्येक संस्कार में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

नया रायपुर में चौक का नामकरण

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि संत शिरोमणि सेन जी महाराज के नाम पर नया रायपुर में चौक का नामकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस संबंध में नामकरण के लिए कमेटी बनाई गई है। मुख्यमंत्री ने सेन समाज के विकास और कल्याण के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

गौरीशंकर का चयन सही निर्णय : डॉ. रमन

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सेन समाज के लिए गौरीशंकर श्रीवास का चयन कर बहुत सही निर्णय लिया है। संघर्ष का दूसरा नाम गौरीशंकर श्रीवास है। वे लगातार समाज के लिए कार्य कर रहे हैं और समाज को आगे बढ़ाने की ललक उनके भीतर है। डॉ. रमन सिंह ने कहा कि विधायक श्री रिकेश सेन भी विधानसभा में सेन समाज और समाज के विभिन्न विषयों को सक्रियता के साथ उठाते हैं। कार्यक्रम में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि सेन शक्ति सम्मेलन सामाजिक एकता और समरसता का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ राज्य केश शिल्पी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष गौरीशंकर श्रीवास ने कहा कि आज का दिन सेन समाज के लिए ऐतिहासिक है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY)

UNI : IRDAN126RP0001V01201617

www.pmfby.gov.in

''किसान भाई-बहनों के लिए आवश्यक सूचना'' खरीफ-2026 फसल बीमा कराओ सुरक्षा कवच पाओ

भारत सरकार की इस योजना को छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से भारतीय कृषि बीमा कंपनी® (AIC) द्वारा खरीफ 2026 में छत्तीसगढ़ के 10 जिलों (धमतरी, जशपुर, कोरबा, नारायणपुर, राजनांदगाव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, कोंडागाव, महासमुंद, रायगढ़, सुरजपुर) में संचालित की जा रही है।

अधिसूचित फसलें खरीफ : ग्राम स्तर पर - धान सिंचित, धान असिंचित, मक्का, सोयाबीन
राजस्व निरीक्षक मंडल स्तर पर - मूंगफली, तुअर (अरहर), मूंग, उड़द, कोदो, कुटकी एवं रागी (मड़वा)

योजना की विशेषताएँ

- आवरण किये जाने वाले किसान : अधिसूचित क्षेत्र में अधिसूचित फसल उगाने वाले सभी किसान - ऋणी एवं अऋणी किसान।
- ऋणी किसान : ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हे भारत सरकार द्वारा जारी चयन प्रपत्र (Opting-out form) के अनुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र खरीफ मौसम के लिये पूरे वर्ष के दौरान किसी भी समय लेकिन किसानों के नामांकन के लिए तय की गई तिथि खरीफ के लिए 14 अगस्त 2026 से कम से कम 7 दिन पहले तक, संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा, अन्यथा संबंधित बैंक द्वारा संबंधित मौसम के लिए स्वीकृत/नवीनीकृत की गई अल्पकालीन कृषि ऋण को अनिवार्य रूप से बीमाकृत किया जायेगा।
- अऋणी किसान : अऋणी किसान इस योजना के तहत निकटतम बैंक शाखा/समिति, CSC, डॉकघर और राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल (NCIP) के माध्यम से अपना नामांकन करा सकते हैं। साथ ही अऋणी किसान को प्रस्ताव पत्र के साथ निम्न दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा :-
- जरूरी दस्तावेज : 1) नवीनतम आधार कार्ड की कॉपी, 2) नवीनतम भूमि प्रमाण पत्र (बी-1, पी-2) की कॉपी, 3) बैंक पासबुक के पहले पन्ने की कॉपी जिस पर एकाउंट नंबर/आईएफएससी कोड/बैंक का पता साफ दिख रहा हो, 4) फसल बुवाई प्रमाण-पत्र अथवा प्रस्तावित फसल बोने के आशय का स्वघोषणा पत्र, 5) किसान का वैध मोबाईल नंबर, 6) बटाईदार/कास्तकार/साझेदार किसानों के लिए- फसल साझा/कास्तकार का घोषणा पत्र, 7) के सी सी (KCC)/ कृषि ऋण न लेने के संबंध में स्व-घोषणा पत्र।
- बीमित फसलों में परिवर्तन : ऋणी किसान अपने बीमित फसलों में परिवर्तन करा सकते हैं इसके लिये खरीफ मौसम में नामांकन की अंतिम तिथि 14 अगस्त 2026 से दो कार्य दिवस पूर्व इस बात की सूचना संबंधित बैंक शाखा में दे सकते हैं।

आधार अनिवार्य

किसान भाइयों से अनुरोध है की वो अपना आधार खरीफ के लिए 14.08.2026से पूर्व, बैंक में अपडेट करालें और सुनिश्चित करें कि वह DBT (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के लिए सक्षम हो। यह PMFBY के तहत अपनी बकाया क्लेम राशि (यदि कोई हो) प्राप्त करने के लिए आवश्यक है, साथ ही फसल बीमा पोर्टल पर बिना आधार प्रमाणीकरण के बीमा मान्य नहीं होगा।

आवरित जोखिम

अधिसूचित क्षेत्र आधार पर	व्यक्तिगत खेत आधार पर
क) बुवाई/रोपाई नहीं होने पर : प्रतिकूल मौसम अवस्थाओं के कारण अधिसूचित क्षेत्र के 75% क्षेत्र में बुवाई न होने पर बीमित राशि का अधिकतम 25% तक क्षतिपूर्ति। केवल धान (सिंचित, असिंचित) एवं चना फसल के लिए लागू है।	क) स्थानीय आपदाएं : ओलावृष्टि, जलप्लावन (धान सिंचित एवं असिंचित फसलो में जलप्लावन से होने वाली क्षति इस घटक में शामिल नहीं है), बादल फटना और प्राकृतिक आकाशीय बिजली के कारण खड़ी फसल का नुकसान होना।
ख) फसल कटनी प्रयोग आधार पर : प्रत्येक अधिसूचित ग्राम में 04 एवं राजस्व निरीक्षक मंडल में 10 फसल कटनी प्रयोग द्वारा व्यापक आधार पर आई प्राकृतिक आपदाओं के कारण उपज में होने वाले नुकसान का आंकलन।	ख) फसल कटाई के उपरान्त नुकसान : खेत में काटकर व फैलाकर/छोटे गठरो में बांधकर सुखाने हेतु रखी गयी फसलों को फसल कटाई के पश्चात् केवल 14 दिनों के अधिकतम अवधि में- ओलावृष्टि, चक्रवात, चक्रवाती बारिश और बेमौसमी बारिश से हानि होने की स्थिति में।
अधिसूचित क्षेत्र आधार पर- फसल कटाई प्रयोग से क्षति निर्धारण :- किसान के द्वारा प्रीमियम राशि देय मात्र से दावा राशि की पात्रता नही बनती है और न ही अकाल, सुखा अनावारी रिपोर्ट के आधार पर निर्धारण किया जाता है। जबकि योजनांतर्गत बीमा दावा का निर्धारण बीमित ग्राम, राजस्व निरीक्षक मंडल एवं फसल में ग्रामीण कृषि विस्तार एवं पटवारी अधिकारी के द्वारा आयोजित ग्राम स्तर पर 4 एवं राजस्व मंडल स्तर पर 10 फसल कटाई प्रयोग से प्राप्त वास्तविक उपज का थ्रेशहोल्ड उपज से तुलना उपरांत बीमा कंपनी द्वारा देय होता है। जितना प्रतिशत उपज में कमी आती है, उनके मान से दावा राशि प्रदान किया जाता है।	स्थानीय आपदाएँ एवं फसल कटाई उपरान्त नुकसान होने पर 72 घंटो के भीतर अपनी फसल के नुकसान की सूचना यहाँ दें :- राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/क्षेत्रिय ग्रामीण बैंक/जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ। लोक सेवा केन्द्र (CSC)। भारत सरकार की क्रॉप इंश्योरेंस ऐप। जिला/तहसील स्तर के कृषि/राजस्व कार्यालय। भारत सरकार के टोल फ्री नम्बर (14447)। नोट :- हानि का मूल्यांकन व्यक्तिगत खेत सर्वे या सेम्पल सर्वे द्वारा किया जाएगा।



खरीफ	
1. किसान द्वारा देय प्रीमियम दर (बीमित राशि का)	2%
2. बैंक/प्राथमिक कृषि सेवा सहकारी समिति/लोक सेवा केन्द्र/ऑनलाईन पंजीकरण/बीमा अभिकर्ता /डॉक विभाग इत्यादि द्वारा सभी ऋणी कृषकों तथा अऋणी कृषकों (प्रस्ताव पत्र के साथ) बीमा कराने/प्रीमियम जमा/खाते से प्रीमियम कटौती / बीमा कराने की अंतिम तिथि	14/08/2026

- किसान भाईयों से आग्रह है कि फसल बीमा की खरीफ मौसम के लिए अंतिम तिथि 14-08-2026 से पूर्व निकटतम राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक/जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ/लोक सेवा केन्द्र (CSC)/भारत सरकार की बीमा पोर्टल/डॉक विभाग के माध्यम से फसल का बीमा करा सकते हैं।
- योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए राज्य सरकार की अधिसूचना देखे एवं उद्यानिकी/कृषि/राजस्व अधिकारी/बैंक/CSC एवं ए.आई.सी क्षेत्रीय/जिला/तहसील कार्यालय से संपर्क करें

HO/25-27/1A/12

भारतीय कृषि बीमा कंपनी® | AGRICULTURE INSURANCE COMPANY OF INDIA LTD.
क्षेत्रीय कार्यालय: एल.आई.सी. इनवेस्टमेंट बिल्डिंग, फेस-2, द्वितीय तल, पंडरी, रायपुर- 492004 (छ.ग.)
फोन/फैक्स:0771-4306605 ई-मेल: ro.raipur@aicofindia.com Website : www.aicofindia.com
पंजीकृत कार्यालय: प्लेट बी और सी, 5वीं मंज़िल, ब्लॉक 1, ईस्ट किदवई नगर, नई दिल्ली–110023.
सीआईएन: U74999DL2002PLC118123, आईआरडीएआई पंजीकरण सं. 126
aicofindialtd aicofindia aicofindia aicofindialtd aicofindialtd

कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन 14447

बीमा आपदा की विपत्ति वसूल है।

फसल हो या कृषि संपदा। बीमा सुरक्षा हमारा वादा ।।

विज्ञापन मात्र (नियम एवं शर्तें लागू)

पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना(RWBCIS)

UIN : IRDAN126P0002V02200708

फसल बीमा कराओ सुरक्षा कवच पाओ — फसल बीमा माह 1-31 जुलाई, 2026 — खरीफ-2026

''किसान भाई-बहनों के लिए आवश्यक सूचना''

भारत सरकार की इस योजना को छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से ''भारतीय कृषि बीमा कंपनी'' द्वारा खरीफ 2026 में छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में संचालित की जा रही है।

अधिसूचित फसलें : खरीफ राजस्व निरीक्षक मंडल स्तर पर - टमाटर, बैगन, मिर्च, अदरक, केला, पपीता एवं अमरुद

योजना की विशेषताएँ

- आवरण किये जाने वाले किसान : अधिसूचित क्षेत्र में अधिसूचित फसल उगाने वाले सभी किसान - ऋणी एवं अऋणी किसान।
- ऋणी किसान : ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हे भारत सरकार द्वारा जारी चयन प्रपत्र (Opting-out form) के अनुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र दोनो खरीफ मौसम के लिये पूरे वर्ष के दौरान किसी भी समय लेकिन किसानों के नामांकन के लिए तय की गई तिथि खरीफ के लिए 14 अगस्त 2026 से कम से कम 7 दिन पहले तक, संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा, अन्यथा संबंधित बैंक द्वारा संबंधित मौसम के लिए स्वीकृत/नवीनीकृत की गई अल्पकालीन कृषि ऋण को अनिवार्य रूप से बीमाकृत किया जायेगा।
- अऋणी किसान : अऋणी किसान इस योजना के तहत निकटतम बैंक शाखा/समिति, CSC, डॉकघर और राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल (NCIP) के माध्यम से अपना नामांकन करा सकते हैं। साथ ही अऋणी किसान को प्रस्ताव पत्र के साथ निम्न दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा :-
- जरूरी दस्तावेज : 1) नवीनतम आधार कार्ड की कॉपी, 2) नवीनतम भूमि प्रमाण पत्र (बी-1, पी-2) की कॉपी, 3) बैंक पासबुक के पहले पन्ने की कॉपी जिस पर एकाउंट नंबर/आईएफएससी कोड/बैंक का पता साफ दिख रहा हो, 4) फसल बुवाई प्रमाण-पत्र अथवा प्रस्तावित फसल बोने के आशय का स्वघोषणा पत्र, 5) किसान का वैध मोबाईल नंबर, 6) बटाईदार/कास्तकार/साझेदार किसानों के लिए- फसल साझा/कास्तकार का घोषणा पत्र , 7) के सी सी (KCC) / कृषि ऋण न लेने के संबंध में स्व - घोषणा पत्र।
- बीमित फसलों में परिवर्तन : ऋणी किसान अपने बीमित फसलों में परिवर्तन करा सकते हैं इसके लिये खरीफ मौसम में नामांकन की अंतिम तिथि 14 अगस्त 2026 से दो कार्य दिवस पूर्व इस बात की सूचना संबंधित बैंक शाखा में दे सकते हैं।

आधार अनिवार्य

किसान भाइयों से अनुरोध है की वो अपना आधार खरीफ के लिए 14.08.2026से पूर्व, बैंक में अपडेट करालें और सुनिश्चित करें कि वह DBT (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के लिए सक्षम हो। यह PMFBY के तहत अपनी बकाया क्लेम राशि (यदि कोई हो) प्राप्त करने के लिए आवश्यक है, साथ ही फसल बीमा पोर्टल पर बिना आधार प्रमाणीकरण के बीमा मान्य नहीं होगा।

आवरित जोखिम

अधिसूचित क्षेत्र आधार पर	स्थानीय आपदा एवं फसल विशेष के आधार पर
1) तापमान (कम, अधिक) 2) वर्षा (कम, अधिक, बेमौसम वर्षा) 3) वायु गति 4) कीट एवं व्याधि प्रकोप के अनुकूल मौसम	1) ओलावृष्टि 2) चक्रवाती हवाएँ

क्र.सं	मौसम	अधिसूचित फसलें	स्थानीय आपदा हेतु जोखिम
1.	खरीफ	मिर्च, केला एवं पपीता	ओलावृष्टि
2.	खरीफ	केला एवं पपीता	चक्रवाती हवाएँ

हानि का मूल्यांकन (दावा भुगतान)	हानि का मूल्यांकन (दावा भुगतान)
• अधिसूचित क्षेत्र में स्थापित "स्वाचालित मौसमी केन्द्र" (AWS) से प्राप्त उपरोक्त लिखित सभी 4 अवरित जोखिमों के प्रमाणित आंकडों एवं अधिसूचित टर्मशीट के अनुसार दावा गणना की जायेगी। • दावा राशि का भुगतान सीधे किसानों के खाते में किया जावेगा। • किसानों को फसल क्षति से संबंधित सूचना बीमा कम्पनी को देने की आवश्यकता नही है।	स्थानीय आपदाएँ से फसलों में नुकसान होने पर 72 घंटो के भीतर बीमित फसलों के ब्यौरे, क्षति की मात्रा, क्षति का कारण, फोटो इत्यादि के साथ यहाँ सूचित करें :- राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/क्षेत्रिय ग्रामीण बैंक/जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ। लोक सेवा केन्द्र (CSC)। भारत सरकार की क्रॉप इंश्योरेंस ऐप। जिला/तहसील स्तर के उद्यानिकी/कृषि/राजस्व कार्यालय। भारत सरकार के टोल फ्री नम्बर (14447)। नोट :- हानि का मूल्यांकन व्यक्तिगत खेत सर्वे या सेम्पल सर्वे द्वारा किया जाएगा।

1. किसान द्वारा देय प्रीमियम दर (बीमित राशि का)	खरीफ - 5%
2. बैंक/प्राथमिक कृषि सेवा सहकारी समिति/लोक सेवा केन्द्र/ऑनलाईन पंजीकरण/बीमा अभिकर्ता /डॉक विभाग इत्यादि द्वारा सभी ऋणी कृषकों तथा अऋणी कृषकों (प्रस्ताव पत्र के साथ) बीमा कराने/प्रीमियम जमा/खाते से प्रीमियम कटौती / बीमा कराने की अंतिम तिथि	14 अगस्त 2026

- किसान भाईयों से आग्रह है कि फसल बीमा की खरीफ मौसम के लिए अंतिम तिथि 14-08-2026 से पूर्व निकटतम राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक/जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ/लोक सेवा केन्द्र (CSC)/भारत सरकार की बीमा पोर्टल/डॉक विभाग के माध्यम से फसल का बीमा करा सकते हैं।
- योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए राज्य सरकार की अधिसूचना देखें अथवा उद्यानिकी/कृषि/राजस्व अधिकारी /बैंक /CSC एवं ए.आई.सी. क्षेत्रीय/जिला/तहसील कार्यालय से संपर्क करें।

HO/26-27/1A/13

भारतीय कृषि बीमा कंपनी® | AGRICULTURE INSURANCE COMPANY OF INDIA LTD.
क्षेत्रीय कार्यालय: एल.आई.सी. इनवेस्टमेंट बिल्डिंग, फेस-2, द्वितीय तल, पंडरी, रायपुर- 492004 (छ.ग.)
फोन/फैक्स:0771-4306605 ई-मेल: ro.raipur@aicofindia.com Website : www.aicofindia.com
पंजीकृत कार्यालय: प्लेट बी और सी, 5वीं मंज़िल, ब्लॉक 1, ईस्ट किदवई नगर, नई दिल्ली–110023.
सीआईएन: U74999DL2002PLC118123, आईआरडीएआई पंजीकरण सं. 126
aicofindialtd aicofindia aicofindia aicofindialtd aicofindialtd

कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन 14447

बीमा आपदा की विपत्ति वसूल है।

फसल हो या कृषि संपदा। बीमा सुरक्षा हमारा वादा ।।

विज्ञापन मात्र (नियम एवं शर्तें लागू)



{ आवरण कथा }

आगामी 15 अगस्त को हम सब भारतवासी 80वां स्वाधीनता दिवस का उत्सव मनाएंगे। इस आठ दशकीय यात्रा में किन क्षेत्रों में देश ने शानदार उपलब्धियां हासिल कीं? क्षेत्र, धर्म, जाति के नाम पर होने वाले सामाजिक बंटवारे और विघटनकारी राजनीति देश के विकास में कितनी बड़ी बाधा है? और हमारा भारतवर्ष, विश्वगुरु या कहें विश्व की महाशक्ति बनने का स्वप्न कैसे पूरा कर सकता है? इन सवालों पर अपने विचार व्यक्त कर रही हैं विभिन्न क्षेत्रों की कुछ जानी-मानी हस्तियां।

हमारा भारत कैसे बनेगा महाशक्ति



एआई इमेज

सबसे जरूरी है देशवासियों का शिक्षित-जागरूक होना

तलवंत सिंह सेवानिवृत्त न्यायाधीश दिल्ली उच्च न्यायालय



आजादी के बाद पिछले आठ दशकों में हमने प्रमुख तौर पर जो उपलब्धियां हासिल कीं, उनमें सबसे प्रमुख है देश के 80 करोड़ लोगों को फूड सिक्योरिटी देना। अब कोई हिंदुस्तानी भूखा नहीं सोता। दूसरा यह कि स्पेस टेक्नोलॉजी में हमने बहुत शानदार सफलता हासिल की है। एंटरप्रेन्योरशिप में भी हमारी अच्छी उपलब्धियां रही हैं। सर्विस सेक्टर में, खासतौर पर आईटी सेक्टर में, भारत काफी आगे बढ़ा है। मैं समझता हूं कि ये भारत की काफी बड़ी उपलब्धियां हैं।

यह चिंताजनक बात है कि हमारे देश में अधिकांश राजनीतिक पार्टियां धर्म, जाति और क्षेत्रवाद के नाम पर लोगों को बांटती हैं, क्योंकि उन्हें अपना वोटबैंक पक्का करना होता है। उनकी यह नीति देश के विकास में बहुत बड़ी बाधा है। चूंकि आम जनता इन पार्टियों के अंदर छिपी राजनीति को समझ नहीं पाती। इसलिए इन राजनीतिक दलों के बहकावे में आ जाती है। इससे सबसे ज्यादा नुकसान आम जनता का ही होता है। इससे मुक्ति पाने के लिए हमें सभी लोगों को शिक्षित और जागरूक करना होगा। शिक्षित समाज को बांटना इतना आसान नहीं होता। शिक्षित समाज को जाति, धर्म के नाम पर लड़ाना, दंगे कराना भी आसान नहीं होता। इसलिए हमें समाज में शिक्षा का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करना चाहिए। अगर हर भारतीय शिक्षित हो जाए तो कोई भी पार्टी जनता को जाति, धर्म या क्षेत्रवाद के नाम पर नहीं बांट पाएगी।

जहां तक सवाल भारत के विश्वगुरु या महाशक्ति बनने का है तो हमारे देश की आबादी बहुत ज्यादा है। हम लोग पढ़े-लिखे हैं और मेहनती भी हैं। इसी को हमें अपने देश की सबसे बड़ी शक्ति बनाना होगा। इसी के आधार पर हम देश को आगे ले जा सकते हैं। जैसा मैंने पहले कहा कि शिक्षा का प्रचार-प्रसार बहुत ज्यादा जरूरी है। शिक्षित भारत ही विश्वगुरु बन सकता है। यदि देश की सारी शक्तियां एकत्र होकर एक जगह पर रहें और हम धर्म, जाति

हम सभी को विघटनकारी सोच से बचना चाहिए

बिजेंद्र काला अभिनेता



हम अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहे हैं। इन अस्सी सालों में हमने ज्यादातर क्षेत्रों में तरक्की की है। इन अस्सी सालों में जितनी भी सरकारें आईं, सबने अपने स्तर पर देश को आगे बढ़ाने का काम किया है। हालांकि कुछ क्षेत्र ऐसे हैं, जो अभी भी उपेक्षित हैं, जैसे दूर-दराज के वे गांव, जहां आज तक बिजली नहीं पहुंच पाई और कुछ तो ऐसे दूर-दराज के क्षेत्र हैं, जहां पानी भी नहीं पहुंच पाया है। उम्मीद है कि आने वाले समय में धीरे-धीरे ये समस्याएं भी दूर हो जाएंगी। जहां तक देश की प्रगति में बाधाओं का सवाल है तो धर्म, जाति और क्षेत्रवाद हमारे देश के नागरिकों की सबसे बड़ी कमजोरियां हैं। चिंताजनक बात है कि राजनीतिक दल इस कमजोरी का जमकर फायदा उठाते हैं। ऐसे में सभी नागरिकों को यह सोच रखनी चाहिए कि हम अपने धर्म का तो सम्मान करें ही साथ ही दूसरे के धर्म का भी सम्मान करें। इसके अलावा जो विघटनकारी सोच के लोग हैं, जो हम लोगों को आपस में लड़वाते रहते हैं, हमें इन सबसे भी बचना चाहिए। हमें इस बात पर नजर रखनी चाहिए कि कोई किस तरह से हम लोगों को अलग करने की कोशिश कर रहा है? हमें स्वयं सजग रहते हुए जितना हो सके भेदभाव बढ़ाने वाली इन बातों से दूरी बनाकर रखना चाहिए। तभी हम इस समस्या से मुक्ति पा सकते हैं। जब हम लोगों का आपस में कोई बैर नहीं होगा। हम लोग आपस में मिलकर प्रेमपूर्वक रहेंगे तो कोई भी हमें अलग नहीं कर सकता। और अगर कोई भी नेता इस प्रकार की बांटने वाली बातें करे तो उसे हम लोगों को मुंह पर ही जवाब देना चाहिए कि यह विविधता ही हमारी पहचान है, यही हमारी शक्ति है। अपना भारत देश विश्वगुरु तभी बन पाएगा, जब हमें, हमारे सारे प्रयासों में सफलता हासिल होगी। हमारा रुपया शीर्ष पर होगा। हमारी जीडीपी ग्रोथ अच्छी होगी। हम महाशक्ति उसी रूप में बन पाएंगे, जब हम हर क्षेत्र में ऊंचाईयां हासिल करेंगे। मुझे लगता है कि हम सब जब पूरी कोशिश करेंगे कि हमारे यहां से गरीबी दूर हो, हमारा देश शिक्षित हो, सब पढ़ें-लिखें तभी देश प्रगति करेगा, दुनिया की महाशक्ति बनेगा।

हम सब लें कर्त्तव्यनिष्ठ नागरिक बनने का संकल्प

विनोद पंत सेवानिवृत्त कर्नल, भारतीय सेना

आजादी के बाद देश की अस्सी वर्ष की यात्रा मिली-जुली रही है। जहां कभी उबड़-खाबड़ रास्ते मिले तो कहीं फूलों से भरी वादियां। अब सवाल यह है कि इस यात्रा में हमने क्या हासिल किया तो एक सैनिक के तौर पर मैं देश की सबसे बड़ी उपलब्धि मानता हूं आत्मनिर्भरता। जिसका ताजा उदाहरण है, इसरो का मंगल और चंद्रयान मिशन। डिजिटल इंडिया और भौतिक बुनियादी ढांचा यानी एक्सप्रेस वे, इंडियन रेलवे की उपलब्धियां, नए एयरपोर्ट, ये ऐसी उपलब्धियां हैं, जिन्हें देखकर मन गर्व से भर जाता है। विशेष रूप से रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया के तहत तेजस, द्रोण और अत्याधुनिक ड्रोन तकनीक ने यह साबित कर दिया है कि हमारे वैज्ञानिक दुश्मन की हर नापाक कोशिश को नाकाम कर सकते हैं। साथ ही भारत की विदेश नीति ने भारत को विदेशी धरती पर सम्मान दिलाया है। हालांकि कुछ मुद्दे हैं, जहां अभी हम पीछे हैं जैसे हमारी विशाल जन शक्ति के लिए पर्याप्त संसाधनों का अभाव। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा में अभी और बेहतर काम करने की आवश्यकता है। जब तक हम अपने विश्वविद्यालयों को वैश्विक अनुसंधान के केंद्र के रूप में नहीं बदलते, तब तक हम इनोवेशन के सुपर पावर नहीं बन सकते। साथ ही विनिर्माण के क्षेत्र में हिस्सेदारी भी कुछ देशों की तुलना में कम है, जिसे मजबूत करना होगा।

जहां तक सवाल क्षेत्र, धर्म और जाति का है तो ये हमारे सबसे ज्यादा संवेदनशील विषय हैं। बाहरी दुश्मन से तो हम हर बार निपट लेते हैं क्योंकि हमारी सेना बहुत मजबूत है। लेकिन क्षेत्र, धर्म और जाति का जहर देश के लिए साइलेंट किलर का काम करता है। यह हमारी सामूहिक इच्छा शक्ति यानी कलेक्टिव विल को खोखला कर देता है। देश के लिए यह बाधा बहुत विनाशकारी है। जब देश की जनता ही आपस में बंटी हो तो वह देश घरेलू मोर्चे पर बहुत कमजोर हो जाता है। इससे मुक्ति के कुछ मार्ग भी हैं। जैसे स्कूल-कॉलेज में छात्रों के लिए एनसीसी और एनएसएस को अनिवार्य करें। इससे उनमें राष्ट्र प्रथम की भावना जाग्रत होगी। हमें अपनी अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाना होगा। जब हर वर्ग को रोटी और शिक्षा सुनिश्चित हो जाएगी तो जाति और धर्म के ठेकेदारों को राजनीति करने की जगह ही नहीं मिलेगी। दूसरा सख्त कानूनी कार्यवाही का होना भी बहुत जरूरी है। देशद्रोह और सामुदायिक द्वेष फैलाने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनानी होगी। सामाजिक सौहार्द को हम सभी देश वासियों को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता मानना होगा।

सपना कोई भी हो, सही रणनीति और प्रयास से ही साकार होता है। विश्वगुरु या महाशक्ति बनने का सपना पूरा करने के लिए देश को तीन स्तरों पर कार्य करना होगा। पहली है आर्थिक शक्ति। इसके लिए स्किल इंडिया को हथियार बनाना होगा। हमारी युवा आबादी हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इसलिए हम उन्हें उद्योगों के अनुकूल प्रशिक्षित करें।

दूसरा स्तंभ है, तकनीकी आत्मनिर्भरता। इसके लिए एआई, क्वांटम और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में हमें अग्रणी बनना होगा। हमारे पास संस्कृत और आयुर्वेद जैसी प्रचीन ज्ञान परंपरा है। इसे आधुनिक विज्ञान से जोड़कर हमें क्लाइमेंट चेंज रोकने का समाधान निकालना होगा। तीसरा स्तंभ है रक्षा एवं कूटनीति। हमें शांतिदूत बनना है और मुट्ठी में तलवार भी रखनी है। इसके लिए जरूरी है हमारी सैन्य शक्तियां पूरी तरह से आधुनिक हों। लेकिन यह भी ध्यान रहे कि महाशक्ति केवल परमाणु बम या जीडीपी से नहीं बनता, वह देश के नागरिकों के चरित्र से भी बनता है। यदि हम 2047 में देश की स्वाधीनता के शताब्दी वर्ष में भारत को विश्व की महाशक्ति के रूप में देखना चाहते हैं तो देश के हर नागरिक को यह संकल्प लेना होगा कि मैं एक ईमानदार कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनूंगा। देशहित को सर्वोपरि रखना होगा। इसके लिए तन, मन, धन से जुटना होगा तो देश निश्चित ही विश्वगुरु, महाशक्ति बन जाएगा।

प्रस्तुतिः रेणु खंतवाल



गजल

गोविंद भारद्वाज

जय हिंद का नारा

चमन के फूल हैं इंसान हम सारे,
तिरंगे की अलग इक शान हम सारे।
कभी मुश्किल में पड़ जाए यकीनन फिर,
वतन के नाम पर कुर्बान हम सारे।
यहीं जन्मे सभी हम और खेले सब,
इसी वसुधा की हैं संतान हम सारे।
भले मजहब हमारे हों अलग लेकिन,
लिए दिल में हैं हिंदुस्तान हम सारे।
बढ़ें आगे लगा 'जयहिंद' का नारा,
बने फिर हिंद की पहचान हम सारे।
रहें खुलकर सभी आजाद भारत में,
अदब से गाएं राष्ट्रगान हम सारे।
हो वंदे मातरम् सब की जुबां पर नित,
करें इस पर सदा अभिमान हम सारे।

{ व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय }

पोल खुलने का मौसम



बारह महीनों में एक उत्तम महीना है सावन का महीना। इसकी बात ही कुछ निराली है। सावन में पवन शोर करने लगता है, दादुर भाषण झाड़ने लगते हैं और मोर फोक डांस करने लगते हैं। धरती हरियाली की जीएसटी से आच्छादित हो जाती है। सावन आता है और बादल धरती को बूंद-बूंद आश्वासन पिलाने में मशगूल हो जाया करते हैं। यह वही मशहूर महीना है, जिसमें विरहिन और पपीहे 'पिउ-पिउ' का पाठ रटते हैं। सावन में अच्छे-अच्छों को दूर की सूझती है। स्तंभकारों को कॉलम, युवतियों को बालम और नेताओं को पालम की सुध आने लगती है। सावन बरसता है, तो तन-मन में आग लग जाती है। ऐसे में मुझे उन पर बेहद तरस आता है, जो इसकी महिमा को कायदे से नहीं बूझते और अपने लाखों के सावन को 'दो टकिया' की नौकरी के पीछे गंवा दिया करते हैं। भला जिसे सावन में भी हरियाली दिखलाई न दे, उससे क्या उम्मीद जा सकती है!

सावन, वर्षा ऋतु का केंद्रीय महीना है। यही वह मौसम होता है, जब इंद्र देव प्रसन्न होते हैं। जवां दिलों में नई चाहत जागती है। प्यार के अंखुए फूटते हैं। समूची प्रकृति में 'रेन डांस' होने लगता है। रंग-बिरंगी फूल-पत्तियां फैशन परेड करने लगती हैं। संयम के बांध टूट-टूट पड़ते हैं। चाहतें भूस्खलन की शिकार हो जाती हैं और आपदा प्रबंधन नामक सरकारी महकमे के लोग डूबने-उतरने लगते हैं। ठेकेदारों और सरकारों के विकास कार्यों की पोल खुलने लगती है। बड़े-बड़े शहरों में भी निगमों और सरकारों को स्वयं के कार्यों पर लाज आने लगती है। सीवर और मेनहोल गले तक लबालब भर जाते हैं तथा नाली, सड़क और मेनहोल का अंतर मिट जाता है। मार्ग पर समाजवादी व्यवस्था हावी हो जाती है। जहां देखिए, वहां पर पानी ही पानी नजर आता है। विकास के कार्यों का दावा करने वालों के लिए यह मुंह छिपाने का भी मौसम होता है। जिन जिम्मेदार लोगों की आंखों का पानी शेष है, वे पानी-पानी होने लगते हैं। सावन राहत योजनाओं की छीछालेदर का सुहावना मौसम होता है। बादल तबीयत से बरसते हैं। नाले फूट पड़ते हैं। क्षुद्र नदियां इतराने लगती हैं। जिन्हें शर्म से डूब मरना होता है, वे डूब मरते हैं। बादल गरजते हैं और आसमान से बिजलियां गिरती हैं। जमीनी बिजली शरम के मारे जब-तब नौ-दो-ग्यारह हो लेती है। सरकारी योजनाओं की तरह पानी गड्ढों और नालियों में सिमट जाता है। पुरानी तो पुरानी, नई छतें और छप्पर तक टपकने लगते हैं। बाढ़ आती है। आंखों-आंखों में गांव-नगर फैले कीचड़ की पैमाइश करते हुए माननीय गण हवाई सर्वेक्षणों में जुट जाते हैं और अपने निजी क्षेत्र के बारे में बाकायदा चिंताग्रस्त होते हुए सोचा करते हैं कि कौन कितने पानी में है? वे अपने मातहतों को आदेश देते हैं, 'जान-माल का नुकसान न होने पाए।' मातहत सब समझते हैं। वे अपनी गरम मुट्ठियां बांधे हुए माननीय के आगे-पीछे चक्कर लगाते हैं और तब माननीय का कोई खासमखास बंदा सर्वेक्षणोपरांत उनके कान में फुसफुसाता है, 'हुजूर, चिंता न करें। आपके रहते इस क्षेत्र में और किसकी मजाल है, जो जान-माल को हाथ भी लगा दे।'

अपने देश को स्वतंत्रता भी सावन के आस-पास ही प्राप्त हुई थी। यह भी कह सकते हैं कि आजादी नहीं आती, तो ऐसा सावन भी नहीं आता, क्योंकि जबसे ये दोनों आए हैं, तब से इतना पानी टपका है कि तमाम बंजर जमीनें, हरी-भरी हो गई हैं और हरी-भरी जमीनें बंजर हो गई हैं। लेकिन बंजर हो या हरी-भरी जमीन, उसपर भ्रष्टाचार की फसल उगने के लिए सावन का भी इंतजार नहीं करती है।

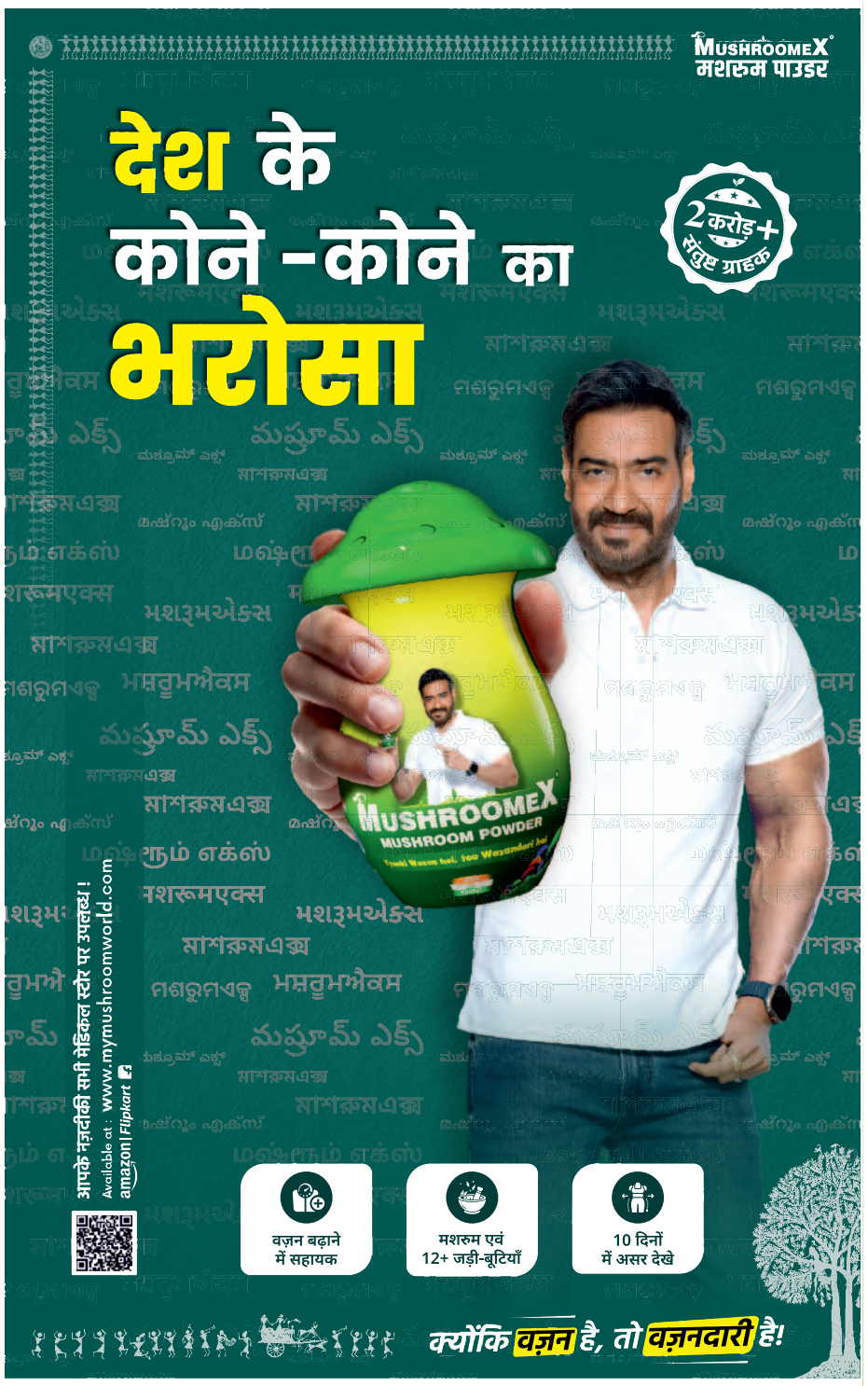

ऑपरेशन सिंदूर की दास्तान

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

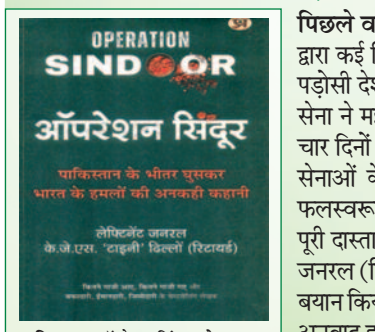

किताबः ऑपरेशन सिंदूर, **लेखकः** लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) के. जे. एस. 'टाइनी' ढिल्लों, **मूल्यः** 600 रुपए, **प्रकाशकः** प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

पिछले वर्ष 2025 के अप्रैल माह में कश्मीर में आतंकियों द्वारा कई निर्दोष पर्यटकों की नृशंस हत्या के लिए जिम्मेदार पड़ोसी देश पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारतीय सेना ने मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया था। चार दिनों तक चले इस ऑपरेशन की रणनीति, उसमें तीनों सेनाओं के द्वारा किए गए समन्वित एक्शन और उसके फलस्वरूप सीमा पार आतंकी अड्डों के नेस्तनाबूद होने की पूरी दास्तान को इस किताब 'ऑपरेशन सिंदूर' में लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) के. जे. एस. 'टाइनी' ढिल्लों ने विस्तार से बयान किया है। आनंद कुमार राय द्वारा किया गया इसका हिंदी अनुवाद हाल में छपकर आया है। जरूरत के अनुसार चित्रों के उपयोग से ऑपरेशन सिंदूर की पूरी कहानी और भी जीवंत हो उठती है। इसे पढ़ते हुए निश्चित ही हर भारतीय को हमारी सेना के शौर्य और पराक्रम पर गर्व की अनुभूति होगी।

अमन के फरिश्ते



पुस्तकः अमन के फरिश्ते (उपन्यास), **लेखकः** ब्रिगेडियर सुशील तंवर, **मूल्यः** 325 रुपए, **प्रकाशकः** राजपाल एंड संस, दिल्ली

आज से लगभग दो-ढाई दशक पहले कश्मीर में आतंकवाद चरम पर था। आम लोग खौफ और दहशत में जिया करते थे। उस दौर में भी भारतीय सेना, स्थानीय सुरक्षा बलों के साथ मिलकर टेरर नेटवर्क को ध्वस्त करने में रात-दिन लगी रहती थी। इसमें मिलिट्री इंटेलिजेंस के लिए सबसे महत्वपूर्ण कड़ी वहां के कुछ देशभक्त स्थानीय निवासी हुआ करते थे। इसी कथानक पर ब्रिगेडियर सुशील तंवर ने 'अमन के फरिश्ते' उपन्यास की रचना की है। मिलिट्री कैप्टन आशीष चौहान, अपनी वीरता, साहस, बुद्धिमत्ता और स्थानीय अमन के फरिश्तों के साथ से कैसे आतंकियों का सफाया करते हैं, इसकी रोमांचक कहानी पाठक के मन में देशभक्ति की भावना का संचार कर देती है।

उद्घाटन समारोह

अनुभव करने के लिए QR को स्कैन करें

महोत्सव के मुख्य आकर्षण

- मांदर और नगाड़े की थाप पर पारंपरिक लोकनृत्य
- पारंपरिक जनजातीय खान-पान
- AI पर आधारित विशेष आकर्षण
- वृत्तचित्र, फिल्म महोत्सव एवं भव्य ड्रोन शो
- स्वतंत्रता सेनानी विरासत विषयगत प्रदर्शनी एवं कला-शिल्प प्रदर्शनी
- झारखण्ड की चित्रकला शैलियाँ एवं 5D इमर्सिव जोन
- जतरा
- आदिवासी साहित्य एवं पुस्तक मेला

झारखण्ड आदिवासी महोत्सव

9-10 अगस्त
मोरहाबादी मैदान, रांची

2026

मुख्य अतिथि

श्री संतोष कुमार गंगवार

माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

तथा

माननीय मंत्रीगण, माननीय सांसदगण, माननीय विधायकगण एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति में

दिनांक: 9 अगस्त, 2026
समय: अपराह्न 01:30 बजे से
स्थान: मोरहाबादी मैदान, रांची

समारोह में आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थित है



संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड



हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

PR NO - 387070 IPRD(26-27)D

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड

नरकश

संजय के. दीक्षित

न्यू अर्बन सिकेट्री कौन?

आईएएस आर शंगीता के लंबे अवकाश पर जाने से अर्बन एडमिनिस्ट्रेशन सिकेट्री का पद खाली हो गया है। हालांकि, बसव राजू इस विभाग के लिंक अफसर हैं, इस नाते वे जरूरी फाइलें निबटा रहे हैं। मगर पता चला है, सरकार जल्द ही नया नगरीय प्रशासन सचिव की नियुक्ति करेगी। बता दें, पिछले साल अमित कटारिया जब सेंट्रल डेपुटेशन से लौटे थे, तब इस विभाग को लेकर उनकी चर्चाएं तेज थी। वे खुद भी अर्बन के लिए इच्छुक थे। मगर उस समय बसव राजू को वे हिला नहीं पाए। आखिरकार, उन्हें हेल्थ से संतोष करना पड़ा। यद्यपि, इसी साल 6 मई को सरकार ने बसव राजू को हटाकर शंगीता को इस विभाग की कमान सौंपी थी, मगर वे लीव पर चली गईं। अब देखना है, सरकार किसे नगरीय प्रशासन सिकेट्री बनाती है। वैसे चर्चा आईएएस रजत कुमार के नाम की भी है। संभावना यह भी है, इसके साथ एक-दो विभाग में और बदलाव हो जाए। सचिवों में इस समय सिर्फ भुवनेश यादव ऐसे अफसर हैं, जिन पर सरकार की नजरें इनायत नहीं हो रही। उनसे समाज कल्याण लेकर पंजीयन दिया गया, जिसमें कोई नमस्ते करने भी नहीं आता। राज्य बनने के बाद ये विभाग हमेशा पूछल्ला रहा। याने बड़े विभाग के साथ ऐड किया गया। बाकी इस समय अच्छे और पार्फमिंग से लेकर बदनाम ऑफिसर्स...सबको कुछ-न-कुछ जरूर मिला है।

छत्तीसगढ़ का दुर्भाग्य!

हेल्थ में एक से बढ़कर एक बिग गन सिकेट्री रहे हैं। मगर आलम यह है कि 25 साल बाद भी आदिवासी इलाके में लोग मलेरिया जैसी सामान्य बीमारी से मर रहे हैं, तो शहरी क्षेत्रों के अस्पतालों की स्थिति भी जुदा नहीं है। दरअसल, किसी भी सिकेट्री ने हेल्थ का इंफ्रास्ट्रक्चर दुरूस्त करने की कोशिश नहीं की। जो भी इस विभाग में सचिव बनता है, वह एनजीओ और सप्लायरों से इस कदर घिर जाता है कि बाकी चीजों के लिए उसके पास टाईम नहीं बचता। आखिर, आपने कभी किसी हेल्थ सिकेट्री को जिला अस्पताल या पीएससी, सीएससी का मुआयना करते देखा है। जब तक हेल्थ सिकेट्री खुद स्वास्थ्य संस्थानों में जाकर स्थिति को नहीं समझेंगे, हेल्थ में रिफार्म के लिए क्या प्रयास करेंगे? पीडब्लूडी में इतना फास्ट काम क्यों शुरू हुआ है? नए सिकेट्री ने तीन महीने में पूरे छत्तीसगढ़ को मथ दिया। सरगुजा और बस्तर का कोई इलाका उनसे तीन महीने में नहीं छूटा है। ईएनसी, सीई से लेकर पीडब्लूडी का पूरा सिस्टम उनके साथ दौड़ रहा है। हेल्थ में इसी तरह का कोई सिकेट्री आए, तभी जाकर इस विभाग का उद्धार होगा, वरना गंभीर बीमारी तो छोड़िये, आज के आधुनिक युग में लोग मलेरिया और बुखार से दम तोड़ते रहेंगे। हेल्थ में सबसे जरूरी है विभाग की बीमारी दूर करना। विभाग की बीमारी दूर हो जाएगी, तो इंसान की बीमारी अपने आप दूर हो जाएगी।

मरीजों के भोजन में कमीशन



हेल्थ विभाग में संवदेनहीनता का आलम ये है कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों को भोजन में भी कमीशन वसूला जा रहा। मरीजों को खाना पहुंचाने वाले ठेकेदारों को, अगर अस्पताल छोटा है तो 50 हजार और बड़ों को एक से दो पेटी। अब ये पैसा कहां जाता है, नहीं पता। मगर नीचता की ये पराकाष्ठा है। पता नहीं, उपर जाकर क्या जवाब देंगे। आखिर, सरकारी अस्पताल में कौन भर्ती होता है? गरीब या बेसहारा। ठेकेदार कमीशन देगा तो फिर खाने में डंडी मारेगा ही। और, जब मरीजों के भोजन में कमीशन लिया जा रहा, तो बाकी में क्या होता होगा, समझा जा सकता है।

खबर...जो खबर नहीं बन पाई

लास्ट संडे राजधानी रायपुर में एक बड़ी बैठक हुई। उसमें सीएम विष्णुदेव साय, चीफ जस्टिस रमेश सिनहा समेत हाईकोर्ट के जज, रजिस्ट्रार तो थे ही, डीजीपी सहित पूरा पुलिस मुख्यालय, पीएस होम, सभी जिलों के डिस्ट्रिक्ट जज, रेंज के आईजी, जिलों के सभी 33 एसपी, सीजेएम मौजूद रहे। इसके साथ ही दिल्ली और चंडीगढ़ से गृह और एनआईसी के अफसर भी। मसला यह था कि पुलिस के तीन नए कानून बने हैं, उसके क्रियान्वयन में अपना छत्तीसगढ़ 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 25वें नंबर पर है। बताते हैं, इसको लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सरकार को डीओ लेटर लिखा था। केंद्रीय गृह मंत्रालय का पत्र मिलते ही हड़कंप मचा। सूबे के होम मिनिस्टर विजय शर्मा ने खुद ही मोर्चा संभाला। उन्होंने खुद ही बिलासपुर जाकर चीफ जस्टिस से मीटिंग के लिए आग्रह किया। राज्य के कानून-व्यवस्था और नए कानूनों पर अमल करने दिन भर मंथन चला। और निष्कर्ष यह निकला कि पुलिस से लेकर एफएसएल, अभियोजन नए कानूनों को लेकर कतई गंभीर नहीं है। एफएसएल के सारी रिपोर्ट ऑनलाइन होनी चाहिए, मगर इस पर अभी काम ही शुरू नहीं हुआ है। एफआईआर दर्ज होने के 90 दिन के भीतर मामलों का निराकरण हो जाना चाहिए, छत्तीसगढ़ में इसको लेकर किसी को सुध नहीं है। बहरहाल, इतनी अहम बैठक रायपुर में हुई मगर पता नहीं कैसे, खबरों में कहीं नजर नहीं आई।

आईआरएस को संविदा नियुक्ति

छत्तीसगढ़ में एक और आईआरएस अफसर को वीआरएस के बाद संविदा नियुक्ति मिल सकती है। ज्ञातव्य है, डायरेक्टर फायनेंस इंस्टिट्यूशन शीतल वर्मा ने वीआरएस के लिए अप्लाई कर दिया है। शीतल इंडियन रेवेन्यू सर्विस की अधिकारी हैं। वे करीब 18 साल से छत्तीसगढ़ में हैं। पहले इंकम टैक्स में रही। पिछली सरकार में राज्य सरकार में उन्हें डेपुटेशन मिला। सात साल कंप्लीट हो जाने के बाद भारत सरकार ने उनका डेपुटेशन बढ़ाने से मना कर दिया। इसके बाद शीतल ने वीआरएस के लिए अप्लाई कर दो महीने की छुट्टी पर चली गई हैं। सरकार के सूत्रों का कहना है, फायनेंस में उनके अनुभवों का लाभ लेने वीआरएस एक्सेप्ट होने के बाद संविदा नियुक्ति दी जा सकती है।

आईएएस सस्पेंड

सांसद बृजमोहन अग्रवाल और आईएएस अमित कटारिया एपिसोड में 2005 की घटना ताजा हो गई। तब बृजमोहन फॉरेस्ट के साथ पर्यटन मंत्री थे। और 87 बैच के आईएएस अजयपाल सिंह पर्यटन बोर्ड के एमडी। दोनों के बीच तनातनी इतनी बढ़ गई थी कि अजयपाल सिंह ने मंत्रालय में प्रेस कांफ्रेंस बुला मंत्री के खिलाफ टिप्पणी कर दी। रमन सरकार ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटे में अजयपाल को सस्पेंड कर दिया था। उसके बाद अजयपाल का कैरियर इतना खराब हो गया कि उसके बाद उन्हें कोई ढंग की पोस्टिंग नहीं मिली। और आखिरकार 2017 में उन्हें फोर्सली रिटायर कर दिया गया।

विशेषाधिकार हनन और कार्रवाई

टेलीफोन पर हॉट टॉक के बाद रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में विशेषाधिकार हनन की शिकायत की है। लोकसभा सचिवालय ने इस पर डीओपीटी से रिपोर्ट मांगी है। अब लोगों की जिज्ञासा है, इसके आगे क्या होगा? डीओपीटी के रिप्लाई से अगर लोकसभा सचिवालय संतुष्ट नहीं हुआ तो मामला प्रीविलेज कमेटी के पास जाएगा। सांसद प्रीविलेज कमेटी के सदस्य होते हैं। कमेटी चाहेगी तो अफसर को तलब कर विवाद का पटाक्षेप करने उन्हें सॉरी कहने बोल सकती है। अफसर ने अगर सॉरी नहीं बोला तो फिर उसके खिलाफ कमेटी कमेंट्स लिख देती है। चूकि, नीचे से उपर तक हर जगह आईएएस का दबदबा रहता है, इसलिए इसमें फिर कुछ होता नहीं। और प्रीविलेज कमेटी का कमेंट्स फाइलों में दफन हो जाता है। अफसर का नुकसान ये होता है कि तब तक अफसर का अच्छा खासा मीडिया ट्रॉयल हो जाता है।

रुलिंग पार्टी, अप्रिय एपिसोड

छत्तीसगढ़ के दो सांसदों ने अपनी ही सरकार में एक आईएएस और दो राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के खिलाफ लोकसभा में विशेषाधिकार हनन की शिकायत की है और लोकसभा सचिवालय ने इस पर कार्रवाई भी शुरू कर दी है। कायदे से ऐसे अप्रिय प्रसंग अपनी सरकार में नहीं होते। सिस्टम और संगठन में बैठे लोगों को इसमें हस्तक्षेप कर इसे टाला जा सकता था। सांसद और अफसर दोनों को साथ बिठाकर इस मसले का खतम किया जा सकता था। मगर बीजेपी पार्टी ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल को मौज लेने का मौका दे दिया। ऐसा नहीं है कि इससे पहले कभी ऐसा हुआ नहीं। रमन सिंह की दूसरी पारी में एक वरिष्ठतम मंत्री का चीफ सिकेट्री सुनिल कुमार के साथ काफी तनातनी हुई थी। कोरबा कलेक्टर से भी बहस हो गई थी। मगर उस समय बात आगे नहीं बढ़ी, क्योंकि क्षेत्रीय संगठन मंत्री सौदान सिंह इस तरह के विषयों को बखूबी संभाल लेते थे। सौदान सिंह का सरकार से लेकर मंत्रियों पर इतना प्रभाव था...उनके बीच इतना समन्वय बनाकर रखते थे कि 15 साल में किसी मंत्री ने मुख्यमंत्री रमन सिंह को पत्र लिखने की जुर्रत नहीं की।

एक रुपए वेतन की कहानी

देश के छोटे से लेकर नामचीन मीडिया की रिपोर्ट में एक रुपए वेतन की खबर से खुद आईएएस अमित कटारिया भी हैरान होंगे। दरअसल, इस एक रुपए के वेतन के पीछे अपनी कहानी है। ब्यूरोक्रेट्स बताते हैं...अमित कवर्धा के एसडीएम थे। कुछ कागजी दिक्कतों की वजह से दो-तीन महीने उनका वेतन नहीं बन पाया। इसी बीच उनका कांकेर ट्रांसफर हो गया। बताते हैं, उनके बाद जो आईएएस एसडीएम बनकर आए, उन्होंने हंसी-मजाक में कह दिया...अमित सर, को वेतन नहीं मिला तो क्या फर्क पड़ता है, वे एक रुपए वेतन में भी काम कर लेंगे। वहीं से एक रुपए वेतन का रायता फैल गया। जबकि, सच्चाई यह है कि बाकी आईएएस की तरह अमित कटारिया भी हर महीने अपना पूरा वेतन ड्रॉ करते हैं। 2004 बैच के आईएएस के हिसाब से उनका वेतन करीब दो लाख 85 हजार बनता है। अब चूकि एक रुपए वेतन की खबर इस कदर फैल गई कि अमित बोले तो क्या बोले। लोग नासमझी दिखाएं तो वे क्या करेंगे...वे भी मौज ले रहे हैं।

प्रेरणादायी...

हरिवंश राय बच्चन की कविता है.....गिरना भी जरूरी है, औकात का पता चलता है। बढ़ते हैं जब हाथ उठाने को, तब अपनों का पता चलता है। जिन्हें गुस्सा आता है, अक्सर वे लोग सच्चे होते हैं, मैंने झूठों को अक्सर दिन-रात मुस्कुराते हुए देखा है। सीख रहा हूं अब मैं भी इंसानों को पढ़ने का हुनर, सुना है चेहरे पर किताबों से ज्यादा लिखा होता है।

अंत में एक सवाल आपसे?

1. क्या कलेक्टरों की एक ट्रांसफर लिस्ट जल्दी आ सकती है?

डेंगू के चपेट में स्वरा, दी हेल्थ अपडेट



मुंबई। एक्ट्रेस स्वरा भास्कर हाल ही में डेंगू की चपेट में आने वाली सेलिब्रिटी बन गई हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी सेहत के बारे में जानकारी दी है। स्वरा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अस्पताल से अपनी एक तस्वीर शेयर की और अपनी सेहत के बारे में जानकारी दी है। अभिनेत्री ने जो तस्वीर शेयर की है उसमें देखा जा सकता है कि वह नीली सफेद ड्रेस में हैं। उनके हाथ में विको लगा है। वह अपने हाथ से विक्ट्री का निशान बना रही हैं। तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'सब कुछ कितनी तेजी से हो गया। डेंगू हो गया और अस्पताल में भर्ती होना पड़ा!' हालांकि उन्होंने अपने लक्षणों या अस्पताल में रहने की अवधि के बारे में कोई जानकारी नहीं दी, लेकिन उनके छोटे से बयान से फॉलोअर्स को उनकी हालत के बारे में पता चल गया।

बाढ़ के लिए आगे आईं भूमि

एजेंसी ⏭ मुंबई

भूमि पेडनेकर असम के शिवसागर जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंची थीं। उन्होंने वहां पहुंचकर राहत सामग्री लोगों को बांटी। इसके अलावा सोशल मीडिया के जरिए इस काम में लगे वॉलंटियर्स की तारीफ की। साथ ही फैंस से असम बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए दान देने की अपील की। अपने इंस्टाग्राम पेज पर बाढ़ प्रभावितों की मदद करते हुए एक वीडियो भूमि पेडनेकर ने पोस्ट किया है। इसके अलावा एक इंस्टाग्राम स्टोरी भी लगाई है, जिसमें उनकी गाड़ी बाढ़ वाले पानी में चल रही है। इस पोस्ट के साथ वह लिखती हैं, 'यह मुश्किल है। आपको इसे अनुभव करना होगा, जिससे आप समझ सकें कि इसका असर कितना गहरा है। मैं एडमिनिस्ट्रेशन और सभी वॉलंटियर्स को सलाम करती हूं क्योंकि वह बाढ़ से प्रभावित होने के बावजूद 24 घंटे काम कर रहे हैं।



भूमि पेडनेकर के साथ इस मुहिम में भारत डिजास्टर रिलीफ फाउंडेशन के वॉलंटियर भी शामिल थे। यह संस्था जुलाई के आखिर से शिवसागर के बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत कार्य कर रही है। यह संस्था प्रभावित समुदायों को भोजन, जरूरी सामान और दूसरी जरूरी सहायता पहुंचा रही है। साथ ही रिकवरी और पुनर्वास के काम में भी मदद कर रही है। भूमि पेडनेकर के करियर फ्रंट की बात करें तो वह फिल्म 'द प्राइड ऑफ भारतः छत्रपति शिवाजी महाराज' का हिस्सा बनी हैं। इस फिल्म में ऋषभ, शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में भूमि पेडनेकर वॉरियर क्वीन बेलवाडी मल्लम्मा का किरदार निभाएंगी।

Govt. of Jharkhand
Energy Department
Jharkhand Renewable Energy Development Agency (JREDA)
3rd Floor, S.L.D.C. Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi-834002.
Ph.: 0651-2491161, Fax: 0651-2491165,
E-mail: info@jreda.com;
Website: www.jreda.com

e-Procurement Notice
Tender Reference No.: 15/JREDA/GCRT/SPV/IT/26-27 Dated: 07.08.2026

1	Name of the work	Request for Proposal (RFP) for Selection of Agencies for "Design, Development, Implementation, Hosting and Operationalization of an IoT-Enabled Vender, Asset and Inventory Management System and IT-Based Performance Monitoring & Evaluation Framework along with 05 (Five) Years of Comprehensive Annual Maintenance Contract for Solar Power Projects across the State of Jharkhand.
2	Period of contract	**05 (Five) Years**
3	Time of completion	**06 (Six) Months**
4	Date of publication of NIT on website: http://jharkhandtenders.gov.in	**14.08.2026 (Friday)**
5	Date & time of Pre-bid meeting	**20.08.2026 (Thursday)** at 1.00 P.M.
6	Last date & time for receipt of online bids	**07.09.2026 (Monday)** upto 05:00 PM
7	Submission of original copies of Bid fee &EMD through Online via SBI Payment Gateway of Jharkhand Tenders	**07.09.2026 (Monday)** upto 05:00 PM
8	Technical Bid Opening Date	**09.09.2026 (Wednesday)** at 3.00 P.M.
9	Name & address of office inviting tender	Director, Jharkhand Renewable Energy Development Agency(JREDA) 3rd Floor, SLDC Building, Kusai, Doranda, Ranchi- 834002 (Jharkhand)
10	Contact no. of procurement officer	9570086777
11	Helpline no. of e-procurement	0651-3502645

Any corrigendum/addendum can be seen on website: http:// jharkhand tenders.gov.in_& www. jreda. com. Further details can be seen on website: http://jharkhandtenders.gov.in & www.jreda.com

Sd/-
Director
JREDA, Ranchi

PR 386987 (Energy)26-27*D

रॉकिंग स्टार यश का टॉक्सिक ट्रेलर आउट



मुंबई। यश की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसका हर सीन एक्शन और इमोशन से भरपूर है। इसमें दर्शकों को डायरेक्टर गीतू मोहनदास की बनाई गई जबरदस्त गैंगस्टर की दुनिया की झलक देखने को मिलेगी। 'केजीएफ' फ्रैंचाइजी की सफलता के बाद यश की अगली बड़ी फिल्म से लोगों को बहुत उम्मीदें हैं। ट्रेलर से पता चलता है कि फिल्म का अंदाज डार्क और स्टाइलिश है, जिसमें जबरदस्त एक्शन, रोमांस और गैंगस्टर की कहानी देखने को मिलेगी। फिल्म में एक्टर यश 'राया' और 'रूमी' के डबल रोल में नजर आएंगे। ये दोनों किरदार बिल्कुल अलग-अलग अवतारों में दिखेंगे। फिल्म का ट्रेलर इसके क्राइम ड्रामा वाले माहौल पर फोकस करता है, लेकिन दोनों किरदारों के बीच के बड़े कनेक्शन को राज ही रखता है।

डेटिंग पर तोड़ी चुप्पी, बोलीं अफवाहों पर न करें भरोसा



मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर और भारतीय क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। दोनों के डेटिंग करने की खबरें तेजी से वायरल हो रही थीं। अब मृणाल ठाकुर ने खुद इन खबरों पर प्रतिक्रिया देकर अफवाहों को खारिज कर दिया है। दरअसल, मृणाल और यशस्वी को मुंबई के बांद्रा वेस्ट में एक ही कैफे से बाहर निकलते हुए देखा गया था।

हरिभूमि
epaper : www.haribhoomi.com
क्लासिफाईड
तलाश की नई सुबह
लघु विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 6263818152

Appointment
आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 20000 फील्ड अधिकारी 18000 कंप्यूटर ऑपरेटर 15000 -20000 टेंडर कार्य, मेस सुविधा ,आवास फ्री **संपर्क:- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय:- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर** 7746000016, 7747000016.(आरो-815)

अति शीघ्र आवश्यकता है- Security Guard Post- 60 Salary: 22000 (CTC) 18500 (in hand) PF & ESIC अलग से योग्यताः हाइट- 5.5" वजन- 55 kg योग्यता- दसवीं पास फैसिलिटी- रहने की निःशुल्क व्यवस्था लोकेशनः उरला, रायपुर (छत्तीसगढ़) **पताः मध्य भारत सिक्योरिटी सर्विस सोनकर बाड़ी के पीछे, सुंदर नगर, रायपुर (छ.ग.)** Mob. 9244767619, 9244767686, 6267596471. (आरो-817)

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड, गनमैन, फिल्ड ऑफिसर, सिक्युरिटी सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई। वेतन 8000-20000 **पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जेजे हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर** 9993057964, 8988888691, 9893041578, 8085233213, 7223821623. (आरो-41602)

टीचर

आवश्यकता है- लेडी वाईस प्रिंसीपल, इंचार्ज (फ्रेशर बी.एड.) एवं एकाउंट, मैथ्स, मैनेजमेंट इको, एसएसटी, इंग्लिश पढ़ाने हेतु, डांस, म्यूजीक, स्पोर्ट्स शिक्षक/शिक्षिकाओं, माली की आवश्यकता हैं। साक्षात्कार 13.08.2026 प्रातः 9:30 बजे, **रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल, पानी टंकी के पास खमतराई,** 9826198065, 0771-2252855. (आरो-002)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- स्टेशनरी दुकान में कार्य हेतु लड़के/लड़कियों की समय सुबह 10:30 से रात में 9:00 बजे **लक्ष्मी सेल्स स्टेशनरी गली 1, विनार बार के बाजू जय स्तंभ चौक, रायपुर फोन-** 0771- 4263621, 9685431345. (आरो-814)

आवश्यकता है- किराना दुकान में काम करने हेतु मेहनती लड़को की आवश्यकता हैं। पढ़ाई में बाधा नहीं। आकर्षक वेतन। **सम्पर्क करें- भगत किराना, गोल बाजार, रायपुर, मो.** 7828644611.(आरो-001)

हेल्पर

आवश्यकता है- भैय्या जी ढाबा (हनोदा) में कार्य करने के लिए रसोइया और हेल्पर की जरूरत है। **संपर्क करें-** 7000680424. (आरो-324)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

ड्राइवर

आवश्यकता है- अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता न्यूनतम 10 वर्ष का अनुभव अनिवार्य, वेतन 15,000 प्रतिमाह। समय : सुबह 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक , **संपर्क करें: 9826708233 ,पता: 4/17, दक्षिण गंगोत्री, पोस्ट सुपेला, भिलाई (छ.ग.)** (Ro-SPD/0070)

आवश्यकता है- सुपेला भिलाई मे स्थित ब्रांडेड ऑटो रिक्शा के शोरूम मे इलेक्ट्रिक एवं डीजल ऑटो चलाने हेतु 1 अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है. अनुभवी को प्राथमिकता. **वेतन योग्यतानुसार. मो. -** 7909929991.(आरो -325)

डिजाइनर/हेल्पर

आवश्यकता है- फ्लेक्स प्रिंटिंग के कार्यालय में डिजाइनर,1 फ्लेक्स पेस्टर ,1 मशीन ऑपरेटर ,1 हेल्पर (लेबर) की शीघ्र आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध **सरोना चौक के पास लॉजिस्टिक पार्क रायपुर.** 7869187165. (आरो-4156)

सेल्स एक्जीकेटिव

आवश्यकता है- भर्ती जारी- नरदाहा, रायपुर, प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कम्पनी हेतु जनरल सेल्स एग्जीक्यूटिव, सेल्स एग्जीक्यूटिव एवं ऑफिस बॉय की तत्काल आवश्यकता है। **आकर्षक वेतन, इंसेंटिव, PF, ESIC की सुविधा। इच्छुक उम्मीदवार अपना रिज्यूमे भेजें/ तुरन्त सम्पर्क करें -** 9589000680. (आरो-41584)

क्लासीफाईड

चपरासी/घरेलु कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस में साफ सफाई एवं अन्य कार्य हेतु चपरासी एवं महिला, 1 फुल टाइम को (घर),1 ई-रिक्शा ड्राइवर, फार्महाउस हेतु चौकीदार (सफाईकर्मी) रहने की सुविधा उपलब्ध 7974351591. (आरो-4157)

पंप कर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप में कार्य करने हेतु युवक/युवतियों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता इच्छुक व्यक्ति अपने बायोडाटा सहित **सम्पर्क करे डागा पेट्रोल पंप फाफाडीह चौक स्टेशन रोड रायपुर मो.** 8109135400, 9179380728.(आरो-173)

बांइडर/मार्केटिंग

आवश्यकता है- फुल टाइम/ पार्ट टाइम, बाइंडर जो कि प्रिंटिंग प्रेस में कार्य करने के साथ ही, मार्केटिंग जैसे पेपर लाना तथा बनी हुई सामग्रियों को विभिन्न कार्यालयों में देना, **संपर्क - अजय प्रिंटर्स, रायपुर** 7509921535, 7987377198.(आरो-4778)

पैकिंग कार्य

शीघ्र आवश्यकता है- आयुर्वेदिक क्लीनिक में दवा पैकिंग कार्य हेतु लड़के लड़कियां पुरुष महिलाओं की जरूरत संपर्क करें **डॉक्टर अग्रवाल मोहन नगर थाना के सामने ब्राइट फर्नीचर के पीछे** मो 9827199213.(आरो -4162)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

मैकेनिक

आवश्यकता है- मैकेनिक चाहिए- दो पहिया वर्कशॉप हेतु अनुभवी, निपुण मैकेनिक की आवश्यकता है आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार **संपर्क करे:- शुक्ला जी माँ दुर्गा ऑटोस फाफाडीह रायपुर मोबाइल नंबर:- 9993485550,** 9300697230. (आरो-053)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- रिसर्च बेस आयुर्वेदिक दवाईयों के प्रमोशन हेतु छत्तीसगढ़ के सभी तहसील स्तर मे डाक्टर्स, नर्स, मेडिकल प्रोफेशनल की आवश्यकता है :- सेलरी + कमीशन २००००/- से-५००००/- 91657-33916, 97135-17535. (आरो-418)

शॉपिंग मॉल वर्क

आवश्यकता है- श्री VPS सुपर बाज़ार, VPS किराना , में काम करने हेतु दस अनुभवी कर्मचारी गण चाहिये , अपने संपूर्ण ओरिजनल परिचय पत्र के साथ 1 PM TO 5 PM तक VPS पते में आकर के मिले **पता VPS कल्याण कॉम्प्लेक्स भाठागांव रायपुर छत्तीसगढ़ राज्य** , VPS WHATSAPP **नंबर** 8109 199 199. (आरो-ghos)

कुक/मिस्त्री

आवश्यकता है- रेस्टोरेंट कैफे में काम करने के लिये कुक (मिस्त्री) की आवश्यकता है. अनुभवी कुक जिसके हाथों में स्वाद हो. सैलरी 15000 से 20000, लोकेशन **कुम्हारी चौक.** 8982228900. (आरो-398)

क्लासीफाईड

टेक्नीशियन

आवश्यकता है- लैब टेक्नीशियन की आवश्यकता है। DMLT डिग्री एवं स्वयं की बाइक अनिवार्य (पुरानी बस्ती रायपुर) **संपर्क:-** 9301309323.(आरो-818)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- होलसेल खिलौना दुकान बंजारी चौक गोल बाजार रायपुर में कार्य हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है कम पढ़े लिखे भी संपर्क कर सकते है **संपर्क:-** 8349712577, 9827918086. (आरो-054)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में लड़को/लड़की (फ्रेशर/अनुभवी) की जरूरत है वेतन योग्यता अनुसार: **आशीष शुभम मेडिकोज 41 छत्तीसगढ़ दवा बाजार राजबंधा मैदान रायपुर** 81039 81038. (आरो-230)

घरेलु कार्य/कुक

आवश्यकता है- घरेलू कार्य एवं स्वादिष्ट खाना बनाने के लिए दो महिला की आवश्यकता हैं । (१) समयः सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक , वेतन : रु 10000 प्रतिमाह (२) समयः 24 घंटे (रहकर कार्य करने हेतु) वेतन :रु 15000 प्रतिमाह आयु : 35 से 60 वर्ष तक **स्थानः गुरुद्वारे के पास, नेहरू नगर, भिलाई संपर्क करें:** 9826708233. (Ro-SPD/0069)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

मार्केटिंग

आवश्यकता है- रियल स्टेट हेतु मार्केटिंग कार्य के लिए लड़को(उम्र 18 से 35)की आवश्यकता वेतन योग्यतानुसार + कमीशन, **पता - शंकरनगर, चौपाटी रायपुर (मिले - सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक)** 9098334681. (आरो-209)

Property
प्रापर्टी

बेचना है - रायपुर, तेलीबांधा, अटलांटिस टॉवर (एयरटेल ऑफिस के सामने) प्रथम तल स्थित वेल फर्निश्ड, दो केबिल बना ऑफिस नं.- 105, बिल्टअप एरिया - 757 वर्गफुट है। **संपर्क करें** 9584611627, 7999958176.(आरो-813)

Home Buildup
भवन निर्माण

भवन निर्माण- भवन निर्माण मटेरियल सहित स्ट्रक्चर द्वारा करवाएं। गुणवता की गारंटी 100% (उच्च क्वालिटी) छत माप में मात्र 1099/- प्रति वर्गफीट में करवाने हेतु **सम्पर्क करें-** SRSC **कन्स्ट्रक्शन** 7987135059, 9893796506.(आरो-41597)

हरिभूमि
विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152



आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र मे प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध मे किसी भी प्रकार का कदम उठाने (जैसे भेजने, कोई भी राशि उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध मे किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध मे उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।



जैकेट के शेष

बारिश में निखरी ....

दिनों ओड़िशा समेत छत्तीसगढ़ से पर्यटक पहुंच रहे हैं। इस जलप्रपात की खासियत यह है कि गोल घेराकार तीन दिशाओं से लगभग 15 से 20 फीट उंचाई से दूध के समान सफेद साफ पानी पत्थरों से होकर गिर रही है और यह पानी छत्तीसगढ़ के आमामोरा ओड पहाड़ी से गिर रहा है लेकिन जलप्रपात ओडिशा के सीमा के भीतर है। जब सूरज की किरणें इन जलप्रपात से उठने वाली धुंध पर पड़ती है तो इसकी खूबसूरती देखने लायक रहती है।

सवाल पूछने तक ....

उठाएं, लेकिन सिर्फ सवाल उठाने तक ही सीमित न रहें; उनके समाधान खोजने का साहस भी दिखाएं। उन्होंने कहा कि देश के युवा जितने ज्यादा सशक्त होंगे, पूरा देश उतना ही सशक्त होगा। मोदी ने कहा कि भारत अब हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम कर रहा है; चाहे वह आर्थिक आत्मनिर्भरता हो, तकनीकी आत्मनिर्भरता हो या औद्योगिक आत्मनिर्भरता; यही 'विकसित भारत' की मजबूत नींव है। समारोह से जुड़े गहरे भावनात्मक जुड़ाव को रेखांकित करते हुए, उन्होंने परिसर के जीवंत और सपनों से भरे माहौल का उल्लेख किया। छात्रों और उनके परिवारों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए, मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी डिग्रियां केवल शैक्षणिक सफलता से कहीं ज्यादा हैं; वे देश के प्रति योगदान करने की जिम्मेदारी का प्रतीक हैं।

छात्रों की उम्मीद का किया जिक्र : उन्होंने छात्रों के मन में मौजूद अलग-अलग तरह की उम्मीदों का भी जिक्र किया- जैसे पहली सैलरी पाना, स्टार्टअप शुरू करना या आगे की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करना। उन्होंने कहा, आपको निश्चित रूप से इस शानदार सफर और जिंदगी में एक बिल्कुल नया अध्याय शुरू करने के उत्साह से बहुत संतुष्टि मिल रही होगी। तेजी से बदलते भू-राजनीतिक और रणनीतिक वैश्विक परिदृश्य का जिक्र करते हुए, प्रधानमंत्री ने इन बड़े वैश्विक बदलावों के मुख्य कारण के तौर पर तकनीकी प्रगति की तेज रफ्तार को रेखांकित किया। उन्होंने तेजी से बदलते इस दौर को अभूतपूर्व चुनौतियों और नए बड़े अवसरों के मिले-जुले परिदृश्य के तौर पर पेश किया। उन्होंने कहा, इस तेजी से हो रहे बदलाव के बीच, मेरी बात याद रखना: जो लगातार सीखता रहता है, वही जीतता है।

महत्वपूर्ण उभरते क्षेत्रों पर प्रकाश डाला : भविष्य में तकनीकी दबदबे की सीमाओं को रेखांकित करते हुए, मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा सेंटर, महत्वपूर्ण खनिज, गहरे समुद्र की खोज, क्वांटम कंप्यूटिंग और ऊर्जा सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण उभरते क्षेत्रों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ऐसे कई अत्याधुनिक क्षेत्र आपके जबरदस्त हुनर, आपके साहसी नवोन्मेष और आपके मजबूत नेतृत्व का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। शैक्षणिक संसाधनों को सभी के लिए सुलभ बनाने की पहलों का जिक्र करते हुए, उन्होंने 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। यह कार्यक्रम यह सुनिश्चित करता है कि प्रतिष्ठित वैश्विक शोध पत्रिका बिना किसी अतिरिक्त लागत के सबसे छोटे शहरों में भी उपलब्ध हों।

भारत के 40 ...

की और कहा कि आज भारत में शिक्षा का प्रमाण पत्र का कोई मतलब नहीं है क्योंकि ये आपको नौकरी नहीं दे सकते। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में प्रतियोगी छात्र-छात्राएं कार्यक्रम स्थल पर बारिश का पानी और कीचड़ होने के बावजूद एकत्रित हुए।

झांसेबाजों ने कांकेर ....

मामले में एक महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।पुलिस के अनुसार महिला के पति ने 9 अप्रैल को थाना बांदे में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। महिला 20 मार्च से बिना बताए घर से चली गई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने गुम इंसान कायम कर महिला की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण जानकारी मिली कि गुम महिला मध्यप्रदेश के खंडवा जिले के पंधाना थाना क्षेत्र के आरूड गांव में जितेन्द्र राठौर के घर में मौजूद है। महिला के मध्यप्रदेश में होने की जानकारी मिलने के बाद बांदे पुलिस 5 अगस्त को खंडवा जिले के आरूड पहुंचकर जितेन्द्र राठौर के निवास पर दबिश दी। वहां से पुलिस ने महिला को बरामद कर लिया। इसके बाद उसे सुरक्षित बांदे लाया गया और पूछताछ कर उसका कथन दर्ज किया गया।

मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार : पुलिस ने तीन आरोपियों 40 वर्षीय अनिता पवार पति जगत पवार निवासी बेलगाल, थाना बांदे, 30 वर्षीय जितेन्द्र राठौर पिता उत्तम राठौर, निवासी आरूड, थाना पंधाना, जिला खंडवा (मध्यप्रदेश) तथा जमना लाल भील पिता चिताराम भील, उम्र 41 वर्ष, निवासी आवलिया, थाना छैगांव माखन, जिला खंडवा (मध्यप्रदेश) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

मामले की जाँच ....

की भूमिका किस प्रकार रही और इस तरह की गतिविधियों में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल है या नहीं।

श्मशान में काला ....

सभी आरोपी मरी हुई मछली, नीबू, सिंदूर, नारियल और पूजा की दूसरी सामग्री के साथ पूजापाठ कर काला जादू कर रहे थे। रात में श्मशान घाट में काला जादू करने की जानकारी होने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण श्मशान घाट पहुंचे। ग्रामीणों को देखकर चारों युवक भागने लगे। ग्रामीणों ने दौड़ाकर एक युवक को पकड़ लिया। वहीं अन्य युवक एक बाइक में सवार होकर भाग गए। ग्रामीणों ने तीनों का पीछा किया, किन्तु तीनों भागने में कामयाब हो गए। पुलिस ने श्मशान घाट से पकड़े गए युवक व एक बाइक को पुलिस के हवाले कर दिया है। पकड़ा गया युवक दयालबंद जगमल चौक निवासी ऋषिराज रघुवंशी है।पूछताछ में उसने फरार एक युवक का नाम ओम बोले बताया है। वहीं अन्य दो युवकों को नहीं पहचानने की बात कह रहा है।

ब्लैक पेपर और ....

उनके पिता के मोबाइल पर तेरस राम महिपाल नामक व्यक्ति का फोन आया। उसने स्वयं को केमिकल एक्सपर्ट बताते हुए दावा किया कि उसके पास ऐसा काला कागज है जिसे विशेष केमिकल की मदद से असली भारतीय मुद्रा में बदला जा सकता है। साहिल कुमार को 50 हजार में 2.50 लाख रुपए मूल्य का नोट बनाने काला कागज और केमिकल देने का लालच दिया। उसकी बातों में आकर साहिल 6 अगस्त को गोविदा पुल के पास पहुंचा, जहां तेरस महिपाल के साथ शिव प्रसाद मनहर और रामरतन साहू भी मौजूद थे। तीनों द्वारा काले कागज के बदले 50 हजार नगद मांगा जा रहा था, ठगी का संदेह होने पर साहिल ने पूछताछ की तो तीनों वंहा से भाग गए। साहिल ने नवागढ़ थाने में मामले की शिकायत की। उसकी रिपोर्ट पर धारा 318 (2) एवं 61(2) भारतीय न्याय संहिता का मामला दर्ज कर पुलिस ने विवेचना शुरू की। सायबर टीम की मदद से तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने बिर्रा थाना क्षेत्र के तालदेवरी निवासी 34 वर्षीय तेरस राम महिपाल, जैजैपुर थाना क्षेत्र के करौबाडीह निवासी 35 वर्षीय रामरतन साहू और 36 वर्षीय शिव प्रसाद मनहर को पकड़ लिया। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

पहले भी पकड़ा ....

और रामरतन साहू के साथ मिलकर ठगी करने नया गिरोह बनाया था। आरोपियों द्वारा सोशल मीडिया और कॉल के जरिए लोगों को संपर्क कर ठगी की जा रही थी। आरोपियों के कब्जे से प्लास्टिक डिब्बे में भरा सफेद केमिकल पाउडर और काले रंग का केमिकल लगा हुआ नोट जैसा दिखने वाला कागज बरामद किया गया है।

पेज एक के शेष

700 शिक्षकों के तबादले...

हुए समन्वय से संख्या कम करने के निर्देश दिए गए और करीब 1,000 की संशोधित सूची तैयार की गई। अंतिम परीक्षण में भी निर्धारित मापदंडों के अनुरूप नहीं पाए गए करीब 400 नामों को सूची से बाहर कर दिया गया। इसके बाद शेष 700 शिक्षकों के स्थानांतरण आदेश जारी किए गए हैं।

इन मामलों में नहीं हुआ...

प्रकरण तथा अधिक छात्र संख्या वाले विद्यालयों में पदस्थ शिक्षकों के मामलों का परीक्षण करते हुए उन्हें अंतिम सूची में शामिल नहीं किया गया। विभाग का मानना है कि किसी शिक्षक के स्थानांतरण के कारण विद्यालय में शिक्षकों की कमी नहीं होनी चाहिए और विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

हाईकोर्ट में कल से नया...

पुनरीक्षण, ट्रांसफर याचिका और अन्य विशेष मामलों की सुनवाई होगी। इसके अलावा अलग-अलग सिंगल बेंच को सर्विस रिट, सिविल रिवीजन, मोटर व्हीकल एक्ट से जुड़े मामले, आपराधिक अपील, दूसरी अपील और अन्य मामलों की जिम्मेदारी दी गई है। रोस्टर में स्पष्ट किया गया है कि कुछ सिंगल बेंच में दोपहर 2:15 बजे से या संबंधित डिविजन बेंच की सूची पूरी होने के बाद निर्धारित मामलों की सुनवाई होगी चीफ जस्टिस ने गत 4 अगस्त 2026 को नया रोस्टर जारी किया है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया की वायुसेना ने लिया युद्धाभ्यास में हिस्सा

हरिभूमि न्यूज: नई दिल्ली।

दुनिया के कई भागों में चल रहे सैन्य संघर्षों के चिंताजनक दौर में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुआ पिच ब्लैक युद्धाभ्यास-2026 सफलता के साथ संपन्न हो गया है।

इस वर्ष इसका आयोजन ऑस्ट्रेलिया में किया गया था। इसमें भारत समेत दुनिया के करीब 20 देशों के 100 से ज्यादा विमान और 4 हजार से अधिक सैन्यकर्मी युद्धाभ्यास का हिस्सा बने।

पूरा हुआ मिशन: वायुसेना

वायुसेना ने अपनी पोस्ट में मिशन पूरा, आकाश पर काबू और साझेदारियां मजबूत जैसे तीन खास छोटे वाक्यों का प्रयोग किया है। साथ ही यह भी बताया कि युद्धाभ्यास के दौरान प्रत्येक मिशन, संपर्क की मदद से रणनीतियों, प्रक्रियाओं और पेशेवर उत्कृष्टताओं में पारस्परिक रूप से लाभ मिला है। पूरी कवायद में वायुसेना ने तमाम साझेदार देशों की वायुसेनाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बहुराष्ट्रीय हवाई अभियानों का बखूबी संचालन किया।

भारत से हुई राफेल की गर्जना

गौरतलब है कि पिच ब्लैक एक द्विवार्षिक युद्धाभ्यास है। इसका आयोजन हर दो साल में एक बार किया जाता है। भारत से इसमें भागीदारी करने के लिए साढ़े चार पीढ़ी का उन्नत बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान राफेल ऑस्ट्रेलिया गया था। इसके अलावा नई दिल्ली से वायुकर्मियों के दस्ते को ऑस्ट्रेलिया पहुंचाने के लिए विशालकाय सी-17 परिवहन विमान का इस्तेमाल किया गया था।

आतंकवाद संग पाक के साथ सामान्य नहीं होंगे संबंध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली



जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकवादी हमले को कुल करीब 8 साल का वक्त बीत चुका है लेकिन आज तक भारत और पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों में आई खटास पूरी तरह से दूर नहीं हुई है। इस तथ्य की पुष्टि विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने बीते दिनों संसद में की है। जिसमें उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध सीमापार आतंकवाद, शत्रुता और हिंसा रहित माहौल में ही पूरी तरह से सामान्य होने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। इस मामले में भारत का यही मजबूत पक्ष है। जो आज भी बरकरार है।

लोकसभा में हंगामे के बीच विदेश मंत्रालय के कुछ मौखिक प्रश्नों के जवाब सदन के पटल पर रखते हुए उनकी ओर से दी गई यह जानकारी दी गई है। जिसमें उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान न केवल लगातार सीमापार आतंकवाद की नीति पर चलता रहा है बल्कि वह इसे भारत के खिलाफ अपनी राज्य नीति के एक हथियार के रूप में भी इस्तेमाल करता रहा है। बताते चलें कि 14 फरवरी 2019 को हुए पुलवामा आतंकी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कुल 40 जवान शहीद हो गए थे। जिसके जवाब में भारत ने 26 फरवरी को नियंत्रण रेखा पार कर बालाकोट एयरस्ट्राइक की थी। जिसमें भारतीय वायुसेना के जंगी विमानों ने पीओके और पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया था।

औपचारिकताओं में चलते संबंध

जयशंकर ने यह भी बताया कि वर्तमान में दोनों देशों की राजधानियों में कूटनीतिक मिशन की मौजूदगी बनी हुई है। जिसमें दोनों पक्षों के बीच सिर्फ कामकाजी गतिविधियां ही जारी हैं। सैन्य अभियान महानिदेशकों के स्तर की बातचीत यानी डीजीएमओ, बैलिस्टिक मिसाइलों के परीक्षणों से पहले किया जाने वाला अधिसूचनाओं का आदान-प्रदान, परमाणु प्रतिष्ठानों और एक-दूसरे के देश में मौजूद कैदियों की सूची को आपस में बांटा जाना गतिविधियों का हिस्सा है।

पश्चिम मध्य रेल
खुली निविदा,
शाखा विद्युत (परियोजना)

एनआईटी नंबर–जबलपुर–प्रोजेक्ट ई.पी.सी.–2025–01 आर उप मुख्य विद्युत अभियता (परियोजना) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑन–लाइन के माध्यम से प्रतिष्ठित और अनुभवी ठेकेदारों से ई–निविदाएं (ईपीसी मोड), आमंत्रित करते है। इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और प्राप्त ऐसे किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। **निविदा क्रमांक** : जबलपुर–प्रोजेक्ट ई.पी.सी –2025–01आर, दिनांक 04.08.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल के इटारसी (छोडकर) श्रीधाम (सहित) खंड के बीच (बिना स्काडा के 132 के.वी./55 केवी स्कॉट से जुड़े ट्रैक्शन सब स्टेशन और स्विचिंग पोस्टों और फीडिंग के बीच एटी के साथ डिजाइन/संशोधन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण चालू करना। यह कार्य 3000 मीट्रिक टन लोडिंग लक्ष्य को पूरा करने के लिए पश्चिम मध्य रेलवे के 1x25 के.वी. से 2x25 के. वी. ट्रैक्शन सिस्टम तक इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम के उन्नयन के संबंध में किया जाना है।, **निविदा का अनुमानित मूल्य (रूपए में)** : रु. 206.72.56.267/–, **निविदा फार्म की कीमत** : निल, **कार्यालय का पता** : उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (प्रोजेक्ट), पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर ग्राउंड फ्लोर, मुख्य परियोजना प्रबंधक (प्रोजेक्ट), कार्यालय, रेलवे स्टेडियम के बाजू में जबलपुर (म.प्र.) 482001, **बिड सिक्यूरिटी (रूपए में)** : रूपए 4,13,46,000/– **समापन अवधि** : 18 माह, **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय** : दिनांक 04.09.2026, (11:00 बजे तक), **निविदा खुलने की तिथि एवं समय** : दिनांक 11.09.2026, (11:00 बजे) निविदा सूचना की संपूर्ण जानकारी रेलवे वेब साइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है तथा उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (प्रोजेक्ट) के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।

(हस्ता.)
उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (प्रोजेक्ट)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर
नगर पालिक निगम नवीन मुख्यालय भवन, गांधी चौक, रायपुर
फोन.नं- 0771-2535780, 90, फैक्स : 0771-2227395; ई-मेल: dc_rmc@rediffmail.com

क्रमांक/1/315863/2026/PMAY-HFA रायपुर, दिनांक: 07/08/2026

प्रेस विज्ञप्ति

नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के घटक भागीदारी में किफायती आवास (ए. एच.पी.) अंतर्गत निर्मित होने वाले नॉन स्लम परियोजनाओं में विज्ञापन क्रमांक 01/2026 दिनांक 30.06.2026 जारी कर कुल 13 स्थलो के लिए 2616 मकानो के आबंटन हेतु ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किया गया था। ऑनलाईन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 15.07.2026 सायं 5.30 बजे तक कुल 5841 आवेदन प्राप्त हुये है । जारी विज्ञापन अनुसार प्रारंभिक पात्र / अपात्र आवेदनो की सूची का प्रकाशन दिनांक 20.07.2026 तक किया जाना था। विज्ञापित आवासो से अधिक आवेदन प्राप्त होने के कारण वर्तमान में निम्नानुसार 02 परियोजनाओं की प्रारंभिक पात्र / अपात्र सूची, नगर पालिक निगम, रायपुर की वेबसाईट लिंक https://nagarnigamprojects.in/PMAY /site/index में तथा नगर पालिक निगम रायपुर मुख्यालय के भूतल पर स्थित सूचना पटल में जनसामान्य के अवलोकन हेतु चस्पा कर प्रकाशित की गयी है।

प्रारंभिक सूची का प्रकाशन किये गये 02 परियोजनाओ से संबंधित जानकारी निम्नानुसार है:-

सं. क्र.	परियोजना का नाम / परियोजना स्थल में आबंटन हेतु उपलब्ध आवास	प्राप्त आवेदन	पात्र	अपात्र	दावा-आपत्ति जमा करने की अंतिम तिथि
1	56 Dus Near Anantra Homes, Boriya Khurd / (56)	470	219	251	13.08.2026
2	80 Dus Near Vedanta City, Heerapur/ (80)	627	250	377	17.08.2026

उक्त परियोजनाओ के समस्त आवेदनकर्ताओ को सूचित किया जाता है कि, अपनी पात्रता संबंधी विस्तृत जानकारी, नगर पालिक निगम, रायपुर के उपरोक्त उल्लेखित लिंक में जाकर अपने पंजीकृत मोबाईल नम्बर का उपयोग करते हुवे 'आवेदक लॉगिन करें' में, लॉगिन कर प्राप्त कर सकते है।

इसके साथ ही वेबसाईट में उक्त जारी सूची में किसी भी प्रकार के दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु नगर पालिक निगम, रायपुर मुख्यालय के भूतल में स्थित Reception Counter / पूछताछ केन्द्र में लिखित रूप से अपनी दावा-आपत्ति, निर्धारित तिथि तक (कार्यालयीन दिवस) कार्यालयीन समय प्रातः 10:00 से सायं 05:30 बजे तक उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात किसी भी प्रकार के दावा-आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा । शेष परियोजनाओ हेतु पृथक से पत्र एवं सूची जारी की जावेगी।

अपर आयुक्त
प्रधानमंत्री आवास योजना
नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें

कार्यालय, कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग डिण्डौरी, जिला डिण्डौरी (म.प्र.)

नि.आ.सू. क्रमांक/08/ व.ले.लि. / 2026-27 डिण्डौरी दिनांक 06.08.2026

ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा केन्द्रीयकृत लो.नि.वि. में पंजीकृत समस्त निविदाकारों को सूचित किया जाता है कि लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी जिला डिण्डौरी के अंतर्गत निम्नलिखित कार्यों की ऑन लाईन निविदा पोर्टल https://www.mptenders.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की गई है। कार्यो का विस्तृत विवरण बेबसाईट पर देखा जा सकता है :-

ई-टेंडर नम्बर	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	निविदा खोले जाने का स्थान
2026_PWDRB 527502	राई- मालपुर- डुंगरिया मार्ग लंबाई 14.60 किमी. का विशेष मजबूतीकरण कार्य (चतुर्थ आमंत्रण)।	490.01	490100.00	15000.00	10 माह वर्षाऋतु सहित	कार्या. मुख्य अभियंता लो.नि.वि. परिक्षेत्र जबलपुर (म.प्र.)
2026_PWDRB 527512	जिला चिकित्सालय परिसर डिण्डौरी में जन औषधि केन्द्र का निर्माण विद्युतीकरण सहित (प्रथम आमंत्रण ।	8.93	17900.00	2000.00	05 माह वर्षाऋतु सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी

निविदा की तिथि एवं शर्तें :-
(1) ऑनलाईन निविदा प्रपत्र खरीदने की तिथि 06.08.2026 से 19.08.2026 सायं 5:30 बजे तक है।
(2) ऑनलाईन बिड सबमिट करने की अंतिम तिथि 19.08.2026 सायं 5:30 बजे तक है।
(3) टेण्डर डाक्यूमेंट, (e-EMD) तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज केवल ऑनलाईन ही सबमिट किये जायेंगे । निविदा दिनांक 21.08.2026 से खोली जावेगी।
(4) संशोधन या शुद्धिपत्र सिर्फ वेबसाईट में अपलोड किये जावेंगे।
(5) निविदा प्रपत्र वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर भुगतान उपरांत प्राप्त हो सकेंगे । अतिरिक्त जानकारी वेबसाईट पर टेण्डर डाक्यूमेंट में देखी जा सकती है।

(मोहपत सिंह धुर्वे)
कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी

G-16877/26

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (जोन क्र-02)
निविदा आमंत्रण सूचना

क्र./1181/न.पा.नि./जोन क्र.-02/2026 तिफरा, दिनांक 08.08.2026
नगर पालिक निगम बिलासपुर जोन क्रमांक 02 क्षेत्रान्तर्गत 78 प्लेसमेंट कर्मचारी प्रदाय कार्य हेतु जेम पोर्टल के माध्यम से निविदा आमंत्रित किया गया है, विवरण निम्नानुसार है :–

Gem Bid No. & Date	कार्य का नाम	स्वी. राशि (लाख में)	अमानत राशि (लाख रु. में)
GEM/2026/B/7894552 Date-08-08-2026	जोन क्रमांक 02, नगर पालिक निगम बिलासपुर हेतु विभिन्न श्रेणी में कुल 78 प्लेसमेंट कर्मचारी अपूर्ति/प्रदाय कार्य।	130.43	1,30,500

निविदा की सामान्य शर्तें, अमानत राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://gem.gov.in में डाउनलोड/देखी जा सकती है।

सम्पत्तिकर दुकान किराया एवं पानी बिल का भुगतान ऑनलाईन nigambilaspur.com/ptis पर किया जाता है

कार्यपालन अभियंता
जोन क्रमांक–02
न.पा.नि. बिलासपुर (छ.ग.)

homefirst We'll take you home

Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703, Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

परिशिष्ट-IV-A [नियम 8 (6) के परंतुक देखें]
अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8 (6) के परंतुक के अधीन अचल परिसंपत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी बिक्री सूचना।

एतद्वारा आम जनता और विशेष रूप से कॉलम (ii) में वर्णित ऋणधारक(ओं) और सह-ऋणधारक(ओं) को सूचित किया जाता है कि कॉलम (iii) में वर्णित नीचे वर्णित अचल संपत्तियां सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी/बंधक हैं, जिनका भौतिक कब्जा होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे दिए गए विवरण के अनुसार देय राशि और ब्याज की वसूली के लिए ले लिया गया है, और चूंकि देय राशि का भुगतान करने में विफल रहने के परिणामस्वरूप, उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी उक्त संपत्ति/संपत्तियों की बिक्री द्वारा देय राशि की वसूली का प्रस्ताव करता है और इसे ' 'जैसा है जहां है' ', ' 'जैसा है वैसा ही' ' और ' 'जो कुछ भी है' ' के आधार पर बेचा जाएगा, जैसा कि वर्णित है। इसके अंतर्गत, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को कॉलम (i) के अनुसार उधारकर्ता (ओं) और सह-उधारकर्ता (ओं) से देय राशि की वसूली के लिए नीलामी ' 'ऑनलाइन' ' आयोजित की जाएगी।

क्र सं.	ऋणधारक(ओं) एवं सह-ऋणधारक(ओं) के नाम	संपत्ति का पता	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना राशि	कब्जे की तिथि	आरक्षित मूल्य	ईएमडी राशि	नीलामी की तिथि और समय	ईएमडी और दस्तावेज़ जमा करने की अंतिम तिथि और समय	अधिकृत अधिकारी का नंबर
1.	परमानंद खटारकर, रक्षा	फ्लैट-रा.वि.प्रा. इंद्रप्रस्थ योजना-1, फ्लैट नंबर 304, दूसरी मंज़िल, प.ह.नं. 104/57, फ्लैट नंबर बी-304, दूसरी मंज़िल, क्षेत्रफल-290 वर्ग फ़ीट, खसरा नंबर 125, 128/1, 128/3 का भाग, श्यामा प्रसाद मुखर्जी आवास योजना के रायपुर विकास प्राधिकरण (रा.वि.प्रा.) में स्थित, मौजा रायपुर, माधव राव सप्रे वार्ड, वार्ड नंबर 68, प.ह.नं. 104/57, आर.आई.सी. 1, तहसील व ज़िला रायपुर, छत्तीसगढ़-492001। चौहद्दी: उत्तर-सीढ़ियाँ, दक्षिण - फ्लैट नंबर 303, पूर्व - सड़क, पश्चिम - खुला प्लॉट।	04-07-2025	4,96,360	20-07-2026	2,10,250	21,025	08-09-2026 (11am-2pm)	06-09-2026 (upto 5pm)	9822890334

ई-नीलामी सेवा प्रदाता	ई-नीलामी वेबसाइट/जानकारी और अन्य शर्तों के लिए:	ईएमडी / अन्य राशि जमा करने हेतु खाता नंबर	शाखा आईएफएससी कोड:	लाभार्थी का नाम
कंपनी का नाम: ई- प्रोक्यूरमेंट टेक्नालॉजीस लिमि. (ऑक्शन टाईगर) हेल्पलाइन नंबर: 079-35022160/149/182 संपर्क व्यक्ति: राम शर्मा - 8000023297 ईमेल आईडी: ramprasad@auctiontiger.net और support@auctiontiger.net	http://www.homefirstindia.com https://homefirst.auctiontiger.net	911020005835824- होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड एक्सिस बैंक लिमिटेड बैंगलौर के टी	UTIB0000009	अधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फायनेंस कम्पनी इंडिया लिमिटेड

बोली वृद्धि राशि 10,000/- रुपये है। यह बिक्री अधोहस्ताक्षरी द्वारा वेब पोर्टल (https://homefirst.auctiontiger.net) पर उपलब्ध कराए गए ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जाएगी। ऑनलाइन ई-नीलामी बोली प्रपत्र, घोषणापत्र और ऑनलाइन नीलामी बिक्री के सामान्य नियम एवं शर्तें युक्त ई-नीलामी निविदा दस्तावेज पोर्टल साइट पर उपलब्ध हैं। अधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान और जानकारी के अनुसार, संपत्तियों पर कोई भार नहीं है। हालांकि, इच्छुक बोलीदाताओं को अपनी बोली जमा करने से पहले, संपत्ति पर भार, नीलामी के लिए रखी गई संपत्ति/संपत्तियों के स्वामित्व और संपत्ति को प्रभावित करने वाले दावों/अधिकारों/देयताओं के संबंध में स्वयं स्वतंत्र जांच कर लेनी चाहिए। ई-नीलामी विज्ञापन होम फर्स्ट की ओर से कोई प्रतिबद्धता या प्रतिनिधित्व नहीं है और न ही इसे ऐसा माना जाएगा। संपत्ति होम फर्स्ट को ज्ञात या अज्ञात सभी मौजूदा और भविष्य के भारों के साथ बेची जा रही है। अधिकृत अधिकारी/सुरक्षित लेनदार किसी भी तृतीय-पक्ष के दावों/अधिकारों/देयताओं के लिए किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होंगे। यह बिक्री प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत निर्धारित नियमों/शर्तों के अधीन होगी। **किसी भी विसंगति की स्थिति में, सूचना का अंग्रेजी संस्करण प्रामाणिक माना जाएगा।**

सरफेसी अधिनियम, 2002 के अंतर्गत वैधानिक 30 दिन की बिक्री सूचना

ऋणधारक/जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि वे मांग नोटिस में उल्लिखित राशि का भुगतान, अद्यतन ब्याज और अन्य संबंधित खर्चों सहित, ई-नीलामी की तिथि से पहले कर दें। ऐसा न करने पर संपत्ति की नीलामी/बिक्री कर दी जाएगी और यदि कोई बकाया राशि हो तो उसे ब्याज और लागत सहित वसूल किया जाएगा।

दिनांक: 09-08-2026 स्थान: रायपुर

हस्ताक्षरकर्ता /- अधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

राशिफल

मेष मन में नकारात्मक विचारों से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। माता का सानिध्य मिलेगा।

वृष व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। संगीत में रुचि हो सकती है।

मिथुन भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अनियोजित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

कर्क क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह नौकरी में तरक्की के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्रा पर जाना हो सकता है। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

कन्या धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार का विस्तार हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

तुला व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। धन की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। माता से धन की प्राप्ति हो सकती है।

धनु पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर आलस्य की अध

फर्नांडीज का शानदार प्रदर्शन, तोड़ा हार का सिलसिला, अंतिम 16 में एंट्री

कैनेडियन ओपन : लैला ने पांचवीं वरियता प्राप्त मीरा आंद्रीवा को दी मात

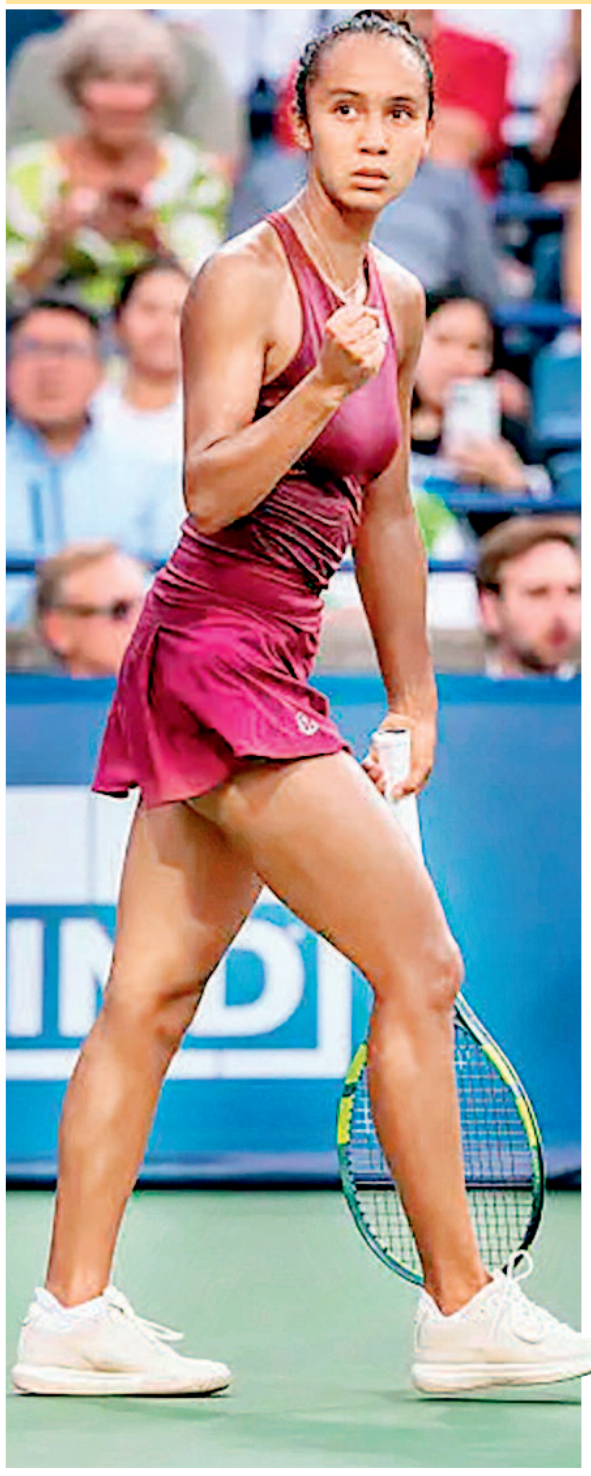

एजेंसी ▶▶| मॉन्ट्रियल

यूएस ओपन 2021 के फाइनल तक का सफर तय करने वालीं कनाडा की टेनिस खिलाड़ी लैला फर्नांडीज ने कैनेडियन ओपन के महिला एकल मुकाबले के तीसरे दौर में रूस की मीरा आंद्रीवा को हराया। मीरा आंद्रीवा इस साल फ्रेंच ओपन (रोलैंड गैरोस) की चैंपियन रही हैं। इस जीत के साथ फर्नांडीज ने दुनिया की टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ लगातार 7 हार का सिलसिला भी खत्म कर दिया। फर्नांडीज ने पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रीवा के खिलाफ मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए हार का सिलसिला तोड़ा और अपने देश के इस खास टूर्नामेंट में अपने अब तक के सबसे अच्छे नतीजे की बराबरी की। इस जीत के साथ ही 30वीं रैंकिंग वाली फर्नांडीज अब राउंड ऑफ 16 में पूर्व यूएस ओपन विजेता और जापान की खिलाड़ी नाओमी ओसाका से भिड़ेंगी।

मेरे लिए सबसे जरूरी था सकारात्मक रहना : फर्नांडीज

फर्नांडीज ने कहा, मेरे लिए सबसे जरूरी था सकारात्मक रहना, मजबूत बने रहना और सब्र रखना। मुझे पता था कि वह आसानी से प्वाइंट नहीं देने वाली थीं। शुरुआत में कई लंबी रैलियां हुईं और मेरे लिए महत्वपूर्ण था कि मैं डटी रहूं, अपनी काबिलियत पर भरोसा रखूं और पूरे मैच के दौरान अपना गेम खेलती रहूं। फर्नांडीज ने कहा, मैं खुद से कह रही थी कि बस गेंद को वापस कोर्ट में डालना है। मैंने लगातार अच्छा खेलने और एक के बाद एक शॉट लगाने की काफी प्रैक्टिस की है, और ऐसी रैलियां खेलने की कोशिश की है जिनमें हममें से कोई भी गलती न करे। मैं हमेशा इसी सोच पर वापस आती हूं। मुझे पता है कि मैं ऐसा कर सकती हूं।

आंद्रीवा के खिलाफ आसानी से बढ़त बनाई

फर्नांडीज ने खराब फॉर्म से जूझ रही आंद्रीवा के खिलाफ 6-1, 5-1 तक आसानी से बढ़त बनाए रखी, लेकिन फिर 20 साल की आंद्रीवा ने वापसी की और आठवें गेम में 0-30 से पिछड़ने के बावजूद गेम अपने नाम किया और स्कोर 5-4 कर दिया। हालांकि 5-4 के स्कोर पर फर्नांडीज की सर्विस के दौरान 0-15 पर फोरहैंड शॉट चूकना निर्णायक साबित हुआ और 30वीं सीड फर्नांडीज ने तीन प्वाइंट बाद जीत पक्की कर ली। मैच के आंकड़े बाएं हाथ की खिलाड़ी की रणनीति के हिसाब से रहे। आंद्रीवा ने पहले सेट में 19 और पूरे मैच में 34 अनफोर्स्ड एरर (बिना दबाव के गलतियां) किए, जो उनके 17 विनर्स से दोगुने थे। वहीं, फर्नांडीज का खेल सधा हुआ था। उन्होंने आठ विनर्स लगाए और सात अनफोर्स्ड एरर किए।



अभ्यास मैच : श्रीलंका इलेवन ने पहली पारी 363 रन बनाकर की पारी घोषित

पडिक्कल के शतक से भारत का पलटवार, पंत-जायसवाल फ्लॉप

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

टीम इंडिया के श्रीलंका दौरे पर होने वाले अभ्यास मैच के पहले दिन भारतीय गेंदबाज, जहां बैकफुट पर नजर आए, वहीं दूसरे दिन बड़े-बड़े बैटर्स तो नहीं चले, लेकिन देवदत्त पडिक्कल का बल्ला जरूर गरजा।

भारत के लिए इंजर्ड रहने वाले शुभमन गिल बैटिंग करने नहीं आए तो साई सुदर्शन भी इंजरी के चलते बैटिंग नहीं कर सके। जबकि जायसवाल, पंत और जुरेल कुछ खास नहीं कर सके। हालांकि, साई की जगह नंबर तीन पर खेलने वाले पडिक्कल ने शतकीय (142 रन) पारी खेली, जिससे भारत ने तीन दिवसीय मैच के दूसरे दिन के अंत तक 8 विकेट पर 357 रन बनाए और श्रीलंका क्रिकेट इलेवन की टीम ने पहले दिन पहली पारी में 363 रन बनाए थे। अब ये अभ्यास मैच ड्रॉ की तरफ बढ़ता नजर आ रहा है और तीसरे दिन भारतीय गेंदबाज फिर से अपना जलवा दिखाना चाहेंगे।



पडिक्कल ने खेली शानदार पारी

पहले दिन श्रीलंका ने 8आठ विकेट पर 363 रन बनाए और इसके बाद दूसरे दिन फिर श्रीलंका ने पारी घोषित कर दी, जिसके चलते श्रीलंका क्रिकेट इलेवन की टीम ने पहली पारी में 363 रन ही बनाए। इसके बाद भारत के लिए ओपनिंग करने आए यशस्वी जायसवाल कुछ खास नहीं कर सके और सिर्फ दो गेंद में शून्य पर चलते बने। जायसवाल के बाद हालांकि केएल राहुल और देवदत्त पडिक्कल के बीच दूसरे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी हुई। तभी राहुल 67 गेंद में 5 चौके और एक छक्के से 40 रन बनाकर चलते बने।

सुदर्शन श्रीलंका दौरे से बाहर

श्रीलंका के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले शनिवार को भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा। टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज साई सुदर्शन पैर के अंगूठे में लगी चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए। साई को स्क्वाड में चुना गया था, लेकिन साथ में जानकारी दी गई थी कि फिट होने पर ही वह खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। साई सुदर्शन चोट के कारण भारतीय टीम के साथ श्रीलंका नहीं गए थे। बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे थे। साई को भारत ए के श्रीलंका दौरे पर चोट लगी थी।

जडेजा और गुरनूर ने भी खोले हाथ

96 पर भारत का दूसरा विकेट गिरा तो रवींद्र जडेजा ने मोर्चा संभाला और पडिक्कल ने भी जमकर शॉट्स लगाए। साई सुदर्शन के इंजर्ड होने पर नंबर तीन पर खेलने वाले पडिक्कल ने 121 गेंद में 14 चौके से 103 रन की शतकीय पारी खेली और बाकी बल्लेबाजों को मौका देने के चलते रिटायर्ड आउट होकर मैदान से बाहर चले गए। जबकि जडेजा भी 63 रन बनाकर बिना आउट हुए मैदान से बाहर चले गए थे। इसके बाद लेकिन ऋषभ पंत (2), ध्रुव जुरेल (1) कुछ खास नहीं कर सके, तो मानव सुथार ने 41 रन की पारी खेली। भारत के एक समय 256 पर 8 विकेट गिर गए थे, तो फिर से पडिक्कल मैदान में आ गए और उन्होंने 103 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। इसके बाद अंत में गुरनूर बरार बैटिंग करने आए और उन्होंने दिन के आखिरी ओवर में लगातार चार छक्के उड़ा दिए,जिससे भारत ने दूसरे दिन के अंत तक आठ विकेट पर 357 रन बनाए और 18 गेंद में 36 रन बनाकर बरार, तो 142 रन बनाकर पडिक्कल नाबाद रहे। इस तरह टीम इंडिया दूसरे दिन के अंत तक श्रीलंका क्रिकेट इलेवन से पहली पारी के आधार पर सिर्फ छह रन ही पीछे रही।

खबर संक्षेप



डेविस कप : दक्षिण कोरिया से क्वालीफायर खेलेगा भारत

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया 18 और 19 सितंबर को भारत के खिलाफ डेविस कप दूसरे दौर के क्वालीफायर की मेजबानी करेगा। भारत इस समय डेविस कप रैंकिंग में 19वें और कोरिया 16वें स्थान पर है। कोरिया का भारत के खिलाफ जीत हार का रिकॉर्ड 6-5 का है। भारतीय टीम का चयन 10 अगस्त को किया जाएगा। दोनों टीमों के बीच पिछला मुकाबला एक दशक पहले हुआ था जब भारत ने चंडीगढ में एशिया ओशियाना ग्रुप एक के मुकाबले में 4-1 से जीत दर्ज की थी। दूसरे दौर में विजयी रहने वाली टीम नवंबर में होने वाले अंतिम आठ मुकाबले में जगह बनाएगी। कोरिया 2022 और 2023 में 16 टीमों के डेविस कप फाइनल में पहुंच चुका है।

1 करोड़ हुई लद्दाख मैराथन की पुरस्कार राशि



लेह। लद्दाख मैराथन की पुरस्कार राशि 1 करोड़ रुपए कर दी गई है। आयोजकों ने यह घोषणा की। लद्दाख मैराथन 10 से 13 सितंबर तक आयोजित की जाएगी और इसमें लगभग 10000 धावकों के भाग लेने की संभावना है। आयोजकों ने कहा, 'इस वर्ष इस प्रतियोगिता में भारत के 28 राज्यों और छह केंद्र शासित प्रदेशों के धावक भाग लेंगे। इसके अलावा दुनिया भर के धावक भी इसमें अपने-अपने देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।' केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रशासनिक सचिव संजीत रोड्रिग्स ने कहा, 'केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल ने पुरस्कार राशि को बढ़ाकर एक करोड़ रुपए करने का फैसला किया है।

अष्मिता ने फाइनल में बनाई जगह

कोरिया मास्टर्स : सेमीफाइनल में हमवतन रक्षिता को हराया

एजेंसी ▶▶| आसन

अष्मिता चालिहा ने कोरिया मास्टर्स सुपर 300 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए हमवतन रक्षिता श्री संतोष रामराज को 21-13, 16-21, 21-13 से हराकर पहली बार बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल में प्रवेश कर लिया। तीन महीने चोट के कारण कोर्ट से बाहर रही 26 वर्ष की चालिहा मकाउ ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंची थी। क्वार्टर फाइनल में दुनिया की 22वें नंबर की खिलाड़ी जापान की हिना अकेची को हराकर वह सेमीफाइनल में पहुंची थी। रक्षिता ने क्वार्टर फाइनल में तन्वी शर्मा को हराया था। विश्व रैंकिंग में 50वें स्थान पर काबिज चालिहा अब खिताब के लिए चीन की हान कियान शी से भिड़ेंगी।

■ खिताब के लिए कियान शी से भिड़ेंगी चालिहा



चालिहा ने की आक्रामक शुरुआत

चालिहा ने आक्रामक शुरुआत की और पहले ही गेम में 6-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने लगातार पांच अंक हासिल कर 13-6 की बढ़त बना ली और फिर यह गेम अपने नाम करने में देर नहीं लगाई। रक्षिता ने हालांकि दूसरे गेम में बहुत अच्छी वापसी की। उन्होंने इस गेम में शुरू से लेकर आखिर तक बढ़त बनाए रखी और मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। चालिहा ने तीसरे गेम में शानदार शुरुआत की और अपने करारे स्मैश के दम पर जल्दी ही 9-1 की बढ़त बना ली। इस बीच रक्षिता ने कुछ गलतियां की, जिसका चालिहा ने पूरा फायदा उठाया। हैदराबाद की रहने वाली रक्षिता ने स्कोर का अंतर 7-12 तक कर दिया, जिसके बाद चालिहा ने फिर से अपनी लय हासिल करके स्कोर 15-7 कर दिया। चालिहा ने इसके बाद नौ मैच प्वाइंट हासिल किए और दो मौके गंवाने के बाद मैच अपने नाम कर दिया।

फ्लिंटाफ ने छोड़ा इंग्लैंड लायंस के कोच का पद

लंदन। पूर्व हरफनमौला एंड्रयू फ्लिंटाफ ने इंग्लैंड लायंस के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है। फ्लिंटाफ ने सितंबर 2024 में यह पद संभाला था। उन्होंने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के जारी बयान में कहा ,' मैंने लायंस के साथ अपने पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है।' उन्होंने कहा,' मैंने देश के सर्वश्रेष्ठ युवा क्रिकेटरों के साथ काम करने का पूरा मजा लिया और उन्हें आगे बढ़ते देखने में गर्व महसूस किया।' फ्लिंटाफ अब बिग बैश लीग में सिडनी थंडर्स टीम के मुख्य कोच होंगे।



5000वां वनडे : स्कॉटलैंड ने रोमांचक मुकाबले में कनाडा को दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| डन्डी

वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट की शुरुआत 1971 ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच हुई थी। पहले वनडे मैच के करीब 55 साल बाद इस फॉर्मेट ने एक और ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया। मेंस वनडे क्रिकेट के लिए बहुत खास रहा क्योंकि इस फॉर्मेट में 5000वां इंटरनेशनल मैच खेला गया। स्कॉटलैंड ने एक रोमांचक मुकाबले में कनाडा को हराकर इसे यादगार बना दिया। स्कॉटलैंड के डन्डी में मेंस वर्ल्ड कप लीग 2 के इस मुकाबले के साथ ही वनडे क्रिकेट ने 5000 मैच का पड़ाव छू लिया। अब इस मौके पर विश्व क्रिकेट की किन्हीं 2 बड़ी टीमों की टक्कर तो नहीं हुई लेकिन स्कॉटलैंड और कनाडा ने अपनी ओर से इस यादगार मुकाबले को रोमांचक बनाने की पूरी कोशिश की और उसमें दोनों टीम सफल भी रहीं। बस सफलता स्कॉटलैंड के हाथ लगी। मैच की मेजबानी कर रही स्कॉटिश टीम ने पहले बैटिंग की ।

मगर इसके बावजूद स्कॉटलैंड ने 7 विकेट खोकर 281 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। ऐसा इसलिए हो सका क्योंकि ओपनर फिनले मैक्क्रीथ ने एक समझदारी भरी पारी खेली। अपना 18वां वनडे मैच खेल रहे मैक्क्रीथ ने पहली बार शतक जमाते हुए 120 रन बनाए।



राशिद ने चटकाए 6 विकेट, अफगान की बड़ी जीत



ब्रीडी । जिस दिन वनडे क्रिकेट के 5000वें मैच की चर्चा हो रही थी, उसी दिन इस फॉर्मेट का 4999वां मैच भी खेला गया। सिर्फ कुछ मिनटों के अंतर के कारण दोनों मुकाबलों की ऐतिहासिक अहमियत में अंतर आ गया। मगर मुकाबले की बात करें तो 4999वां मैच भी खास साबित हुआ क्योंकि अफगानिस्तान ने इस मैच में आयरलैंड को उसके ही घर में 92 रन से हरा दिया। इस जीत के हीरो रहे अफगानिस्तान के सबसे बड़े स्टार राशिद खान, जिन्होंने 9 साल के लंबे इंतजार के बाद एक पारी में 6 विकेट झटके लिए।

एशिया कप में खेलना संदिग्ध

भारत को झटका, चोट के कारण 'द हंड्रेड' से बाहर हुईं जेमिमा



एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय महिला टीम की प्रमुख बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स सदर्न ब्रेव तरफ से खेलते हुए मांसपेशियों में खिंचाव (हैमर्सट्रिंग) के कारण मौजूदा 'द हंड्रेड' क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं और उनका आगामी महिला टी20 एशिया कप में खेलना भी संदिग्ध है।

सदर्न ब्रेव ने पुष्टि की कि टूर्नामेंट के शेष मैचों के लिए जेमिमा की जगह ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर चार्ली नॉट को टीम में शामिल किया गया है। सदर्न ब्रेव ने एक्स पर पोस्ट किया, 'हम पुष्टि करते हैं कि जेमिमा रोड्रिग्स के चोट के कारण 'द हंड्रेड' से बाहर हो जाने के बाद बाकी बचे मैचों के लिए उनकी जगह चार्ली नॉट को टीम में शामिल किया गया है। जेमी हम आपके जल्द से जल्द फिट होने की कामना करते हैं।' 25 वर्षीय जेमिमा ने ब्रेव की तरफ से छह पारियों में 35.75 के औसत और 131.19 के स्ट्राइक रेट से 143 रन बनाए। उनका उच्चतम स्कोर नाबाद 42 रन रहा।

महिला टी20 एशिया कप 28 अगस्त से शुरू होगा, जिसमें भारत 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा। जेमिमा के पास इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट तक फिट होने के लिए लगभग तीन सप्ताह का समय है।

विश्व अंडर 20 चैंपियनशिप: पूजा सिंह ने ऊंची कूद के फाइनल में बनाई जगह

भालाफेंक में यादव ने खोला खाता, जीता रजत पदक

एजेंसी ▶▶| यूजीन

आशीष यादव ने विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप में पुरुषों के भालाफेंक में रजत पदक जीतकर भारत का खाता खोला जबकि राष्ट्रीय सीनियर रिकॉर्डधारी पूजा सिंह ने महिलाओं की ऊंची कूद के फाइनल में जगह बना ली। यादव ने तीसरे दौर में 74.09 मीटर का थ्रो फेंककर रजत पदक हासिल किया। वहीं भारत के टी. धरणीधरन 72.35 मीटर के थ्रो के साथ छठे स्थान पर रहे। यादव अपने सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन से 40 सेमी पीछे रह गए। उन्होंने मार्च में पटियाला में इंडियन ओपन थ्रो प्रतिस्पर्धा में 74.49 मीटर का थ्रो फेंका था।



चोपड़ा के बाद पदक जीतने वाले बने दूसरे भारतीय

19 वर्ष के यादव दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा के बाद इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए। चोपड़ा ने 2016 में पोलैंड में 86.48 मीटर के विश्व जूनियर रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। यह रिकॉर्ड आज भी उनके नाम है। दक्षिण अफ्रीका के जान हेंड्रिक हेमैंस ने 80.50 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। वहीं डोमिनिका के एडिसन जेम्स को कांस्य पदक मिला, जिन्होंने 73 . 89 मीटर का थ्रो फेंका था।

पूजा ने लगाई 1.79 मीटर की लंबी कूद

महिलाओं की ऊंची कूद में पूजा ने 1.79 मीटर के साथ फाइनल में जगह बनाई। दोनों क्वालीफिकेशन ग्रुप से 1.79 मीटर की बाधा पार करने वाले को फाइनल में जगह मिली। पुरुषों की लंबी कूद में शाहनवाज खान और जितिन अर्जुन ने फाइनल में जगह बना ली। शाहनवाज क्वालीफिकेशन ग्रुप ए में 7.79 मीटर की कूद के साथ चौथे और कुल पांचवें स्थान पर रहे जबकि जितिन 7.57 मीटर की कूद लगाकर 12वें स्थान पर रहे। महिलाओं की भालाफेंक स्पर्धा में पूनम अपने क्वालीफिकेशन ग्रुप में आठवें और कुल 13वें स्थान के साथ फाइनल में जगह नहीं बना सकी।

TECNO

FREEDOM SALE

Available in All Mobile Store

Next Level Performance for Everyone

Delete Normal with
POVA 8 5G

Never Miss Anything
With Alive Matrix Display



POVA CURVE 2



SPARK 50
Make It Brighter

- 50MP AI Ultra Clear Camera
- Helio G85 Smooth Performance
- 6.6" HD+ Display 90 Hz Refresh Rate
- 5000mAh Long-Lasting Battery



GO 3
Go Further, Stay Connected

- 5000mAh Reliable Battery
- Unisoc T606 Efficient Performance
- 6.56" HD+ Display 90Hz Refresh Rate



Trusted TECNO Quality | Fast & Smooth Experience | Capture Life in Clear Detail | Designed for Everyone

Smarter Choice. Bigger Life.

सभी प्रकार के फायनेंस उपलब्ध

Khanna

Super Agent | tituprint | Rajasthan - Haryana - Madhya Pradesh - Chhattisgarh | 9783984511, 9828096678 | tecno@tituprint.net

JAI BABA KISHARAM ENTERPRISES
AUTHORISED DISTRIBUTOR (C.G.) TECNO acerpure hp ONEPLUS Mr. Rajesh Vaswani 9893090009
7828002600, 9575832859, 9893314137

LAXMI ELECTRONICS & SHOPPING MALL
Malviya Road, Raipur, Ph: 0771-2210000 Mo: 7000477757
Main Road, Katora Talab, Raipur, Mo: 9826139800



माइक्रोचिप की बदौलत 11 महीने से लापता बिल्ली, मालिक के पास लौटी

न्यूयार्क। जिनके घर पर पालतू जानवर होते हैं, वो ही उनसे बिछड़ने का दुख समझ सकते हैं। अगर वह एक पल के लिए भी आखों से ओझल हो जाए तो दिल बैठ जाता है। ऐसा ही अमेरिका के रहने वाले एक व्यक्ति के साथ हुआ था, जिनकी पालतू बिल्ली अचानक लापता हो गई थी। उनकी बिल्ली 11 महीनों से लापता थी और वह उसकी तलाश करते-करते थक चुके थे। हालांकि, बिल्ली में लगी माइक्रोचिप की बदौलत वह घर वापस लौट सकी। इस बिल्ली का नाम हैरियट है।

स्वास्थ्य जांच के बाद चला माइक्रोचिप का पता

यह बिल्ली अमेरिका के मिसौरी राज्य की सड़कों पर बेबस घूम रही थी। तभी अचानक रेमोर पशु नियंत्रण केंद्र के एक कर्मचारी की उस पर नजर पड़ गई। बस फिर क्या था, वह उसे उठाकर अपने केंद्र ले गए और उसकी स्वास्थ्य जांच करवाई। स्कैन करने के बाद पाता चला कि बिल्ली के शरीर में एक माइक्रोचिप लगी हुई है। यही माइक्रोचिप बिल्ली के असली मालिक को खोलने का एक जरिया बन गई।

माइक्रोचिप में मौजूद थी सारी जानकारी

जब कर्मचारियों ने बिल्ली के शरीर में लगी माइक्रोचिप को निकाला तो उन्हें उम्मीद की किरण नजर आई। दरअसल, इसमें बिल्ली के मालिक की सारी जरूरी जानकारी मौजूद थी। इस छोटी-सी चिप में मालिक के नाम और नंबर के साथ-साथ उनका पता तक लिखा हुआ था।

1 या 2 नहीं... बाइक में लगे थे 500 हॉर्न! पुलिस ने लिया ऐसा एक्शन

हरिद्वार। हरिद्वार में चल रही कांवड़ यात्रा के बीच अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। उत्तराखंड से जुड़े राज्यों के लाखों कांवड़िए गंगा जल लेने हरिद्वार पहुंच रहे हैं। कांवड़ मेले में श्रद्धालु दूसरों का ध्यान अपनी ओर खींचने के लिए अलग-अलग तरह के प्रयोग करते नजर आ रहे हैं। इसी दौरान 500 हॉर्न लगी एक बाइक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। जानकारी के मुताबिक, यह बाइक फरीदाबाद के रहने वाले अमन की बताई जा रही है। बाइक को सामान्य तरीके से मॉडिफाई करने के बजाय इसमें करीब 500 हॉर्न लगाए गए थे। इतनी बड़ी संख्या में हॉर्न लगी बाइक जब सड़कों पर दिखाई दी तो लोगों का ध्यान उसकी ओर चला गया. इसी बाइक को हरिद्वार पुलिस ने शंकराचार्य चौक पर रोक लिया। पुलिस ने जांच के बाद बाइक को मॉडिफाइड पाए जाने पर सीज कर दिया। कार्रवाई के बाद जब पुलिसकर्मी बाइक को कनखल थाने लेकर जा रहा था, तभी किसी व्यक्ति ने इसका वीडियो बना लिया। देखते ही देखते यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और 500 हॉर्न वाली बाइक चर्चा का विषय बन गई।

हरिद्वार में चल रही कांवड़ यात्रा के बीच अलग-अलग रंग



अनोखा अंदाज पड़ा भारी

हरिद्वार में कांवड़ यात्रा के दौरान इस तरह के अलग-अलग वाहन और सजावट अक्सर लोगों का ध्यान खींचते हैं। हालांकि, वाहन में नियमों के विपरीत बदलाव करना चालक के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। 500 हॉर्न वाली इस बाइक के मामले में भी पुलिस ने मॉडिफिकेशन को आधार बनाकर कार्रवाई की है। फिलहाल, बाइक पुलिस के कब्जे में है और उसे सीज किया जा चुका है। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद लोग बाइक में लगाए गए हॉर्न की संख्या को लेकर हैरानी जता रहे हैं। पुलिस की कार्रवाई के बाद यह मामला कांवड़ मेले की चर्चित घटनाओं में शामिल हो गया है।

थाने ले जाया गया बाइक

पुलिस के मुताबिक, कार्रवाई के बाद बाइक को कनखल थाने ले जाया गया। इसी दौरान बाइक पर लगे सैकड़ों हॉर्न लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गए. किसी ने इसका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया, जो बाद में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल होने लगा।

धरती के अंदर दबा है अथाह सोना, 50 सेमी मोटी परत से ढक जाएगी पृथ्वी

वॉशिंगटन। वैज्ञानिकों का माना है कि धरती के अंदर अथाह मात्रा में सोना मौजूद है। यह मात्रा इतनी ज्यादा है कि इससे पृथ्वी के हर महाद्वीप को ढका जाए तो 50 सेंटीमीटर मोटी सोने की परत बिछ जाएगी। लेकिन, इसका मतलब यह नहीं है कि यह किसी खदान में है जिसे आसानी से निकाला जा सकता है। यह सारा सोना धरती के मैंटेलिक कोर में मौजूद है। यह कोर पृथ्वी की सतह से लगभग 2900 किमी नीचे शुरू होती है।



मेंटल के नीचे दबा 99 फीसदी सोना

वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी का 99.99 प्रतिशत से ज्यादा सोना और दूसरी कीमती धातुएं मेंटल के नीचे मौजूद हैं। सोना साइडरोफाइल होता है। इसका मतलब है कि यह आसानी से आयरन से भरपूर मेटल में मिल जाता है। जब शुरुआत में पृथ्वी इतनी गर्म थी कि मेटल और सिलिकेट अलग हो सकते थे, उस दौरान ज्यादातर सोना कोर में चला गया।

कोर से सतह तक आ रही धातु

अब वैज्ञानिकों को एक स्टडी में पता चला है कि आखिरकार इस सोने तक इंसान की पहुंच हो सकती है। यूनिवर्सिटी ऑफ गॉटिंगेन के जियोकेमिस्ट नाइल्स मेसलिंग के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की टीम ने हवाई में स्थित ज्वालामुखी चट्टानों में रूथेनियम आइसोटोप के सिग्नल की माप की तो हैरान करने वाली जानकारी मिली। यह सिग्नल बताता है कि कोर से निकला मैटेरियल मैंटल में जाता है और आखिरकार सतह की ओर आता है। हालांकि, इस स्टडी से सोने की धारा के ऊपर आने का पता नहीं चला। स्टडी में रूथेनियम को मापा गया था, जो एक कीमती धातु है।









यूरोप की वनाग्नि के कारण द्वितीय विश्व युद्ध के बिना फटे बम बने नया खतरा

लंदन। जर्मनी के पूर्वोत्तर हिस्से में स्थित म्यूरित्ज राष्ट्रीय उद्यान में जुलाई में जब वनाग्नि भड़की तो यह कोई सामान्य अग्निशमन अभियान नहीं था। दमकलकर्मियों के साथ बम निरोधक दलों को भी काम करना पड़ा, क्योंकि जंगल की जमीन के नीचे शीत युद्ध के दौर के गोला-बारूद दबे हुए हैं। विस्फोट के खतरे के कारण कुछ हिस्सों तक दल सीधे नहीं पहुंच सके। इसके कुछ ही समय बाद दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के गिरोंड क्षेत्र में वनाग्नि ने 42,000 हेक्टेयर इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। ले पोर्ज गांव के आसपास खेतों में फैली आग ने द्वितीय विश्व युद्ध के समय जमीन में दबे गोला-बारूद को सामने ला दिया। उस जमीन से कम से कम 75 गोले बरामद किए गए। आग के दौरान इनमें से कई गोले फट गए और एक गोला मकान की दीवार को भेदता हुआ निकल गया।



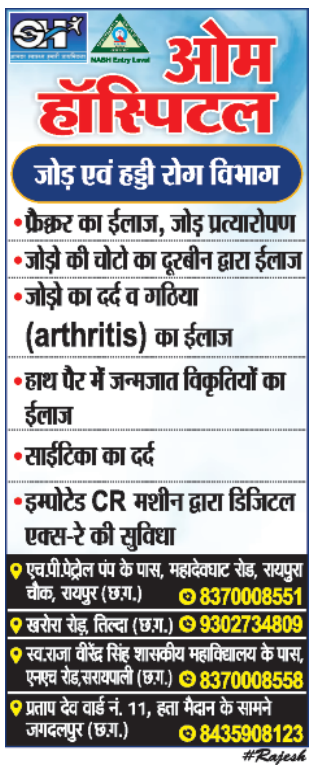



दुनिया सबसे छोटा पहाड़ जिसे देखकर कहेंगे- पर्वत है या कोई मामूली टीला?

केनबरा। दुनियाभर में एक से बढ़कर एक ऊंचे पहाड़ हैं। माउंट एवरेस्ट से लेकर के2 तक। इन चोटियों पर अक्सर लोग चढ़ाई भी करते हैं। लेकिन, क्या आप दुनिया की सबसे छोटी पहाड़ी के बारे में जानते हैं? वो पहाड़ी, जिसे देखकर एक टीले जैसा अहसास होता है। सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन यह सच है। अगर आप इस पहाड़ी के बारे में नहीं जानते हैं, तो बता दें कि इसका नाम माउंट वाइचप्रूफ है। इस पर चढ़ने में महज एक से दो मिनट का ही समय लगता है। माउंट वाइचप्रूफ ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया प्रांत में स्थित है। आधिकारिक तौर पर इसे दुनिया के सबसे छोटे रजिस्टर्ड माउंटेन का दर्जा दिया गया है। सड़क किनारे एक छोटे से टीले की तरह दिखने वाला यह पहाड़ पहली नजर में किसी को भी भ्रम में डाल सकता है, लेकिन इसका भूवैज्ञानिक महत्व और इतिहास अनोखा है। समुद्र तल से अगर इस पहाड़ की कुल ऊंचाई नापी जाए, तो यह लगभग 148 मीटर है। एक छोटे पहाड़ के हिसाब से इसकी ऊंचाई ठीक मानी जाती है। लेकिन, ये पहाड़ी थोड़ी अलग है। कहने को तो यह जमीन से 43 मीटर ऊपर है। लेकिन, ढलान इतने सामान्य तरीके से उभरे हैं कि पता भी नहीं चलता कि पहाड़ी एरिया कहां से शुरू हुआ। यह पहाड़ वाइचप्रूफ नाम के एक छोटे से शहर में स्थित है, जो खुद इस पहाड़ी के दक्षिण-पश्चिमी ढलानों पर बसा है। इस शहर की स्थापना आधिकारिक तौर पर साल 1875 में हुई थी, लेकिन यहां इंसानी बस्तियों का इतिहास 1846 से ही मिलता है।



हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com